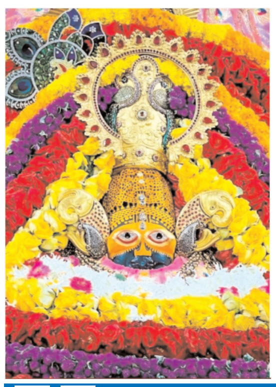

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 21। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 17 सितंबर 2026 (गुरुवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'विदेशी दबाव' वाली बात झूठी

• यूपीआई चार्ज पर सरकार की सफाई- ग्राहकों के लिए पेमेंट अब भी रहेगा फ्री

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपीआई को लेकर 'विदेशी दबाव' के आरोपों पर केंद्र सरकार ने बुधवार को सफाई दी है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यूपीआई से जुड़े फैसले भारत अपने स्तर पर लेता है और इनमें किसी बाहरी देश का दबाव नहीं है। मंत्रालय के मुताबिक, नई व्यवस्था का उद्देश्य डिजिटल पेमेंट सिस्टम को आर्थिक रूप से टिकाऊ, समावेशी और लोगों के लिए सस्ता बनाए रखना है।

दरअसल, 15 अक्टूबर 2026 से 2,000 रुपये से अधिक के कुछ यूपीआई मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर 0.4 प्रतिशत मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) लागू किया जाएगा। यह शुल्क ग्राहकों पर नहीं, बल्कि मर्चेंट यानी दुकानदार या कारोबारी पर लगाया जाएगा। 75,000 रुपये या उससे अधिक के ट्रांजैक्शन पर MDR की अधिकतम सीमा 300 रुपये होगी।

यूपीआई से पैसे भेजना रहेगा मुफ्त

वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि आम ग्राहकों के लिए यूपीआई पहले की तरह मुफ्त रहेगा। दोस्तों या परिवार के लोगों को पैसे भेजने, दुकानों पर भुगतान करने और ्तक्र कोड स्कैन करने जैसे रोजमर्रा के

भुगतान पर ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। खास तौर पर व्यक्ति से व्यक्ति यानी PwP ट्रांजैक्शन इस MDR के दायरे में नहीं आएंगे।

2,000 रुपये तक के भुगतान पर कोई शुल्क नहीं

नई व्यवस्था में 2,000 रुपये तक के मर्चेंट यूपीआई भुगतान पर भी कोई MDR नहीं लगेगा। वित्त मंत्रालय ने कहा है कि 95 प्रतिशत से अधिक मर्चेंट ट्रांजैक्शन 2,000 रुपये से कम के हैं। इसके अलावा, यूपीआई QR के जरिए हर महीने 1 लाख रुपये तक कमाने वाले छोटे व्यापारियों को भी शुल्क से बाहर रखा गया है।

जरूरी सेवाओं के लिए 5 रुपये की फ्लैट फीस

रेल टिकट, ईंधन, टेलीकॉम, इंश्योरेंस और कुछ अन्य जरूरी सेवाओं से जुड़े 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत के बजाय 5 रुपये की फ्लैट फीस लागू होगी। सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था से जरूरी सेवाओं और छोटे कारोबारों पर लागत का दबाव सीमित रखने की कोशिश की गई है।

नया एमडीआर डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को करेगा मजबूत: फोनपे सीईओ

नई दिल्ली। फोनपे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) समीर निगम ने बुधवार को कहा कि यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लागू किए गए नए मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) ढांचे के तहत ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के डिजिटल पेमेंट इकोसिस्टम को वित्तीय रूप से टिकाऊ बनाने के लिए यह कदम जरूरी है। आईएएनएस को दिए एक साक्षात्कार में फोनपे के सीईओ समीर निगम ने स्पष्ट किया कि ग्राहक पहले की तरह ही बिना किसी शुल्क के यूपीआई का उपयोग करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि 1 लाख रुपए से कम वार्षिक कारोबार वाले छोटे व्यापारी भी एमडीआर व्यवस्था के दायरे से बाहर रहेंगे।

पटना में छझीरम घाटी हमला: 13 साल बाद हुआ इंसाफ

सभी 10 दोषियों को फांसी

कांग्रेस के प्रमुख नेताओं समेत 29 लोगों की हुई थी मौत

एजेंसी

पटना। छत्तीसगढ़ के इतिहास में हुए वीभत्स नक्सली हमलों में से एक 2013 के झीरम घाटी हमले में अदालत का फैसला आ गया है। एनआईए की विशेष अदालत ने सभी 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। जगदलपुर स्थित एनआईए की विशेष अदालत ने इससे पहले 05 सितंबर को आरोपियों को दोषी करार देते हुए

सजा पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। झीरम घाटी मामले में कुल 11 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई चली थी। ट्रायल के दौरान एक आरोपी की मौत हो गई थी जिसके बाद 10 आरोपियों को दोषी करार दिया गया जिन्हें अब फांसी की सजा सुना दी गई है। अभियोजन पक्ष ने कोर्ट में 101 गवाहों के बयान दर्ज कराए थे।अदालत ने जिन 10 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है उनमें प्रमिला मोडियम, चैतू लेकाम उर्फ मुन्ना, सुमिता उर्फ पुनेम मोडियम, मुक्का मांडवी, कोसा कवासी उर्फ कोसाराम, आयता मरकाम, मडकामी देवा, जोगा मडकामी, बनजामी सन्ना उर्फ चमरू और महादेव नाग शामिल है। 11वें आरोपी की ट्रायल के दौरान मौत हो गई थी, जबकि चार्जशीट में आरोपी के तौर पर नामजद 28 अन्य लोगों को वॉन्टेड बताया गया है। कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा के बाद कांग्रेस नेताओं का काफिला सुकमा से जगदलपुर लौट रहा था। इस काफिले में कांग्रेस के कई बड़े नेता और कार्यकर्ता शामिल थे। तभी झीरम घाटी में नक्सलियों ने सड़क पर पेड़ गिराकर काफिले का रास्ता रोक दिया। काफिला रुकते ही नक्सलियों ने हमला कर दिया। इस हमले में जो 29 लोग मारे गए थे उसमें तत्कालीन प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंदकुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा और कांग्रेस नेता उदय मुदलियार का नाम शामिल था। मरने वालों में 10 पुलिसकर्मी भी थे।

कॉकरोच जनता पार्टी का 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान, सुविधाओं की कमी पर उठाए सवाल

नागपुर। महाराष्ट्र में आदिवासी स्कूलों की स्थिति को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दिपके ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आदिवासी बच्चों को स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं, पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था, दवाएं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक उपलब्ध नहीं हो पा रही है। इस दौरान दिपके ने दावा किया कि पिछले दो वर्षों में महाराष्ट्र के आश्रम स्कूलों में 590 से अधिक बच्चों की मौत हुई है। अभिजीत दिपके ने कहा कि उनकी पार्टी आदिवासी स्कूलों की स्थिति को लेकर 'आदिवासी स्कूल ठीक करो' अभियान शुरू करने जा रही है। पिछले कुछ दिनों में आदिवासी बच्चों और उनके स्कूलों की जो स्थिति सामने आई है, वह बेहद चिंताजनक है। कई आदिवासी स्कूलों की इमारतों और वहां उपलब्ध सुविधाओं की स्थिति ऐसी है कि वे बच्चों के पढ़ने के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

शहजाद भट्टी नेटवर्क आतंकी संगठन घोषित

• केंद्र सरकार यूएपीए के तहत लिया एक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शहजाद भट्टी नेटवर्क को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी UAPA के तहत आतंकवादी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, यह नेटवर्क सीमा पार हथियार, विस्फोटक और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल रहा है। मंत्रालय ने कहा कि यह नेटवर्क युवाओं और छोटे अपराधियों को आतंकवाद की ओर धकेलने के साथ भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और सांप्रदायिक सौहार्द को निशाना बनाने वाला नफरती डिजिटल कंटेंट भी प्रसारित करता था।

युवाओं को आतंकवाद की ओर धकेलने का आरोप

गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, SBN कथित तौर पर युवाओं को अलग-अलग तरह के लालच देकर कट्टरपंथ की ओर ले जाता है और उन्हें भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रेरित करता

है। इसके अलावा संगठन अन्य प्रतिबंधित संगठनों और नामित संस्थाओं के साथ मिलकर आतंकी गतिविधियों के लिए संसाधन जुटाने में भी शामिल बताया गया है। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक, SBN कथित तौर पर युवाओं को अलग-अलग तरह के लालच देकर कट्टरपंथ की ओर ले जाता है और उन्हें भारत विरोधी गतिविधियों के लिए प्रेरित करता है।

'यही मोदी जी के अच्छे दिन हैं'

• यूपीआई के नए नियम पर तेजस्वी का तंज

बोले- महंगाई से पहले ही जनता परेशान

एजेंसी

नई दिल्ली। यूपीआई ट्रांजेक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू किए जाने को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। आरजेडी नेता और बिहार विधानसभा में नेता

प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए इसे महंगाई के बीच जनता पर अतिरिक्त बोझ बताया। उन्होंने कहा कि गैस, पेट्रोल और डीजल पहले से महंगे हैं और अब यूपीआई को लेकर भी लोगों को परेशान किया जा रहा है। तेजस्वी यादव ने कहा कि लोग बड़े पैमाने पर यूपीआई का इस्तेमाल कर रहे हैं और अब 2,000 रुपये से ज्यादा के लेन-देन पर फीस लगाने की बात हो रही है। उन्होंने इसे मोदी सरकार के 'अच्छे दिन' से जोड़ते हुए नोटबंदी और महंगाई का भी जिक्र किया। तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जनता पहले से महंगाई से परेशान है और ऐसे फैसलों से उसकी मुश्किलें और बढ़ेंगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि एटीएम से पैसे निकालने पर भी लोगों को एक्स्ट्रा चार्ज देना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हर चीज पर टैक्स और फीस बढ़ने के बाद अब यूपीआई को लेकर भी शुल्क की बात सामने आई है। तेजस्वी ने दावा किया कि 2000 रुपये से ज्यादा खर्च करने पर फीस लगेगी और इससे जनता पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

'2000 से ऊपर की पेमेंट यूपीआई से लेना बंद कर देंगे'

• एमडीआर चार्ज को लेकर पेट्रोल पंप डीलरों ने दी कैश पेमेंट की धमकी

एजेंसी

श्रीनगर । NPCI की ओर से जारी हुए यूपीआई ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) को लेकर देश में बवाल खड़ा हो गया है। विपक्षी दलों ने सरकार से मांग की है कि इस फैसले को वापस लिया जाए। इस बीच पेट्रोल पंप डीलरों ने भी धमकी दी है कि अगर उन्हें हर ट्रांजैक्शन पर 5 रुपये का फ्लैट मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) देना पड़ा तो वह 2000 से अधिक की पेमेंट UPI से लेना बंद कर देंगे और कैश पर ट्रांसफर हो जाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मुंबई, कर्नाटक और राजस्थान के पेट्रोल पंप डीलरों ने बताया है कि इस चार्ज से उनका प्रोफिट मार्जिन बहुत कम हो जाएगा। पेट्रोल पंप डीलरों का कहना है कि किसी भी रूप में MDR उनके लगभग 2.40-3.40 प्रति लीटर के मार्जिन पर एक्स्ट्रा बोझ है।

'कैश की ओर ट्रांसफर हो जाएंगे पेट्रोल पंप'

रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली और आसपास के राज्यों में अधिकतर पेट्रोल पंप डीलरों ने अपना नाम छिपाने की शर्त पर कहा है कि सरकार अगर इस फैसले को वापस नहीं लेती हो तो हम 2000 से अधिक की पेमेंट UPI से लेना बंद कर देंगे और कैश की ओर ट्रांसफर हो जाएंगे। रिपोर्ट के अनुसार, फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया पेट्रोलियम ट्रेडर्स (FAIPT) के स्पोक्सपर्सन मोंटी सहगल ने कहा है, 'अगर फ्यूल रिटेलर्स को छूट नहीं दी गई तो हमें 2000 रुपये और उससे ज्यादा के UPI पेमेंट लेना बंद करना पड़ सकता है।'

'पेट्रोलियम रिटेल की तुलना आम रिटेल बिजनेस ने करना सही नहीं'

अखिल कर्नाटक फेडरेशन ऑफ पेट्रोलियम ट्रेडर्स (AKFPT) ने MDR चार्ज से छूट की मांग की है। उन्होंने केंद्र और सरकारी OMC's को लिखे लेटर में कहा है कि पेट्रोलियम रिटेल आउटलेट्स की तुलना आम रिटेल बिजनेस से नहीं की जा सकती।
लेटर में आगे कहा गया है कि पेट्रोल और डीजल की सेलिंग प्राइस संबंधित ऑयल मार्केटिंग कंपनियां तय करती हैं और पेट्रोलियम डीलर एक तय डीलर कमीशन और मार्जिन स्ट्रक्चर पर काम करते हैं।

'लापरवाही और आपराधिक आचरण का नतीजा'

• दिल्ली हाईकोर्ट बोला- सत्य निकेतन हादसा मामूली घटना नहीं

हॉस्टल की समस्या से कौन अनजान है?

एजेंसी

नई दिल्ली । सत्य निकेतन बिल्डिंग हादसे को लेकर बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी की। हाई कोर्ट ने कहा कि सात लोगों की मौत का कारण बना सत्य निकेतन पेइंग गेस्ट (PG) बिल्डिंग हादसा लापरवाही और आपराधिक आचरण का नतीजा था। दिल्ली हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस कारिया की खंडपीठ ने इंडियन एक्सप्रेस में प्रकाशित उस लेख की ओर इशारा किया जिसमें इमारत के ढहने से जान गंवाने वाले चार छात्रों का जिक्र था।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, अदालत ने कहा, 'यह कोई मामूली घटना नहीं है। ये

चारों छात्र ढेर सारी उम्मीदों और सपनों के साथ राजधानी आए थे। वे छोटे कस्बों से आए थे। इन सब सपनों को एक निर्मम और आपराधिक कृत्य ने चकनाचूर कर दिया। शहर में छात्रावासों की समस्या से कौन अनजान है? छात्र उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली आ रहे हैं और यह कोई नई बात नहीं है। पिछले 20-25 सालों से ऐसा ही होता आ रहा है, इस उम्मीद में कि वे अपना करियर बनाएंगे। देखिए क्या हुआ।' हाई कोर्ट ने घटना के संबंध में आकर्षक दानवीर राठी द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) की सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 25 सितंबर को करेगी। जब इस मामले से संबंधित अन्य मामलों पर भी विचार किया जाएगा।

'जांच पर सवाल उठाना जल्दबाजी'

• सुप्रीम कोर्ट ने HPEC के पुनर्गठन से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने जंतर-मंतर पर हुए स्टूडेंट्स के प्रदर्शन के दौरान हिंसा के आरोपों की जांच कर रही हाई पावर्ड एनक्वायरी कमेटी (HPEC) के पुनर्गठन की मांग खारिज कर दी है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी.मोहना की बेंच ने कहा कि कमेटी ने अभी जांच शुरू ही की है। अभी से आपत्ति जताना या सवाल उठाना जल्दबाजी है। शीर्ष अदालत ने एचपीईसी के पुनर्गठन के लिए कुछ पक्षों द्वारा दायर आवेदन को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि पैनल पर उनकी

आपत्तियां समय से पहले थीं। न्यायालय ने अपने आदेश में कहा, 'हमें कुछ हद तक चिंता के साथ यह कहना पड़ रहा है कि HPEC पर जिस तरह से आरोप लगाए गए हैं, वह समय से पहले और जल्दबाजी में किए गए हैं।' अदालत ने कहा कि अनुरोध केवल अनुमान पर आधारित है, क्योंकि HPEC ने अभी-अभी अपनी जांच शुरू की है। पीठ ने कहा कि यह सभी को समझना चाहिए कि HPEC का गठन निष्पक्षता और पारदर्शिता के उच्चतम मानकों के साथ और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाते हुए इस न्यायालय की सहायता के लिए किया गया है।

शिवराज सिंह चौहान और सम्राट चौधरी ने किया हवाई सर्वेक्षण

• हरसंभव मदद का दिया भरोसा

एजेंसी

भागलपुर। बिहार में गंगा, कोसी और गंडक सहित प्रमुख नदियों के उफान पर होने के कारण बाढ़ की स्थिति अत्यंत गंभीर बनी हुई है। राज्य के विभिन्न जिलों में करीब 50 लाख की आबादी इस विभीषिका से प्रभावित है। इसी संकट के बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को भागलपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का संयुक्त दौरा किया। दोनों

नेताओं ने हवाई सर्वेक्षण के जरिए बाढ़ और भीषण कटाव की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। हवाई निरीक्षण के बाद दोनों नेता राहत शिविरों में पहुंचे, जहां उन्होंने बाढ़ पीड़ितों से सीधी बातचीत कर उनका दुख-दर्द साझा किया। शिविरों में केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री ने भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा विस्थापित बच्चों की पढ़ाई के लिए की गई व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया। प्रभावितों को ढांढस बंधाते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, प्राकृतिक आपदाएं आती-जाती रहती हैं, लेकिन हमारी सरकार का मुख्य प्रयास यह है कि इस संकट की घड़ी में जनता को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो। केंद्र सरकार बिहार के बाढ़ प्रभावित परिवारों और विशेष रूप से अन्नदाताओं के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बाढ़ के पानी से फसलों, मकानों और पशुओं को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन कराया जाएगा और पीड़ितों को हरसंभव आर्थिक और व्यावहारिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम हर श्रद्धालु को देगा दो लाख रुपये का बीमा कवर : चंद्रबाबू नायडू

दुनिया के उन शहरों में भी श्रीवारी मंदिर स्थापित करने की योजना है, जहां बड़ी संख्या में हिंदू आबादी रहती है।

एजेंसी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के साथ मिलकर तिरुमला आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु को बीमा सुविधा देने का निर्णय लिया है। इसके तहत यात्रा के दौरान प्राकृतिक कारणों से मृत्यु होने पर परिजनों को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। टीटीडी ने श्रद्धालुओं को आधार आधारित ऑनलाइन बीमा सुविधा से जोड़ने का फैसला किया है। नायडू ने टीटीडी अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के बाद संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बीमा योजना के साथ-साथ तिरुमला और तिरुपति में कई अन्य विकास एवं यात्री सुविधाओं से जुड़ी योजनाएं भी शुरू की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने एसवी संग्रहालय का उद्घाटन भी किया। उन्होंने बताया कि संग्रहालय को टीसीएस ट्रस्ट ने 104 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया है और आगामी पांच वर्षों तक वही ट्रस्ट इसका संचालन करेगा। उन्होंने बताया कि वैकुंठम कॉम्प्लेक्स-1 में 'दुर्लभ दर्शन' नाम से एक हीलिंग एक्सपीरियंस सेंटर स्थापित किया गया है। इसमें मंदिर के इतिहास और भगवान वेंकटेश्वर की भव्यता को प्रदर्शित किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रिलायंस फाउंडेशन ने 25 इलेक्ट्रिक बसें दान की हैं, जबकि सात बसें भारत बायोटेक की ओर से उपलब्ध कराई गई हैं। मुख्यमंत्री ने नारायणगिरि सर्कल पर इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नायडू ने कहा कि सरकार श्रीवाणी ट्रस्ट के माध्यम से 5,000 मंदिरों के निर्माण की योजना पर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि राज्य के 65 मंदिर टीटीडी से संबद्ध हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुनिया के उन शहरों में भी श्रीवारी मंदिर स्थापित करने की योजना है, जहां बड़ी संख्या में हिंदू आबादी रहती है। उन्होंने बताया कि मॉरीशस, न्यूजीलैंड और भारत के अन्य हिस्सों से मंदिर निर्माण के लिए अनुरोध मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीब 2,300 वर्षों के समृद्ध इतिहास वाले तिरुमला को दुनिया के प्रमुख मंदिरों में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाले अन्नदानम ट्रस्ट के बारे में बताया कि उसके पास 3,165 करोड़ रुपये का कॉर्पस फंड है। उन्होंने अन्नप्रसादम की गुणवत्ता और व्यवस्था को और बेहतर बनाने की बात कही।

बोपल पुलिस स्टेशन में जीआरडी जवान बना 'वहीवटदार'?

मेहुल पंचाल पर गंभीर आरोपः अकूत संपत्ति, शराब-सट्टे और ड्रग्स के नेटवर्क पर बड़ा खुलासा!

महानगर मेट्रो सुपर एक्सक्लूसिव रिपोर्ट-शराब, सट्टे और एमडी ड्रग्स के बेखौफ नेटवर्क से थर्राया इलाका

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

अहमदाबाद (बोपल)। अहमदाबाद जिले के सबसे पॉश माने जाने वाले बोपल इलाके में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की सनसनीखेज रिपोर्ट सामने आई है। बोपल पुलिस स्टेशन में कार्यरत एक साधारण जीआरडी (ग्राम रक्षक दल) जवान मेहुल पंचाल के कथित तौर पर पूरे पुलिस स्टेशन का 'वहीवटदार' (प्रशासक/वसूली बाज) बन बैठने के गंभीर आरोप लगे हैं। एक साधारण वेतनभोगी जीआरडी जवान के पास अचानक अकूत संपत्ति कहां से आई? क्या आयकर विभाग और भ्रष्टाचार निवारण ब्यूरो (एसीबी) इस कथित वहीवटदार की बेनामी संपत्तियों की निष्पक्ष जांच करेंगे? यह सवाल इस समय पूरे बोपल क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

शराब, जुआ, जहरीली शराब और एमडी ड्रग्स का बेखौफ नेटवर्कः युवा पीढ़ी हो रही बर्बाद

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बोपल इलाके में देशी-विदेशी शराब के अड्डे, जुआघर और घातक एमडी ड्रग्स का नेटवर्क बेधड़क चल रहा है। राज्य में पहले हुई लट्ठाकांड (जहरीली शराब कांड) जैसी गंभीर त्रासदियों से भी बोपल पुलिस ने कोई सबक नहीं लिया है। बोपल में हानिकारक रसायनों से युक्त जहरीली शराब खुलेआम बेची जा रही है, जो सीधे तौर पर एक और लट्ठाकांड को न्योता दे रही है। शराब तस्करों में पुलिस का कोई डर नहीं रह गया है और परिणामस्वरूप क्षेत्र की युवा पीढ़ी नशे की गर्त में धकेल कर बर्बाद की जा रही है।

विदेशी युवतियों द्वारा स्पा की आड़ में गोरखधंधाः पैसों के लालच में पुलिस मौन?

चौंकाने वाले विवरण के अनुसार, बोपल के पॉश इलाकों में स्थित स्पा सेंटरों में विदेशी युवतियों को रखकर गैर-कानूनी और असामाजिक गतिविधियां चलाई जा रही हैं। आरोप है कि कथित वहीवटदार और पुलिस के कुछ भ्रष्ट तत्वों के हफ्ताखोरी के लालच के कारण इन सभी काले कारोबारों को खुली छूट मिल गई है। क्या स्थानीय पुलिस निरीक्षक को इस बात की जानकारी नहीं है या फिर पैसों के लालच में आंखें मूंद ली गई हैं? यह एक बड़ा सवाल है।

क्या एलसीबी और जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) अनजान हैं? उच्च स्तरीय जांच की मांग

सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि क्या अहमदाबाद जिला एलसीबी (लोकल क्राइम ब्रांच), वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) इन सभी गोरखधंधों से सचमुच अनजान हैं या उनके सामने तस्वीर अलग पेश की जा रही है? जब गृह मंत्री हर्ष संघवी राज्य में ड्रग्स और अवैध गतिविधियों के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाते हैं, तब बोपल पुलिस स्टेशन के इस कथित वहीवटदार और पूरे हफ्ताखोरी रैकेट के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), आयकर विभाग और निष्पक्ष एजेंसियों द्वारा गहन जांच की उम्मीद बोपल की जनता कर रही है।

नडियाद-उत्तरसंडा रोड पर कालमुखी एसटी बस ने बाइक सवार को रौंदा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नडियाद। नडियाद-उत्तरसंडा रोड पर स्थित कोंकरण मंदिर के पास एक अत्यंत करुण और भीषण हादसा हुआ है। तेज रफ्तार से आ रही गुजरात राज्य मार्ग परिवहन निगम (एसटी) की बस ने एक बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी, जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। इस हादसे में जान गंवाने वाला युवक नडियाद का ही निवासी और एक नामी कंपनी में कार्यरत था, जिससे पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। मिली जानकारी के अनुसार, नडियाद से चकलासी और विद्यानगर की ओर जा रही एसटी बस कोंकरण मंदिर के पास से गुजर रही थी। इसी दौरान बस चालक ने गति पर से नियंत्रण खो दिया या लापरवाही से वाहन चलाते हुए सामने से आ रही बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाइक सवार सड़क पर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे का शिकार हुआ युवक नडियाद निवासी हेमील पंड्या निकला। हेमील पंड्या मारुति सुजुकी सर्विस सेंटर में बॉडी शॉप एडवाइजर के रूप में कार्यरत था। हादसे में शरीर और सिर पर गंभीर चोटें आने के कारण हेमील ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। खून से लथपथ पड़े युवक को देखकर आसपास के स्थानीय लोग और वाहन चालक तुरंत मदद के लिए दौड़ पड़े। घटना की सूचना मिलते ही नडियाद पुलिस का दस्ता मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने मृतक हेमील पंड्या के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजने की प्रक्रिया शुरू की। हादसा करने वाली एसटी बस के चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एक होनहार युवक की अचानक हुई दर्दनाक मौत से पंड्या परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और नडियाद में गहरा शोक व्याप्त है।

गोंडल में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन के जश्न से पहले विवाद, बीयर की पेटियों में पहुंचे दीये तो मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडल/राजकोट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में देशभर में 'आशीर्वाद का दीया' समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस बीच राजकोट के गोंडल शहर से एक चौंकाने वाला और विवादित मामला सामने आया है। पीएम मोदी के जन्मदिन के अवसर पर जलाने के लिए मंगवाए गए मिट्टी के दीये बीयर की पेटियों (शराब के डिब्बों) में भरकर सप्लाई किए जाने से भारी हंगामा मच गया है। गोंडल शहर में पीएम मोदी के जन्मदिन के अवसर पर दीप प्रज्वलन कार्यक्रम के लिए बड़ी मात्रा में मिट्टी के दीये मंगवाए गए थे। लेकिन जब दीयों की यह खेप उतारी गई तो वहां मौजूद लोग और कार्यकर्ता दंग रह गए। दीये सामान्य गत्ते के डिब्बों के बजाय बीयर की पेटियों और शराब के ब्रांड वाले डिब्बों में पैक होकर आए थे। राज्य में एक तरफ सख्त शराबबंदी का दावा किया जाता है और दूसरी तरफ देश के प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च नेता के जन्मदिन के पवित्र अवसर पर इस्तेमाल होने वाले दीये शराब/बीयर के डिब्बों में लाए जाने पर स्थानीय लोगों और विपक्षी दलों में भारी आक्रोश देखने को मिला है। इस घटना का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होते ही गोंडल समेत पूरे राजकोट जिले की राजनीति में गर्माहट आ गई है। यह मामला सामने आने के बाद आयोजक और सप्लायर भाग-दौड़ करने लगे हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, दीये पैक करने वाले व्यापारी या कुम्हार ने आसपास से मिले रद्दी के डिब्बों के रूप में बीयर के खाली डिब्बों का इस्तेमाल कर लिया होने की चर्चा है। हालांकि, एक धार्मिक और राजनीतिक रूप से संवेदनशील अवसर के लिए इस तरह की घोर लापरवाही बरते जाने से प्रशासनिक तंत्र और स्थानीय नेतृत्व बैकफुट पर आ गया है।

बोपल-शीलज कैनाल रोड हिट एंड रन केस का पर्दाफाश, वाहन चालक को बोपल पुलिस ने डूंगरपुर से दबोचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/बोपल। अहमदाबाद के पश्चिमी इलाके में स्थित बोपल-शीलज कैनाल रोड पर हुई हिट एंड रन की अत्यंत दर्दनाक घटना में बोपल पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। हादसे में मासूम महिला को कुचलकर मौके से फरार हुए बाइक सवार आरोपी को बोपल पुलिस ने राजस्थान की डूंगरपुर सीमा से गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में पत्नी को खोने वाले पति ने मीडिया और पुलिस के सामने रोते-बिलखते अपनी व्यथा सुनाकर न्याय की गुहार लगाई थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को सलाखों के पीछे धकेल दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक, बोपल-शीलज कैनाल रोड से दंपत्ति गुजर रहा था, तभी पीछे से तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे वाहन चालक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस भयानक हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई और इलाज मिलने से पहले ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसा करने के बाद आरोपी अपना वाहन लेकर पलक झपकते ही मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मृतक महिला के पति का रोता हुआ वीडियो और बयान सामने आया था। अपनी आंखों के सामने जीवनसंगिनी को खो चुके पति ने फूट-फूटकर रोते हुए प्रशासन से अपील की थी कि, 'मेरी दुनिया उजड़ गई है, मुझे कम से कम न्याय दो और आरोपी को सख्त से सख्त सजा दो।' यह करुण दृश्य सामने आने के बाद पूरे अहमदाबाद में शोक की लहर दौड़ गई थी और बोपल पुलिस पर आरोपी को तुरंत पकड़ने का भारी दबाव बन गया था। घटनास्थल और कैनाल रोड के रूट पर लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया। सीसीटीवी के आधार पर आरोपी के वाहन का नंबर और पहचान उजागर हुई। आरोपी के अहमदाबाद से भागकर राजस्थान की तरफ निकलने की पक्की सूचना मिलते ही बोपल पुलिस की टीम ने पीछा किया। तकनीकी निगरानी और मुखबिरों की मदद से पुलिस ने आरोपी को राजस्थान के डूंगरपुर इलाके से दबोच लिया।

2027 में गुजरात से बीजेपी का सूपड़ा साफ कर देगा आदिवासी समाजः आप नेता मनोज सोरठिया की खुली चुनौती

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/सूरत। गुजरात विधानसभा चुनाव 2027 भले ही अभी दूर हों, लेकिन राजनीतिक माहौल अभी से ही काफी गरमाने लगा है। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश नेता मनोज सोरठिया ने सत्तारूढ़ दल पर सीधा और करारा हमला बोलते हुए दावा किया है कि आने वाले 2027 के चुनाव में गुजरात का आदिवासी समाज बीजेपी का सूपड़ा साफ कर देगा। दशकों से केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किए गए आदिवासी समाज का आक्रोश अब ज्वालामुखी बनकर फटने की तैयारी में होने का स्पष्ट संकेत 'आप' नेता ने दिया है। मनोज सोरठिया ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने हमेशा आदिवासी समाज को हाशिये पर धकेलने का ही काम किया है। जल, जंगल और जमीन पर जिनका मूल अधिकार है, उन स्थानीय आदिवासियों को विकास के नाम पर उनके ही घरों से बेघर किया जा रहा है। सरकारी योजनाएं केवल कागजों पर और भाषणों तक ही सीमित रही हैं, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि आदिवासी बेल्ट में आज भी बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी है। सोरठिया ने हुंकार भरते हुए स्पष्ट किया कि 'आप' अब आदिवासी समाज के हक और अधिकार की लड़ाई सड़क से लेकर विधानसभा तक लड़ेगी।

बड़ा धमाकाः गुजरात महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गीताबेन पटेल का बेटा हरीकेश पटेल नकली पासपोर्ट घोटाले में गिरफ्तार

गुजरात एटीएस ने विदेश भागने के खेल का किया पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की राजनीति और अपराध की दुनिया में एक बड़ा धमाका हुआ है। गुजरात प्रदेश महिला कांग्रेस की अध्यक्ष गीताबेन पटेल का बेटा हरीकेश प्रणव पटेल फर्जी पासपोर्ट बनाकर विदेश यात्रा करने और कानून की आंखों में धूल झोंकने के गंभीर आरोप में गुजरात एंटी टेररिस्ट स्क्वाड के हत्थे चढ़ गया है। प्रवर्तन निदेशालय और अदालत की कार्रवाई से बचने के लिए रचा गया यह पूरा घोटाला अब चौराहे पर खुलेआम सामने आ गया है।

असली पासपोर्ट अदालत में जमा होने के बावजूद दूसरा पासपोर्ट कैसे बना?

50 करोड़ रुपये के पावर बैंक ऐप फ्रॉड केस में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच चल रही थी, जिसके दौरान हरीकेश पटेल का असली

पासपोर्ट अदालत के आदेश से जमा कर लिया गया था। पासपोर्ट के बिना विदेश जाना संभव न होने के कारण हरीकेश ने एक बड़ा षड्यंत्र रचा।

65 लाख रुपये का खर्च और गाजियाबाद से नकली पासपोर्ट

हरीकेश पटेल ने दिल्ली अपराध शाखा में अपना असली पासपोर्ट गुम होने की झूठी शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद दिल्ली और आगरा के फर्जी किरायेदारी करार बनाकर अपने आधार कार्ड में भी पता बदलवा दिया। इन जाली दस्तावेजों के आधार पर जुलाई 2024 में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से दूसरा नया पासपोर्ट बनवा लिया। यह पूरी सेटिंग करने के लिए उसने लगभग 65 लाख रुपये पानी की तरह बहा दिए, यह जांच में सामने आया है। नकली पासपोर्ट हाथ में आने के बाद हरीकेश पटेल ने सीधी उड़ान लेने के बजाय चोर रास्ता अपनाया। वह भूटान होकर बैंकॉक, सिंगापुर और दुबई पहुंच गया और वापस आते समय नेपाल के रास्ते भारत में घुसा। कानूनी एजेंसियों की नजर से बचने के लिए उसने यह पूरा रास्ता तय किया था।

एटीएस ने साइंस सिटी से दबोचा, गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज

गुजरात एटीएस को पक्की सूचना मिली थी कि हरीकेश के पास दो-दो पासपोर्ट हैं और वह फर्जी पासपोर्ट पर विदेश यात्रा करके आया है। सूचना के आधार पर एटीएस ने अहमदाबाद के साइंस सिटी इलाके से हरीकेश पटेल को गिरफ्तार कर लिया। एटीएस पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अतीत में भी रहा है आपराधिक इतिहास

हरीकेश पटेल पहले 2015 के पाटीदार अनामत आंदोलन में सक्रिय था। इसके अलावा अहमदाबाद के नारनपुरा पुलिस स्टेशन में 2022 में और अपराध शाखा में 2023 में धोखाधड़ी, विश्वासघात और साइबर अपराध जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। अब महानगर मेट्रो उन एजेंटों और नेटवर्क की तलाश कर रही है जिन्होंने 65 लाख रुपये लेकर ये नकली दस्तावेज और पासपोर्ट बनाकर दिए थे। राजनीतिक पहुंच वाले परिवार की संतान की इस तरह गिरफ्तारी से पूरे राज्य की राजनीति में हड़कंप मच गया है।

धमाकाः धोलेरा में जमीन और दूषित पानी के मुद्दे पर आंदोलनकारियों ने अर्जुन मोढवाडिया का काफिला रोका

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद/धोलेरा। जिले के धोलेरा इलाके में केमिकल युक्त दूषित पानी, जमीनों की खराबी और भू-माफियाओं के खिलाफ पिछले काफी समय से स्थानीय ग्रामीणों और किसानों का उग्र आंदोलन चल रहा है। इस आंदोलन के बीच कैबिनेट मंत्री अर्जुन मोढवाडिया का काफिला धोलेरा के सरोदा इलाके से गुजर रहा था, तभी गुस्से में आए आंदोलनकारियों ने उनकी गाड़ी रोककर भारी विरोध प्रदर्शन किया। धोलेरा और आसपास के गांवों में केमिकल युक्त पानी खेतों में भर जाने और जमीनें बर्बाद होने के कारण ग्रामीण प्रशासन के

खिलाफ भारी गुस्से में हैं। अर्जुन मोढवाडिया का काफिला आते ही महिलाएं और किसान सड़क पर आ गए और गाड़ी को घेर लिया। लोगों ने 'हमारे हक की बात करो' और 'प्रदूषण बंद करो' के नारे लगाकर माहौल गरमा दिया। आंदोलनकारियों का उग्र रूप देखकर अर्जुन मोढवाडिया और उनके सुरक्षाकर्मी सतर्क हो गए। स्थिति बिगड़ती देख मंत्री अर्जुन मोढवाडिया को गाड़ी से बाहर

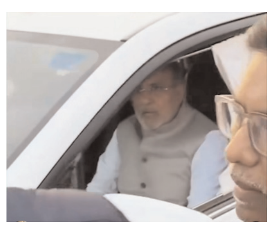

आना पड़ा। उन्होंने आक्रोशित किसानों और ग्रामीणों की बात शांति से सुनी। स्थानीय लोगों ने सीधा आरोप लगाया कि कंपनियों द्वारा छोड़े जा रहे केमिकल वाले पानी से जमीनें और पीने का पानी बर्बाद हो रहा है, फिर भी सरकारी तंत्र कोई सख्त कदम नहीं उठा रहा है। अर्जुन मोढवाडिया ने लोगों को भरोसा दिलाया कि वे इस मुद्दे पर संबंधित विभाग और कलेक्टर से सीधी बात करके तुरंत समाधान निकालेंगे। हालांकि, अतीत में मिले अनगिनत झूठे आश्वासनों से तंग आ चुके ग्रामीणों ने साफ कह दिया कि अगर अब कागजों पर नहीं बल्कि जमीन पर काम नहीं दिखा तो आंदोलन और उग्र होगा। बीजेपी के बड़े नेता और कैबिनेट मंत्री को घेरे जाने की खबर फैलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक तंत्र के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंच गए। इस घटना ने साबित कर दिया है कि धोलेरा इलाके में जमीन और प्रदूषण का मुद्दा अब सिर्फ एक स्थानीय विरोध नहीं रहा, बल्कि एक बड़ा सामाजिक विस्फोट बन चुका है।

सरकारी नौकरी के उम्मीदवारों के लिए महापरीक्षा का शुभारंभ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात में सरकारी क्षेत्र में वर्ग-3 की भर्तियों के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे लाखों युवाओं के लिए महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। गुजरात गौण सेवा पसंदगी मंडल द्वारा कंबाइंड कंप्यूटर बेस्ड रिक्रूटमेंट टेस्ट (सीसीई) संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा का शुभारंभ कर दिया गया है। राज्यभर से कुल 4.58 लाख से अधिक उम्मीदवार पंजीकृत हुए हैं, जिनके लिए 29 सितंबर तक चरणबद्ध तरीके से परीक्षा का आयोजन किया गया है। राज्य के सबसे बड़े शैक्षणिक और परीक्षा हब माने जाने वाले अहमदाबाद शहर में उम्मीदवारों के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। अहमदाबाद में कुल 17 सुसज्जित परीक्षा केंद्र आवंटित किए गए हैं, जहां एक लाख से अधिक उम्मीदवार कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट देंगे। केंद्रों पर सुरक्षा और धांधली रोकने के लिए कड़ी पुलिस व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी का इंतजाम किया गया है। गौण सेवा मंडल द्वारा आयोजित सीसीई की प्रथम चरण की प्रारंभिक परीक्षा कंप्यूटर मोड पर ली जा रही है। परीक्षा में गणित, रीजनिंग, अंग्रेजी और गुजराती जैसे विषयों को शामिल करते हुए वस्तुनिष्ठ (एमसीक्यू) प्रश्न पूछे जा रहे हैं। उम्मीदवारों को निर्धारित समय से 1 घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने का निर्देश दिया गया है। सरकारी पहचान पत्र की जांच के बाद ही उम्मीदवारों को लैब में प्रवेश दिया जा रहा है।

कुदरत मेहरबान, कच्छ का किसान हरषायाः मूसलाधार बारिश होते ही खेत में जी भरकर नाचा बलिष्ठ धरतीपुत्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भुज/कच्छ। रेगिस्तानी इलाके और पानी की किल्लत के लिए पहचाने जाने वाले सीमावर्ती कच्छ जिले में जब मेघराजा जी खोलकर बरसते हैं, तब उसकी खुशी को शब्दों में बयान करना असंभव हो जाता है। हाल ही में कच्छ इलाके में हुई मूसलाधार बारिश ने किसानों का दिल जीत लिया है। मेघराजा के इस तूफानी आगमन से गदगद हुए एक धरतीपुत्र का खेत में बरसती बारिश के बीच जी भरकर नाचते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहा है।

सूखी धरती पर अमृतवर्षा, किसानों में खुशी की लहर

कच्छ में खेती पूरी तरह से बारिश पर निर्भर रहती है। लंबे समय के इंतजार और चिंता के बाद जब आसमान से मेघराजा ने मेहरबान होकर मुसलाधार बारिश बरसाना शुरू किया, तो किसानों के चेहरे से चिंता की लकीरें गायब हो गईं। खेतों में पानी भरने और सूखी बंजर जमीन के तृप्त होते ही सालभर की मेहनत सफल होती देख किसान खुद को रोक नहीं सका।

बरसती बारिश में देसी अंदाज में डांस

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि मूसलाधार बरसती बारिश के बीच किसान अपने खेत में खड़ा है। मिट्टी की सोंधी खुशबू और चारों तरफ बहते पानी के बीच किसान बिना किसी संकोच के खुशी से झूम उठता है और देसी अंदाज में जी भरकर नाचने लगता है। यह दृश्य केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि एक किसान की पूरी सीजन की उम्मीद और मेहनत की जीत का प्रतीक है।

सोशल मीडिया पर वीडियो मचा रहा धूम

इस वायरल वीडियो ने हजारों लोगों का दिल जीत लिया है। नेटीजन्स इस वीडियो पर लगातार कमेंट्स कर रहे हैं कि 'यह खुशी सिर्फ एक किसान ही समझ सकता है।' मेघराजा की इस अमृतवर्षा से कच्छ की फसल और जमीन दोनों जीवंत हो उठे हैं और किसानों में बुवाई तथा अच्छी फसल की नई उम्मीदें जाग उठी हैं।

धमाके से कांप उठी सायखा जीआईडीसीः वागरा की मोरडिया केमिकल्स कंपनी में भयंकर ब्लास्ट के बाद भीषण आग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा/भरूच। भरूच जिले के वागरा तालुका स्थित सायखा जीआईडीसी से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली और चिंताजनक घटना सामने आई है। सायखा औद्योगिक क्षेत्र में स्थित 'मोरडिया केमिकल्स' नामक निजी केमिकल कंपनी में आज अचानक एक भयंकर ब्लास्ट हो गया। यह धमाका इतना जोरदार था कि इसकी कानफोड़ू आवाज से पूरा औद्योगिक क्षेत्र कांप उठा। विस्फोट के कुछ ही पलों में कंपनी परिसर में भीषण आग भड़क उठी। घटना की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ब्लास्ट के बाद लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आसमान छूती ऊंची आग की लपटें और काले धुएं का गुबार लगभग 7 किलोमीटर दूर से भी साफ देखा जा सकता था। स्थानीय लोग और सड़क से गुजर रहे वाहन चालक यह भयानक दृश्य देखकर हैरान रह गए। घटना की खबर हवा की तरह फैलते ही मोरडिया केमिकल्स और आसपास की अन्य कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों और उद्योगपतियों में भारी डर का माहौल बन गया। जान बचाने के लिए मजदूरों में भगदड़ मच गई और मौके पर भारी अफरा-तफरी देखने को मिली। घटना की सूचना तुरंत फायर ब्रिगेड और पुलिस को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए भरूच और आसपास के इलाकों से फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां और दमकलकर्मियों की टीमें तुरंत सायखा जीआईडीसी पहुंचीं। केमिकल की आग होने के कारण इसे बुझाने के लिए विशेष फोम टैंकरों का उपयोग करके युद्ध स्तर पर बचाव कार्य चलाया जा रहा है। राहत की बात यह है कि फिलहाल इस घटना में किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ब्लास्ट किस वजह से हुआ और आग कैसे लगी, इसकी जांच प्रशासन ने शुरू कर दी है।

छोटाउदेपुर एलसीबी की बड़ी कार्रवाईः रंगपुर नाका से 13.44 लाख के माल के साथ विदेशी शराब और स्कॉर्पियो कार जब्त, 4 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। लोकल क्राइम ब्रांच (एलसीबी) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए छोटाउदेपुर पुलिस स्टेशन क्षेत्र के रंगपुर नाका रोड से 3,21,000 मूल्य की भारतीय निर्मित विदेशी शराब और एक स्कॉर्पियो कार सहित कुल 13,44,000 का माल जब्त किया है। इस मामले में पुलिस ने चार लोगों को हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार, वडोदरा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक संदीप सिंह और छोटाउदेपुर पुलिस अधीक्षक इम्तियाज शेख द्वारा जिले में शराबबंदी कानून का कड़ाई से पालन कराने और अवैध शराब गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करने के निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के आधार पर छोटाउदेपुर एलसीबी के पुलिस निरीक्षक एम.एफ. डामोर के मार्गदर्शन में एलसीबी टीम छोटाउदेपुर क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान फोन पर पक्की सूचना मिली कि एक काले रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो कार में बिना अनुमति के विदेशी शराब भरकर सुरखेड़ा की तरफ से छोटाउदेपुर की ओर लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छोटाउदेपुर रंगपुर नाका के पास नाकाबंदी की। कुछ ही देर में विवरण के अनुसार स्कॉर्पियो कार के आते ही पुलिस ने उसे घेरकर रोक लिया। कार की तलाशी लेने पर उसमें से अवैध रूप से ले जाई जा रही भारतीय निर्मित विदेशी शराब की कुल 1,000 बोतलें बरामद हुई, जिनकी कीमत 3,21,000 आंकी गई है। पुलिस ने मौके से शराब के जत्थे के अलावा 10,00,000 मूल्य की स्कॉर्पियो कार, 20,000 मूल्य के 4 मोबाइल फोन और व्यक्तिगत तलाशी में मिले 3,000 नकद मिलाकर कुल 13,44,000 की संपत्ति जब्त की है। इस अवैध तस्करी के मामले में कार चालक सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार कर छोटाउदेपुर पुलिस स्टेशन में शराबबंदी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नागदा में पर्युषण पर्व पर जिनालयों में सजी आकर्षक अंगरचनाएं...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ के जिनालयों में पर्युषण पर्व भक्ति, कला और समर्पण के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर नन्हे-मुन्नों और युवाओं ने जिनेन्द्र प्रभु की मनमोहक अंगरचनाएं कर अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रभु चरणों में समर्पित की। श्री चन्द्रप्रभु जिनालय और श्री शांतिनाथ जिनालय में भगवान महावीर स्वामी के जन्मवाचन के अवसर पर कलाकारों में भारी उत्साह देखने को मिला। जन्मवाचन के दिन दोनों टीमों के सदस्य तड़के 3 बजे से ही जिनालयों में पहुंचकर प्रभु के श्रृंगार में जुट गए थे। कई घंटों की कड़ी

मेहनत के बाद जब अंगरचना पूर्ण हुई, तो प्रभु का स्वरूप देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। श्री शांतिनाथ जिनालय में अंगरचना टीम का संचालन राजेश गेलड़ा व यश गेलड़ा ने किया। वहीं, श्री चन्द्रप्रभु जिनालय में 'श्रृंगार ए जिनेन्द्र ग्रुप' का नेतृत्व सुजय कांकरीया व अमन छोरिया ने संभाला। दोनों टीमों के दर्जनों युवा और बाल कलाकारों ने पूरे आठ दिनों तक निस्वार्थ भाव से सेवाएं दीं। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने कलाकारों, संगीतकारों और आयोजकों की अनुमोदना करते हुए कहा कि युवाओं का यह समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायी है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को धार्मिक संस्कारों, एकता और सेवा भावना से जोड़ते हैं।

हैदराबाद भेजने के नाम पर ट्रक चालकों ने पार किया 9.36 लाख का चना व मटर, कोतवाली में धोखाधड़ी का मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। राजनांदगांव से माल भाड़े पर लेकर गंतव्य तक पहुंचाने के बजाय रास्ते में ही करीब सवा नौ लाख रुपये का माल खुर्द-बुर्द करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। चिखली चौकी और राजनांदगांव कोतवाली पुलिस ने व्यापारी की शिकायत पर दो ट्रक चालकों के खिलाफ अमानत में खयानत और धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पुरानी सिविल लाइन निवासी खिलेश्वर देवांगन (35 वर्ष) ग्राम भेंडीकला में 'पीएनडी उद्योग' नाम से चना फैक्ट्री संचालित करते हैं। अकोला (महाराष्ट्र) के ब्रोकर निखिल अग्रवाल की मांग पर व्यापारी ने 1 सितंबर 2026 को अग्रवाल ट्रांसपोर्ट के माध्यम से एक ट्रक बुक कराया। फैक्ट्री से ट्रक में 320 कट्टा फूटा मटर (कीमत ?7,23,240) तथा 80 कट्टा फूटा चना (कीमत ?2,13,600)—कुल वजन करीब 120 क्विंटल और कुल कीमत ?9,36,840 का माल हैदराबाद के बेगम बाजार भेजने के लिए पक्का बिल देकर रात करीब 8 बजे रवाना किया गया था। तय समय के अनुसार माल को 3 सितंबर की शाम तक हैदराबाद पहुंचना था। 4 सितंबर को जब ब्रोकर ने माल न पहुंचने की सूचना दी, तो व्यापारी ने चालकों और वाहन मालिक से संपर्क किया। उस समय चालकों ने वाहन में तकनीकी खराबी आने का बहाना बनाकर एक दिन में माल पहुंचाने की बात कही। लेकिन उसके बाद दोनों चालकों ने अपने मोबाइल फोन बंद कर लिए। व्यापारी द्वारा अमरावती निवासी ट्रक मालिक से संपर्क करने पर उसने भी चालकों से कोई संपर्क न हो पाने की बात कही। खोजबीन और इंतजार के बाद जब माल नहीं पहुंचा, तो पीड़ित व्यापारी को यकीन हो गया कि दोनों चालकों ने मिलीभगत कर पूरा माल रास्ते में ही कहीं बेच दिया है।

रीरामपुर में रचा गया त्याग और भक्ति का अभूतपूर्व इतिहास

तपस्वीरत्न पंकजकुमार ललवाणी की 51 उपवासों की उग्र तपस्या पूर्ण, नगर में उल्लास का माहौल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

श्रीरामपुर (अहिल्यानगर)। अहिल्यानगर जिले की ऐतिहासिक धरा पर स्थित श्रीरामपुर शहर में जैन धर्म की कठिन तप-साधना का एक स्वर्णिम अध्याय लिखा गया है। स्थानीय निवासी और धर्मनिष्ठ श्रावक तपस्वीरत्न पंकजकुमार धनराजजी ललवाणी ने 51 उपवासों की अत्यंत कठिन एवं दुष्कर तपस्या सफलतापूर्वक पूर्ण कर पूरे जिले सहित श्रीरामपुर शहर का नाम रोशन किया है। आत्म-शुद्धि, इंद्रिय संयम और अनन्य प्रभु भक्ति का परिचय देते हुए उन्होंने 17 सितंबर 2026 को इस महान साधना की पूर्णता की।

पानी के सहारे 51 दिनों का कठोर संयमः तपस्या का अनूठा उदाहरण

जैन दर्शन में तपस्या को आत्मा की निर्जरा और कर्मों के क्षय का श्रेष्ठ माध्यम माना गया है। पंकजकुमार ललवाणी ने लगातार 51 दिनों तक अन्न का एक कण भी ग्रहण किए बिना, केवल सूर्योदय से सूर्यास्त के मध्य उबले हुए जल (प्रासुक जल) का ही सेवन किया। शारीरिक सीमाओं को लांघकर अध्यात्म के उच्च शिखर को छूने वाली इस उग्र तपस्या से पूरा श्रीरामपुर शहर भक्ति और श्रद्धा के रंग में रंग गया है।

प्रतिष्ठित ललवाणी परिवार की धार्मिक परंपरा

तपस्वी श्री पंकजकुमार ललवाणी श्रीरामपुर के सुप्रसिद्ध उद्योगपति स्वर्गीय कचरदासजी एवं श्रीमती मदनबाई ललवाणी के पौत्र, स्वर्गीय धनराजजी ललवाणी एवं श्रीमती रजनीबाई ललवाणी के सुपुत्र तथा नितिन कुमार ललवाणी के भाई हैं। ललवाणी परिवार अपने धार्मिक संस्कारों, उदारता और समाज सेवा के लिए जाना जाता है। परिवार के इस लाडले सुपुत्र द्वारा ली गई इतनी बड़ी तपस्या से न केवल परिवार बल्कि संपूर्ण जैन समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

पूज्य साध्वी वृंद का मिला पावन सान्निध्य

यह ऐतिहासिक साधना उपप्रवर्तिनी परम पूज्य चंदन बालाजी महाराज साहब एवं परम पूज्य पद्मावतीजी महाराज साहब आदि ठाणा के पावन सान्निध्य और मंगल आशीर्वाद से संपन्न हुई। पूज्य साध्वी वृंद के निरंतर आध्यात्मिक मार्गदर्शन और सम्यक प्रेरणा ने तपस्वी के मनोबल को पूरे 51 दिनों तक अडिग रखा।

भव्य अभिनंदन समारोह एवं वरघोड़ा (शोभायात्रा) का पूरा कार्यक्रम

तपस्वीरत्न पंकजकुमार ललवाणी के इस महान तप की अनुमोदना एवं अभिनंदन हेतु श्रीरामपुर में एक भव्य धार्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया हैः

तपस्वी का भव्य वरघोड़ा (शोभायात्रा): दिनांक 17 सितंबर 2026 को प्रातः ठीक 8:00 बजे 'ललवाणी बिल्डिंग' (शिवाजी क्रॉस रोड, श्रीरामपुर) से तपस्वी के भव्य वरघोड़े का शुभारंभ होगा। इसमें ढोल-नगाड़ों, धार्मिक झंडों और प्रभु जयकारों के साथ तपस्वी का नागरिक अभिनंदन किया जाएगा।

समारोह एवं पारणा स्थलः यह शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई प्रातः 9:30 बजे 'वर्धमान जैन श्रावक संघ' (शिवाजी रोड, श्रीरामपुर) पहुँचेगी। यहाँ गुरुदेव के सान्निध्य में विशेष धर्मसभा, अभिनंदन समारोह और तपस्या के पारणा का आयोजन होगा।

सकल समाज से उपस्थिति की भावभरी अपील

ललवाणी परिवार, श्रीरामपुर जैन संघ एवं सकल जैन समाज की ओर से अहिल्यानगर जिले के समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं, श्रावक-श्राविकाओं और प्रबुद्ध नागरिकों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित रहकर तपस्वी की अनुमोदना करें, उनके दर्शन कर अपने जीवन को धन्य बनाएं और इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बनें।

कॉलेज ट्रस्ट संचालित गर्ल्स हॉस्टल भय के साये में...

महानगर मेट्रो एक्सक्लूसिव

जर्जर इमारत और गंदगी के साम्राज्य के बीच छात्राएं रहने को मजबूर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। जिला मुख्यालय पर स्थित और कॉलेज ट्रस्ट द्वारा संचालित छात्राओं के हॉस्टल की हालत अत्यंत दयनीय और जर्जर हो जाने का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। हॉस्टल परिसर में बुनियादी सुविधाओं के सर्वथा अभाव और असुरक्षित वातावरण के कारण यहां रहने वाली छात्राओं के भविष्य और सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय स्तर पर इस बात को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है और प्रशासन की ओर उंगली उठाई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस गर्ल्स हॉस्टल की इमारत लंबे समय से रखरखाव के अभाव में खस्ताहाल हो चुकी है। हॉस्टल के कमरों के दरवाजे और खिड़कियां टूट गई हैं, जिसके कारण छात्राओं की निजता और सुरक्षा खतरे में पड़ रही है। मानसून और सर्दी के मौसम में टूटी खिड़कियां परेशानी का कारण बनती हैं। इसके अलावा, इमारत की दीवारों और स्लैब में

जगह-जगह दरारें पड़ गई हैं, जो कभी भी किसी बड़े हादसे को न्योता दे सकती हैं। हॉस्टल का मतलब सिर्फ रहने की जगह नहीं, बल्कि वहां स्वस्थ वातावरण होना भी जरूरी है। लेकिन इस हॉस्टल परिसर में गंदगी का साम्राज्य देखने को मिल रहा है। शौचालयों और सामान्य क्षेत्रों की नियमित सफाई न होने की चिंताएं व्यक्त की जा रही हैं। गंदगी के कारण छात्राओं में बीमारियां फैलने का भी डर सता रहा है। बेटियां पढ़कर आगे बढ़ें, ऐसे दावों के बीच ऐसी सुविधाएं प्रशासन की पोल खोलती हैं। इस गंभीर मामले में जब प्रतिनिधि द्वारा वास्तविकता जानने और प्रशासन का पक्ष लेने का प्रयास किया गया, तब जिम्मेदार लोगों की उदासीनता सामने आई। इस मुद्दे पर ट्रस्ट के मुख्य अधिकारी से टेलीफोन पर संपर्क साधे जाने पर उन्होंने छोटा सा जवाब दिया कि, 'मैं अभी बीमार हूं।' अपनी सेहत खराब होने का बहाना बनाकर उन्होंने इस गंभीर मुद्दे पर कोई भी विस्तृत बातचीत करने या हॉस्टल की स्थिति पर स्पष्टीकरण देने से परहेज किया। कॉलेज की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान प्राप्त करने के लिए संबंधित प्रोफेसर से संपर्क किया गया था। लेकिन वहां से ऐसा जवाब मिला कि प्रोफेसर फिलहाल छुट्टी पर चले गए हैं। नतीजतन, कॉलेज प्रबंधन की ओर से भी इस मामले में कोई संतोषजनक या विस्तृत प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है। जिम्मेदारों के ऐसे कमजोर और गैर-जिम्मेदाराना रवैये के बाद अब कई सवाल खड़े हो रहे हैः क्या हॉस्टल इमारत की सुरक्षा की कोई नियमित तकनीकी जांच (स्ट्रक्चर ऑडिट) होती भी है? यदि अधिकारी बीमार या छुट्टी पर हैं, तो छात्राओं की सुरक्षा किसके भरोसे है? जर्जर हिस्सों की मरम्मत का काम कब शुरू किया जाएगा? बेटियों को स्वच्छ और भयमुक्त वातावरण देने के लिए संबंधित प्रशासन कब जागेगा?

तत्काल कदम उठाने की उग्र मांग

इस मामले में स्थानीय संगठनों और अभिभावकों द्वारा उग्र मांग की जा रही है कि जिम्मेदार प्रशासन तत्काल इस हॉस्टल का दौरा करके स्थिति का निरीक्षण करे। छात्राओं की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बंद कर, टूटी खिड़कियों और दरवाजों की मरम्मत तथा परिसर की सफाई युद्ध स्तर पर शुरू की जाए, ऐसी जनमांग उठी है। यदि आने वाले दिनों में कोई उचित कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन का रास्ता अपनाने की भी चेतावनी दी गई है।

यूपीआई पर टैक्स लगाकर मोदी सरकार ने देश की जनता की पीठ में छुरा घोंपाः कांग्रेस का धमाका!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव और गुजरात संगठन प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला, गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित चावड़ा और विधानसभा कांग्रेस पार्टी के नेता तुषार चौधरी ने एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर केंद्र की बीजेपी सरकार पर तीखे हमले किए हैं। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार ?2,000 से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर टैक्स लगाकर देश की आम जनता के साथ खुलेआम धोखाधड़ी और विश्वासघात कर रही है।

14 सितंबर 2026: देश के लिए 'डिजिटल यू-टर्न' और विश्वासघात का दिन

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 14 सितंबर 2026 को केंद्र सरकार और एनपीसीआई द्वारा P2M (पर्सन-टू-मर्चेंट) लेन-देन पर 0.4' टैक्स लगाने की घोषणा की गई है, जो 15 अक्टूबर 2026 से लागू होगी। इस फैसले को देश के इतिहास में 'डिजिटल यू-टर्न' करार देते हुए उन्होंने जोड़ा कि सरकार के पास संसद की मंजूरी के बिना इस टैक्स की दर 1' या 2' तक बढ़ाने और पर्सन-टू-पर्सन सहित सभी श्रेणियों पर लगाने की मनमानी ताकत आ गई है।

अमेरिकी कंपनियों के सामने बीजेपी सरकार ने घुटने टेके?

प्रेस विज्ञप्ति में गंभीर आरोप लगाया गया है कि 'द पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट' के सेक्शन 10-ए में चुपके से संशोधन करके यह टैक्स लगाया गया है। भारत में होने वाले 80' यूपीआई लेन-देन 'फोन पे' और 'गूगल पे' जैसी विदेशी/अमेरिकी कंपनियों द्वारा होते हैं। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि क्या विदेशी कंपनियों का मूल्यांकन बढ़ाने और वीजा तथा मास्टरकार्ड के हितों की रक्षा के लिए मुफ्त सेवा देने वाले यूपीआई प्लेटफॉर्म पर आम भारतीयों की कीमत पर यह टैक्स थोपा गया है?

महंगाई की आग में झुलसेंगे आम नागरिक और व्यापारी

कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. हिरेन बैंकर द्वारा जारी बयान के अनुसार, वर्ष 2026-27 में 2,000 से अधिक मूल्य के P2M लेन-देन पर सालाना 5,040 करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यह बोझ आखिरकार छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और आम जनता की जेब पर ही आना है। जब आरबीआई सरप्लस फंड दे रही है, सरकारी बैंक हजारों करोड़ का मुनाफा कमा रहे हैं और एनपीसीआई खुद 1,900 करोड़ के फायदे में है, तब सुरक्षा और सब्सिडी के नाम पर टैक्स लगाने का बहाना पूरी तरह निराधार और झूठा है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि 'डिजिटल भारत' के नाम पर आम नागरिकों की जेब काटने के इस फैसले के खिलाफ देशभर में जनाक्रोश पैदा होगा और सरकार से इस जनविरोधी टैक्स को तुरंत वापस लेने की मांग की गई है।

सूरत में कोली पटेल समाज के नेता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

पुलिस थाने की हिरासत/जांच पर गंभीर सवाल, आरोपी गायब होने से समाज में जनाक्रोश का ज्वालामुखी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। दक्षिण गुजरात के प्रमुख केंद्र सूरत में कोली पटेल समाज के एक प्रमुख और जाने-माने नेता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और मातम छा गया है। इस घटना के बाद पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली और संदिग्ध भूमिका पर कई ज्वलंत सवाल खड़े हो गए हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिन आरोपियों पर गंभीर आरोप थे, वे पुलिस स्टेशन के दायरे से अचानक गायब या फरार हो गए, जिससे पुलिस प्रोटोकॉल और कानून प्रवर्तन की धज्जियां उड़ गई हैं। क्या है पूरी घटना की वास्तविकता? मिली प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, कोली पटेल समाज के नेता के साथ हाल ही में किसी बात को लेकर विवाद या झगड़ा हुआ था। इस विवाद के बाद उनकी तबीयत बिगड़ने या संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। परिजनों और स्थानीय समाज के नेताओं का सीधा आरोप है कि नेता की मौत प्राकृतिक नहीं है, बल्कि उनके खिलाफ की गई मानसिक या शारीरिक हिंसा का परिणाम है।

पुलिस थाने से आरोपी गायब? खाकी की भूमिका संदेह के घेरे में

घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराने और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर जब परिजन पुलिस स्टेशन पहुंचे तो भारी हंगामा खड़ा हो गया। अपराध में शामिल प्राथमिक संदिग्ध आरोपी, जिन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया बताया जा रहा था, वे अचानक पुलिस स्टेशन से गायब हो गए, जिससे खाकी वर्दी की निष्ठा पर गंभीर सवालिया निशान लग गए हैंः

किसके इशारे पर आरोपियों को बचाया गया? पुलिस हिरासत या पुलिस स्टेशन परिसर से आरोपी कैसे और किसकी मदद से गायब हो गए? क्या प्रशासन किसी बड़े राजनीतिक या आर्थिक प्रभाव के दबाव में काम कर रहा है?

समाज के नेता हुए इकट्ठा, न्याय के लिए आंदोलन की चेतावनी

कोली पटेल समाज के नेता की संदिग्ध मौत और पुलिस की संदेहास्पद कार्रवाई की खबर हवा की तरह फैलते ही बड़ी संख्या में समाज के लोग और स्थानीय नेता एकत्र हो गए। मृतक के परिवार ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी है कि जब तक अपराधियों को तुरंत गिरफ्तार नहीं किया जाता और लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होती, तब तक शव स्वीकार नहीं किया जाएगा और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

महानगर मेट्रो का ज्वलंत सवाल

जब आम नागरिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी जिनके कंधों पर है, उसी पुलिस थाने से आरोपी गायब हो जाते हैं, तो फिर कानून और व्यवस्था की स्थिति पर जनता का विश्वास कैसे बना रहे? सूरत पुलिस आयुक्त इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करें और उच्च स्तरीय जांच (विशेष जांच दल) के आदेश दें, ऐसी जन मांग उठ रही है।

सात मांगों के साथ आम आदमी पार्टी पहुंची कलेक्ट्रेट

भूपेश तिवारी सहित पदाधिकारियों ने अपर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। आम आदमी पार्टी राजनांदगांव द्वारा प्रदेश की विभिन्न समस्याओं को लेकर बुधवार 16 सितंबर को सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन अपर कलेक्टर को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से पार्टी पदाधिकारियों ने किसानों से जुड़े एग्रीस्टेक एवं रकबा समर्पण, सरकारी शिक्षा एवं स्वास्थ्य व्यवस्था, जर्जर सड़कों, बढ़े हुए बिजली बिल, आवारा मवेशियों तथा नशे के बढ़ते कारोबार सहित विभिन्न मुद्दों पर शासन का ध्यान आकर्षित कराया। पार्टी ने इन समस्याओं के निराकरण के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की। आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी भूपेश तिवारी सहित पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि प्रदेश में किसानों सहित आम जनता को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रक्रिया को सरल बनाने तथा रकबा समर्पण के नाम पर किसानों को होने वाली परेशानी को दूर करने की मांग की। पार्टी नेताओं ने किसानों को खाद उपलब्धता और कृषि संबंधी व्यवस्थाओं में राहत देने की भी मांग रखी। ज्ञापन में सरकारी स्कूलों की स्थिति, शिक्षकों की कमी तथा शैक्षणिक स्तर में सुधार की आवश्यकता का मुद्दा भी उठाया गया। पार्टी ने कहा कि सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक, आवश्यक संसाधन और बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसके साथ ही परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक जैसी

घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की गई। स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर भी पार्टी ने अस्पतालों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर, आवश्यक दवाइयां और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेहतर और समय पर उपचार उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत किया जाना जरूरी है। पार्टी ने सड़कों की बदहाली और आवारा मवेशियों के कारण उत्पन्न हो रही समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। ज्ञापन में राज्य की जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत और आवश्यकतानुसार पुनर्निर्माण कराने की मांग की गई। वहीं सड़कों पर घूम रहे मवेशियों के उचित व्यवस्थापन एवं रखरखाव के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाने की मांग की गई। पार्टी ने गौधाम योजना के संबंध में लगाए जा रहे भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कराने की मांग भी रखी।।बिजली के मुद्दे पर पार्टी ने बढ़े हुए बिजली बिल और बिजली दरों को लेकर जनता को राहत देने की मांग की। ज्ञापन में अनाप-शनाप बिलों की शिकायतों की जांच कर उचित निराकरण तथा उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाने की मांग की गई।।इसके अलावा आम आदमी पार्टी ने प्रदेश में नशे के बढ़ते कारोबार पर नियंत्रण तथा मिलावटी शराब के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने के लिए संबंधित विभागों को लगातार कार्रवाई करनी चाहिए।।ज्ञापन में रखी गई सात प्रमुख मांगें जिसमें किसानों के लिए एग्रीस्टेक पंजीयन की प्रक्रिया सरल करने तथा रकबा समर्पण के नाम पर किसानों को होने वाली परेशानी दूर करने की मांग। सरकारी स्कूलों की बदहाली, शिक्षकों की कमी और गिरते शैक्षणिक स्तर में सुधार। अस्पतालों में डॉक्टरों, आवश्यक दवाइयों और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना। गौधाम योजना से संबंधित शिकायतों की जांच तथा आवारा मवेशियों के उचित रखरखाव की व्यवस्था। जर्जर सड़कों की तत्काल मरम्मत और पुनर्निर्माण। बढ़े हुए बिजली बिल एवं बिजली दरों से उपभोक्ताओं को राहत दिलाने की मांग। बढ़ते नशे के कारोबार और मिलावटी शराब पर प्रभावी नियंत्रण। इस दौरान आम आदमी पार्टी के लोकसभा अध्यक्ष एवं विधानसभा प्रभारी भूपेश तिवारी, लोकसभा उपाध्यक्ष अशोक चौबे, जिला अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष आरिफ खान, संगठन विचारक उज्जवल दिवान, युवा मोर्चा से प्रभांशु खोबरागड़े, रमेश पाल, सम्राट खत्री, पवन परखा, ललित, वरिष्ठ नेता ठाकुरी राम साहू, जिला मीडिया प्रभारी ललित कुमार कंवर, ब्लॉक अध्यक्ष धर्मेंद्र साहू, निलेश साहू सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इसनपुर-घोड़ासर ब्रिज के पास से 14.64 लाख के माल के साथ शराब का जत्था जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात की आर्थिक राजधानी अहमदाबाद शहर में शराबबंदी कानून की धज्जियां उड़ाने वाले तस्करों के खिलाफ अहमदाबाद शहर क्राइम ब्रांच ने कड़ा रुख अपनाया है। इसनपुर-घोड़ासर ब्रिज के पास नरोदा-नारोल हाईवे से गुजर रही एक संदिग्ध हुंडई क्रेटा कार को रोककर क्राइम ब्रांच ने अवैध विदेशी शराब और बीयर के बड़े जत्थे के साथ दो शातिर तस्करों को दबोच लिया है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की टीम को सटीक गुप्त सूचना मिली थी कि नरोदा-नारोल हाईवे से इसनपुर चौराहा की ओर एक सफेद रंग की हुंडई क्रेटा कार में विदेशी शराब का बड़ा जत्था लाया जा रहा है।

चारभुजा में 22 सितंबर को भरेगा जलझूलनी एकादशी का मेला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

चारभुजा, राजसमंद। चारभुजा में जलझूलनी एकादशी के अवसर पर 22 सितंबर को आयोजित होने वाले मेले को लेकर श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया है। मेले से पहले रोजाना अलग-अलग गांवों और क्षेत्रों से पैदल श्रद्धालुओं के जत्थे चारभुजा पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर अपनी मन्नत पूरी होने पर आस्था प्रकट कर रहे हैं और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। मंगलवार को मध्य प्रदेश के सुरवाड़ा गांव से 51 पदयात्रियों का जत्था चारभुजा पहुंचा। श्रद्धालु करीब 9 दिन तक पैदल यात्रा करने के बाद चारभुजा के मंदिर पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर सभी पदयात्रियों ने भगवान के चरणों में नतमस्तक होकर दर्शन किए और अपनी यात्रा पूरी होने पर आभार जताया। पदयात्री अपने साथ धर्म पताका लेकर पहुंचे थे। मंदिर पहुंचने के बाद धर्म पताका को विधिवत रूप से मंदिर के मुख्य द्वार पर लगाया गया। इसके बाद मंदिर के पुजारी धर्मचंद छगनलाल सेवक ने भोग का थाल भगवान के समक्ष ले जाकर मनोरथ करवाया। भोग के बाद सभी पदयात्रियों ने श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में कुछ समय रुकने के बाद पदयात्री वाहन से अपने गंतव्य के लिए रवाना हो गए।जलझूलनी एकादशी के मेले को लेकर चारभुजा में श्रद्धालुओं की आवाजाही लगातार बढ़ रही है। पैदल आने वाले श्रद्धालुओं के जत्थों के पहुंचने से धार्मिक माहौल बना हुआ है। आने वाले दिनों में मेले के नजदीक आने के साथ श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ने की संभावना है।

आज 26 जिलों में बारिश का येलो अलर्ट; 19 सितंबर से विदाई के संकेत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर,। राजस्थान में मानसून अब अंतिम चरण में पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है, लेकिन इसके बाद मौसम धीरे-धीरे शुष्क होने लगेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 19 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की जानकारी दी है।मंगलवार को अजमेर, पाली सहित कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 24 मिलीमीटर बारिश पाली के देसूरी में दर्ज की गई। इसके अलावा अजमेर, भरतपुर, कोटा, धौलपुर, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, माउंट आबू, डूंगरपुर, जालौर, राजसमंद और नागौर के कुछ इलाकों में भी बारिश हुई। बारिश और हवाओं के कारण प्रदेश के कई शहरों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सिरोही, डूंगरपुर, उदयपुर और अजमेर में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। वहीं मंगलवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान 39.6 डिग्री सेल्सियस जैसलमेर में दर्ज किया गया।

आज भी बारिश की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार 16 और 17 सितंबर को राजस्थान के कई हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान दोनों क्षेत्रों के लिए इन दिनों मौसम संबंधी चेतावनी जारी की गई है। 18 सितंबर के बाद पश्चिमी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां कम होने की संभावना है।

19 सितंबर से मानसून की विदाई के संकेत

मौसम विभाग ने 19 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल होने की बात कही है। इसके बाद धीरे-धीरे प्रदेश के अन्य हिस्सों से भी मानसून की वापसी का दौर शुरू हो सकता है।मौसम में बदलाव के संकेत पहले से दिखाई देने लगे हैं। पश्चिमी राजस्थान में बारिश की गतिविधियां कमजोर पड़ रही हैं और आने वाले दिनों में मौसम के शुष्क होने की संभावना बढ़ रही है। हालांकि मानसून की औपचारिक विदाई मौसम की वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर ही घोषित की जाएगी।

ब्लास्टिंग से मकान में दरारें, खेत में गिर रहे पत्थर; ग्रामीण ने अवैध खनन के खिलाफ दिया ज्ञापन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजसमंद। सेलागुड़ा ग्राम पंचायत क्षेत्र में शिवनाल महादेव मंदिर रोड के किनारे कथित अवैध ब्लास्टिंग कर पत्थर खनन करने का मामला सामने आया है। गांव निवासी रोशनलाल पुत्र देवीलाल ने आमेट तहसीलदार को ज्ञापन देकर मामले की जांच कर कार्रवाई की मांग की है। रोशनलाल ने बताया कि खास शिवनाल रोड पर उनकी खातेदारी कृषि भूमि है, जहां उनका मकान भी बना हुआ है और परिवार वहीं रहता है। उनके खेत के पास क्वार्टज और फेल्सपार की माइंस संचालित है। आरोप है कि माइंस में भारी मात्रा में ब्लास्टिंग की जा रही है, जिससे आसपास के क्षेत्र में नुकसान हो रहा है।ग्रामीण के अनुसार ब्लास्टिंग के कारण उनके मकान की दीवारों में दरारें आ गई हैं। वहीं खेत में पत्थर और मिट्टी गिरने से कृषि भूमि भी प्रभावित हो रही है। उन्होंने बताया कि खातेदारी भूमि के चारों ओर बनाई गई सुरक्षा दीवार भी गिर गई है, जिससे परिवार को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

11 हजार केवी लाइन का तार खेत में गिरा

रोशनलाल के अनुसार मंगलवार को की गई ब्लास्टिंग के दौरान 11 हजार केवी बिजली लाइन का तार टूटकर उनके खेत में गिर गया। उनका कहना है कि यदि उस समय कोई व्यक्ति खेत में मौजूद होता तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना के बाद परिवार में डर का माहौल है।

माइंस मालिक को कई बार समझाने का दावा

रोशनलाल ने आरोप लगाया कि उन्होंने माइंस संचालक को कई बार ब्लास्टिंग से हो रहे नुकसान के बारे में समझाया, लेकिन इसके बावजूद कथित रूप से ब्लास्टिंग जारी है। उन्होंने प्रशासन से मौके पर जांच करवाकर खनन गतिविधियों और ब्लास्टिंग की वैधता की जांच करने तथा नियमों के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है।

माउंट आबू नगरपालिका अध्यक्ष पद के लिए भाजपा से सुनील आचार्य, कांग्रेस से यश शर्मा ने भरा नामांकन

25 वार्डों में भाजपा के 15 पार्षद, कांग्रेस के 7; अध्यक्ष पद के लिए 21 सितंबर को होगा मतदान, निर्दलीय पार्षदों की भूमिका पर नजर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू, सिरोही। माउंट आबू नगरपालिका अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर बुधवार को भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल कर अपनी दावेदारी पेश की। भाजपा की ओर से सुनील आचार्य और कांग्रेस की ओर से यश शर्मा ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र जमा कराया। अध्यक्ष पद के लिए मतदान 21 सितंबर को होना है।सबसे पहले भाजपा उम्मीदवार सुनील आचार्य अपने दो प्रस्तावकों के साथ रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष पहुंचे और नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके करीब एक घंटे बाद कांग्रेस प्रत्याशी यश शर्मा ने भी दो प्रस्तावकों के साथ पहुंचकर अध्यक्ष पद के लिए अपना पर्चा भरा। नगरपालिका के हालिया चुनाव परिणामों में भाजपा ने 25 में से 15 वार्डों में जीत दर्ज की है। कांग्रेस के खाते में 7 सीटें आई हैं, जबकि 2 सीटों पर निर्दलीय और 1 सीट पर आरएलपी प्रत्याशी विजयी रहा है। अध्यक्ष चुनने के लिए नगरपालिका के निर्वाचित पार्षद ही मतदान करेंगे और बहुमत का आंकड़ा 13 है।

भाजपा के पास बहुमत

25 सदस्यीय नगरपालिका में भाजपा के पास 15 पार्षद हैं, जो बहुमत के लिए जरूरी 13 से दो अधिक हैं। ऐसे में भाजपा के पास अध्यक्ष पद के लिए पर्याप्त संख्या बल मौजूद है। हालांकि, अंतिम तस्वीर 21 सितंबर को होने वाले मतदान के बाद ही साफ होगी। निर्दलीय पार्षदों के रुख पर भी नजर बनी हुई है।भाजपा की ओर से अध्यक्ष पद के उम्मीदवार सुनील आचार्य वार्ड 4 से पार्षद चुने गए हैं। उन्होंने अपने वार्ड में कांग्रेस प्रत्याशी को 308 मतों के अंतर से हराया था। कांग्रेस ने यश शर्मा को मैदान में उतारा है। अब दोनों उम्मीदवारों के नामांकन के बाद अध्यक्ष पद का चुनाव औपचारिक रूप से मुकाबले में बदल गया है। हालांकि, उपलब्ध संख्या बल में भाजपा आगे है। अध्यक्ष पद के लिए मतदान 21 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगा और इसके बाद मतगणना की जाएगी।

दुबई में नौकरी का झांसा देकर युवक से 1 लाख की ठगी, दंपती के पासपोर्ट भी हड़पे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर एक युवक से करीब 1 लाख रुपए ठगने और उसकी पत्नी समेत दोनों के मूल पासपोर्ट अपने पास रखने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर झंवर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार लूणावास खारा निवासी 25 वर्षीय रमेश मेघवाल ने शिकायत में घेवड़ा निवासी श्याम शर्मा पर ठगी का आरोप लगाया है। रमेश ने पुलिस को बताया कि 28 जून 2026 को उसकी श्याम शर्मा से व्हाट्सऐप के जरिए बातचीत हुई थी। आरोपी ने उसे और उसकी पत्नी को दुबई भेजकर नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इसके बाद दोनों के मूल पासपोर्ट अपने पास रख लिए। वीजा और टिकट बनवाने के नाम पर 1 जुलाई से 16 जुलाई के बीच फोन-पे के जरिए अलग-अलग किश्तों में करीब 1 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए गए।रकम लेने के बाद आरोपी वीजा और टिकट को लेकर टालमटोल करने लगा। पीड़ित के अनुसार आरोपी ने कहा कि फिलहाल 1 लाख रुपए दे दो, बाकी रकम नौकरी लगने के बाद वेतन से काट ली जाएगी। बाद में पासपोर्ट और रकम वापस करने के लिए अलग-अलग तारीखें बताई गईं, लेकिन न तो पैसे लौटाए गए और न ही पासपोर्ट वापस किए गए।लगातार संपर्क करने पर आरोपी ने पहले टालमटोल की और बाद में व्हाट्सऐप संदेश देखना और फोन उठाना भी बंद कर दिया। इससे परेशान होकर रमेश ने साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद झंवर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है। मामले में पुलिस आरोपी से जुड़े लेन-देन, पासपोर्ट और विदेश भेजने के दावे की भी जांच कर रही है।

पाली में 30 लाख के गहने और एक लाख रुपए की चोरी, जाते-जाते कैप छोड़ गए चोर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। ट्रांसपोर्ट नगर थाना क्षेत्र की जगदंबा कॉलोनी में मंगलवार अलसुबह चोर एक घर से लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गए। चोर करीब 20 से 25 तोला सोना, 7 किलो चांदी और एक लाख रुपए नकद ले गए। परिवार के अनुसार चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई जा रही है। वारदात के बाद भागते समय चोर अपनी कैप भी मौके पर छोड़ गए। पीड़ित परिवार ने ट्रांसपोर्ट नगर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार जगदंबा कॉलोनी निवासी शिवराम पुत्र जीवाराम भाट का परिवार मंगलवार अलसुबह घर के बरामदे में सो रहा था। इसी दौरान चोर मकान में घुस गए। चोरों ने कमरे में रखे संदूक को खंगाला और उसमें रखे सोने-चांदी के गहने तथा नकदी लेकर फरार हो गए।खटपट की आवाज सुनकर वृद्धा राधा देवी की नींद खुल गई। उन्होंने आवाज लगाकर परिवार के लोगों को जगाने की कोशिश की। शोर सुनते ही चोर मौके से भाग निकले। परिवार के लोग उठकर बाहर आए, तब तक चोर फरार हो चुके थे।पीड़ित राधा देवी के अनुसार चोर घर से करीब 20-25 तोला सोना, 7 किलो चांदी और एक लाख रुपए नकद ले गए हैं। परिवार ने चोरी हुए सामान की कीमत करीब 30 लाख रुपए बताई है।

कमरों में नहीं लगे थे दरवाजे

पीड़ित परिवार का मकान अभी अधूरा पड़ा हुआ है और कमरों में दरवाजे भी नहीं लगे हैं। इसी का फायदा उठाकर चोर आसानी से घर के अंदर दाखिल हुए और संदूक से गहने व रुपए चोरी कर ले गए। घटना के बाद परिवार में दहशत का माहौल है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है और मौके से मिले सुरागों के आधार पर चोरों की तलाश की जा रही है।

जोधपुर में 15 मिनट में हार्ट की बंद धमनी खोली, सड़क हादसे के बाद कार्डियक अरेस्ट से जूझ रहे मरीज की बची जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जोधपुर। मथुरादास माथुर अस्पताल में चिकित्सकों ने गंभीर हालत में पहुंचे 41 वर्षीय मरीज की महज 15 मिनट में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी कर जान बचाने का दावा किया है। सड़क हादसे में घायल होने के बाद मरीज को नागौर से जोधपुर रेफर किया गया था। अस्पताल पहुंचने के बाद उसे कार्डियक अरेस्ट हुआ। चिकित्सकों ने सीपीआर और बिजली का झटका देकर दिल की धड़कन वापस लाई। इसके बाद वेंटिलेटर पर ही मरीज को कैथ लैब ले जाकर बंद धमनी को खोला गया।

कार्डियोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रोहित माथुर के अनुसार 7 सितंबर को 41 वर्षीय युवक सड़क हादसे के बाद नागौर से रेफर होकर एमडीएम अस्पताल पहुंचा था। हादसे में उसकी पसलियों में फ्रैक्चर था, जिसके कारण उसे खून पतला करने वाला इंजेक्शन नहीं दिया जा सका। घटना के करीब साढ़े तीन घंटे बाद मरीज अस्पताल की आपातकालीन इकाई में पहुंचा।

सीसीयू में पहुंचते ही हुआ कार्डियक अरेस्ट

मरीज को हृदय रोग विभाग की गहन चिकित्सा इकाई में शिफ्ट किया गया, जहां पहुंचते ही उसे कार्डियक अरेस्ट हो गया। चिकित्सकों की टीम ने तत्काल सीपीआर शुरू किया और मरीज को श्वास नली डालकर वेंटिलेटर पर रखा। कई बार बिजली का झटका देने के बाद उसके दिल की धड़कन वापस आई।इसके बावजूद मरीज की हालत बेहद गंभीर थी। वह बेहोशी की स्थिति में था, रक्तचाप दर्ज नहीं हो रहा था और जांच में हृदय की कार्यक्षमता केवल 10 से 15 प्रतिशत रह गई थी।

वेंटिलेटर पर ही कैथ लैब ले गए

स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने तत्काल एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी करने का निर्णय लिया। मरीज को वेंटिलेटर पर ही कैथ लैब ले जाया गया। जांच में हृदय की मुख्य धमनी एलएडी पूरी तरह बंद मिली। इस दौरान मरीज को दोबारा खतरनाक हृदय गति की स्थिति का सामना करना पड़ा, जिसके लिए बिजली के झटके देने पड़े।चिकित्सकों के अनुसार टीम ने करीब 15 मिनट में एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी पूरी कर बंद धमनी को खोल दिया। इसके बाद मरीज को वेंटिलेटर और अधिक मात्रा में आवश्यक दवाओं के सहारे उपचार दिया गया।

तीन दिन बाद वेंटिलेटर हटाया

डॉ. रोहित माथुर ने बताया कि उपचार के बाद मरीज की स्थिति में धीरे-धीरे सुधार हुआ और तीन दिन बाद उसका वेंटिलेटर हटा दिया गया। करीब 10 दिन तक अस्पताल में उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गई।

मरीज के पास आरजीएचएस कार्ड नहीं होने के बावजूद अस्पताल अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित की सहमति से उसका पूरा उपचार निशुल्क किया गया। उपचार में डॉ. राकेश करणावत, डॉ. भरत, एनेस्थीसिया टीम, हृदय रोग विभाग के चिकित्सकों, डीएम रेजिडेंट्स और नर्सिंग टीम का सहयोग रहा।

राजस्थान में ओबीसी आरक्षण पर सरकार का जवाब, हाईकोर्ट में कहा- आयोग के सर्वे के आधार पर तय हुआ आरक्षण

41 जिला प्रमुख पदों में ओबीसी के लिए 5 सीटें आरक्षित, सरकार बोली- एससी, एसटी और ओबीसी को मिलाकर कुल आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा के भीतर; याचिकाकर्ता ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। जयपुर,। राजस्थान में पंचायत चुनावों के दौरान अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को दिए गए आरक्षण को लेकर चल रहे विवाद के बीच राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखा है। सरकार ने कहा कि ओबीसी आरक्षण राज्य ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर तय किया गया है। आयोग ने घर-घर जाकर सर्वे और उपलब्ध जनाधार आंकड़ों के विश्लेषण के बाद अपनी सिफारिशें दी थीं।मामला जिला प्रमुख के पदों पर ओबीसी आरक्षण से जुड़ा है। जिला पुनर्गठन के बाद प्रदेश में जिला प्रमुख के पदों की संख्या 33 से बढ़कर 41 हो गई है। इसके बावजूद ओबीसी के लिए 5 पद ही आरक्षित किए गए। इसी को लेकर राधेराम गोदारा ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरक्षण को आनुपातिक आधार पर बढ़ाने की मांग की थी। हाईकोर्ट ने इस मामले में सरकार से जवाब मांगा था।सरकार ने अपने जवाब में कहा कि 41 जिला प्रमुख पदों में से 8 पद अनुसूचित जाति, 7 पद अनुसूचित जनजाति और 5 पद ओबीसी के लिए आरक्षित किए गए हैं। इस तरह कुल 20 पद आरक्षित हैं, जो 41 पदों का करीब 48.78 प्रतिशत है। सरकार का तर्क है कि यह सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 50 प्रतिशत की सीमा के भीतर है, इसलिए जिला प्रमुख के पदों पर ओबीसी आरक्षण को और बढ़ाना संभव नहीं है।

याचिकाकर्ता की ओर से अलग तर्क

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया है कि जब वर्ष 2020 में 33 जिला प्रमुख पदों में ओबीसी के लिए 5 सीटें आरक्षित थीं, तो अब पदों की संख्या बढ़कर 41 होने के बाद भी ओबीसी सीटों की संख्या 5 ही रखना आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सवाल खड़े करता है। याचिका में ओबीसी आरक्षण की गणना नए सिरे से करने की मांग की गई है।

ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को लेकर भी सवाल

मामले में याचिकाकर्ता की ओर से ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किए जाने का मुद्दा भी उठाया गया है। वहीं, सरकार का कहना है कि आयोग ने सर्वे और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर अपनी सिफारिश दी है। फिलहाल इसी रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण तय किए जाने की बात सरकार ने कोर्ट में कही है। गौरतलब है कि 13 अगस्त को 41 जिला परिषदों के जिला प्रमुख पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी निकाली गई थी। इसमें ओबीसी के लिए 5 पद आरक्षित किए गए थे। इसके बाद ओबीसी आरक्षण के अनुपात को लेकर विवाद सामने आया और पंचायत चुनाव की आगे की आरक्षण प्रक्रिया भी प्रभावित हुई। अब इस मामले में हाईकोर्ट की आगे की सुनवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अदालत के समक्ष सरकार के जवाब और याचिकाकर्ता की आपत्तियों पर सुनवाई के बाद आरक्षण की स्थिति को लेकर अगला रुख स्पष्ट होगा।

सम्पादकीय

25 वर्ष का शासन मॉडल; दावों, वास्तविकता और कर्ज के पहाड़ के बीच पिसती देश की जनता पर ज्वलंत विश्लेषण

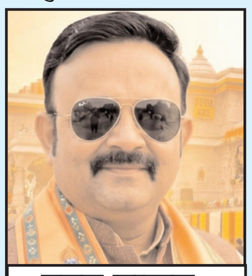

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

गुजरात के मुख्यमंत्री पद से लेकर देश के प्रधानमंत्री पद तक के 25 वर्षों के शासनकाल के जश्न और गुणगान के बीच देश की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर पर एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। एक तरफ सरकारी विज्ञापनों और विशाल आयोजनों के माध्यम से इन 25 वर्षों को देश का स्वर्णिम काल बताया जा रहा है। दूसरी तरफ आंकड़े, अर्थशास्त्रियों के निष्कर्ष और ज़मीनी वास्तविकता एक बेहद चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। महंगाई, बेरोजगारी, भारी कर्ज और अधूरे रह गए वादों ने आम जनता का जीना दूभर कर दिया है।

आंकड़ों के मुंह से बोलती भयानक वास्तविकता

1. 200 लाख करोड़ के कर्ज में डूबता देश

देश का कुल कर्ज जो एक समय सीमित था, वह बढ़ते-बढ़ते लगभग 200 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को छू गया है। देश के प्रत्येक नागरिक पर आज हजारों रुपये का कर्ज आ गया है। सवाल यह खड़ा होता है कि अगर इतना भारी कर्ज लिया गया तो वह पैसा गया कहां? गरीब और मध्यम वर्ग आज भी टैक्स के बोझ तले दबा हुआ है, जबकि देश की आर्थिक सत्ता कुछ गिने-चुने उद्योगपतियों तक सीमित हो रही है।

2. बड़े वादे और कागजों पर योजनाएं

हर किसी को पक्का मकानः देश के सभी गरीबों को पक्के मकान देने के वादों के बावजूद आज भी लाखों परिवार झुग्गी-झोपड़ियों और खुले आसमान के नीचे रातें बिताने को मजबूर हैं।

100 स्मार्ट सिटी और आदर्श ग्रामः करोड़ों रुपये बहाने के बाद भी देश के शहर मानसून में तालाब बन जाते हैं। सांसदों द्वारा गोद लिए गए 'आदर्श गांवों' की स्थिति आज भी जस की तस है।

हर घर नल से जलः करोड़ों घरों में नल पहुंचने के दावों के बीच आज भी ग्रामीण इलाकों की बहनों-बेटियों को पीने के पानी के लिए मीलों तक भटकना पड़ता है।

किसानों की दोगुनी आयः 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का वादा था, लेकिन बीज, खाद, बिजली और डीजल के दाम आसमान छूने से किसान कर्ज के जाल में फंस गए हैं।

3. महंगाई और योजनाओं का सच

उज्ज्वला योजना के तहत शुरुआत में मुफ्त गैस कनेक्शन तो दे दिए गए, लेकिन सिलेंडर के दाम 1000 रुपये पार हो जाने से आज ज्यादातर गरीब परिवार फिर से लकड़ी और कंडे जलाने को मजबूर हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में निजीकरण को बढ़ावा मिलने से सरकारी स्कूल और अस्पताल जर्जर हुए हैं। नतीजतन आम अभिभावकों के लिए बच्चों की पढ़ाई और बीमारी का इलाज बेहद महंगा हो गया है।

4. फ्री डिजिटल ट्रांजेक्शन पर ग्रहण

जिस यूपीआई और डिजिटल पेमेंट को मुफ्त रखकर देश में नकद लेन-देन घटाने का दावा किया गया था, उसमें भी अब एमडीआर और अन्य शुल्क लगाने की कवायद शुरू कर दी गई है। व्यापारियों पर पड़ने वाला यह शुल्क आखिरकार आम ग्राहक की जेब से ही वसूला जाएगा।

खास संपादकीय टिप्पणी

25 वर्षों के इस शासनकाल की समीक्षा करें तो तस्वीर साफ होती है कि देश की जनता को बड़े सपने और नारे तो जरूर मिले, लेकिन बदले में महंगाई, कर्ज और आर्थिक असमानता उपहार में मिली है। सरकार की आर्थिक नीतियों से चुनिंदा उद्योगपति मालामाल हुए हैं, जबकि देश का गरीब, मध्यम वर्ग, किसान और बेरोजगार युवा आज भी अपने हक के लिए संघर्ष कर रहा है।

'विकसित भारत' के सपने को रंगों के माध्यम से साकार करते भचाऊ के विद्यार्थी

भचाऊः श्री लेवा पाटीदार बोर्डिंग द्वारा संचालित सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, भचाऊ में 16 सितंबर, 2026 को 'विकसित भारत' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में रचनात्मकता, कलात्मक अभिव्यक्ति तथा राष्ट्र के विकास के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय के चित्रकला शिक्षक श्री रूपेश सोलंकी साहब तथा आचार्य श्री प्रकाशकुमार चंपकलाल पंडित साहब के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत' की अपनी कल्पना को विभिन्न रंगों एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से कागज पर साकार किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में विशेष उत्साह देखने को मिला। किसी विद्यार्थी ने आधुनिक भारत के विकास को तो किसी ने शिक्षा, तकनीक, स्वच्छता, पर्यावरण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र की प्रगति जैसे विभिन्न पहलुओं को अपने चित्रों के माध्यम से उजागर किया। इस प्रकार की गतिविधियाँ विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति तथा राष्ट्रीय चेतना के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। 'विकसित भारत' के संकल्प को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त करते हुए विद्यार्थियों की कलात्मक प्रतिभा सराहनीय रही।

(गुरुवार) 17 सितंबर 2026

दैनिक राशिफल

मेष: दिन ऊर्जा से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाओं को सराहा जाएगा। अचानक धन लाभ के योग बन रहे हैं। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा।

वृषभ: धैर्य बनाए रखने की जरूरत है। आज फिजूलखर्च से बचें। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। सेहत का थोड़ा ध्यान रखें, विशेषकर खान-पान का।

मिथुन: आज का दिन भाग्यशाली रहेगा। अटके हुए काम पूरे होंगे। व्यापार में नए अवसर मिलेंगे। जीवनसाथी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क: काम का दबाव अधिक रह सकता है, इसलिए समय प्रबंधन पर ध्यान दें। किसी नए निवेश की योजना बना रहे हैं तो थोड़ा इंतजार करें।

सिंह: आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला साबित होगा।

कन्या: आज सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। कानूनी या कागजी मामलों में जल्दबाजी न करें। मानसिक शांति के लिए योग या ध्यान का सहारा लें।

तुला: आर्थिक दृष्टिकोण से आज का दिन शुभ है। आय के नए स्रोत बनेंगे। दोस्तों के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। प्रेम जीवन में मिठास आएगी।

वृश्चिक: करियर में उन्नति के रास्ते खुलेंगे। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। बड़ों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त होगा।

धनु: धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। किसी लंबी दूरी की यात्रा का योग बन सकता है। किस्मत का पूरा साथ मिलेगा।

मकर: आज आपको थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। वाहन सावधानी से चलाएं। लेन-देन से जुड़े मामलों में स्पष्टता बनाए रखें।

कुंभ: साझेदारी के काम में बड़ा फायदा हो सकता है। दांपत्य जीवन में खुशहाली रहेगी। कोई नया व्यावसायिक प्रस्ताव मिल सकता है।

मीन: आप अपने विरोधियों पर हावी रहेंगे। सेहत में सुधार देखने को मिलेगा। मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा, हालांकि खर्च पर थोड़ा नियंत्रण रखें।

सरकारी स्कूल बंद करने की साजिश या शिक्षा का निजीकरण?

मर्जर और कम संख्या के नाम पर बंद हो रहे स्कूलों से गरीब छात्रों के भविष्य पर सवाल!

गुजरात में शिक्षा नीति और प्राथमिक शिक्षा के ढांचे को लेकर एक बार फिर बड़ा आक्रोश पैदा हो गया है। पिछले कुछ समय से राज्य में 'मर्जर' और 'कम संख्या' जैसे कारण बताकर सरकारी प्राथमिक स्कूलों को बंद करने की कवायद चलाई जा रही है। शिक्षा अधिकार और सामाजिक कार्यकर्ता इस नीति के खिलाफ तीखे सवाल उठा रहे हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या यह गरीब और सामान्य वर्ग के बच्चों को मुफ्त शिक्षा से वंचित रखने और शिक्षा का व्यापारीकरण करने की कोई बड़ी साजिश है?

सरकारी स्कूलों पर ताले और प्राइवेट स्कूल माफियाओं को खुला मैदान

राज्य में ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में चल रहे सरकारी स्कूलों को पास के स्कूलों में विलय (मर्जर) करने के नाम पर या छात्र संख्या कम होने का बहाना बनाकर बंद किया जा रहा है। इस नीति का सबसे ज्यादा बुरा असर गरीब, दलित, आदिवासी और मध्यम वर्ग के बच्चों पर पड़ रहा है।

लंबी दूरी की समस्याः गांवों में स्कूल बंद होने से बच्चों को पढ़ाई के लिए 2 से 5 किलोमीटर दूर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे खास तौर पर बेटियों की पढ़ाई छूटने का खतरा बढ़ गया है।

मध्यम वर्ग का शोषणः सरकारी स्कूल कमजोर होने या बंद होने से आम अभिभावक मजबूरी में निजी स्कूलों का रुख करते हैं, जहां डोनेशन और फीस के नाम पर बड़ी लूट मचाई जाती है।

शिक्षकों की कमीः नई स्थायी भर्तियां करने के बजाय प्रवासी (अस्थायी) शिक्षकों से काम चलाने की नीति सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता पर सवाल खड़े करती है।

शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं का आरोप है कि जिस देश या राज्य का नागरिक अज्ञानी और अनपढ़ रहेगा, वह कभी अपने अधिकारों, रोजगार और सत्ताधीशों से सवाल नहीं पूछ पाएगा। शिक्षा ही जागरूकता का मुख्य हथियार है, और यदि सरकारी प्राथमिक शिक्षा का ढांचा ही ध्वस्त कर दिया जाए तो आम जनता हमेशा आश्रित और अंधानुकरण करने वाली बनी रहेगी।

क्या शिक्षा व्यापार है या अधिकार?

भारत के संविधान ने 'राइट टू एजुकेशन' (आरटीई) के तहत हर बच्चे को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार दिया है। लेकिन सरकारी बजट से शिक्षा पर होने वाले खर्च को घटाकर स्कूल बंद करना कानूनी और नैतिक रूप से कितना सही है?

संपादकीय टिप्पणी

जो देश या राज्य अपने सरकारी स्कूलों को सुधारने के बजाय उन पर ताले लगाता है, वह कभी समृद्ध नहीं बन सकता। महानगर मेट्रो जनता की आवाज के रूप में स्पष्ट मांग करती है कि सरकारी स्कूलों को बंद करने के बजाय उनमें सुविधाएं बढ़ाई जाएं और हर गरीब बच्चे तक शिक्षा का प्रकाश पहुंचाया जाए, ताकि देश का नागरिक अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बन सके।

त्योहारों में आनंद के साथ स्वास्थ्य का ध्यानः तेज आवाज, डीजे और पटाखों से हृदय तथा ब्लड प्रेशर पर होने वाले गंभीर प्रभावों पर विशेष विश्लेषण

भारत में त्योहारों का जश्न हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जाता है। लेकिन हाल के समय में गरबा, विवाह समारोहों, धार्मिक जुलूसों और त्योहारों के दौरान बजने वाले हाई-डेसिबल डीजे, साउंड सिस्टम और जोरदार धमाके के साथ फूटने वाले पटाखे लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का विषय बन रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, अत्यधिक तेज आवाज और ध्वनि प्रदूषण न केवल कानों के लिए, बल्कि मानव हृदय और ब्लड प्रेशर के लिए भी अत्यंत खतरनाक साबित हो रहा है।

तेज आवाज से हृदय पर होने वाला सीधा प्रतिकूल प्रभाव

मानव शरीर एक निश्चित डेसिबल तक की आवाज सहन करने के लिए जैविक रूप से सक्षम होता है। सामान्य बातचीत 60 डेसिबल तक होती है, जबकि त्योहारों में बजने वाले डीजे और बड़े पटाखों की आवाज 100 से 120 डेसिबल को पार कर जाती है।

स्ट्रेस हार्मोन्स में वृद्धिः अत्यधिक तेज और कंपन पैदा करने वाली आवाज शरीर में 'एड्रिनलिन' और 'कोर्टिसोल' जैसे स्ट्रेस हार्मोन्स का उत्पादन अचानक बढ़ा देती है।

ब्लड प्रेशर और हार्ट रेट में उछालः इन हार्मोन्स के कारण रक्त धमनियां सिकुड़ जाती हैं, जिसके परिणामस्वरूप ब्लड प्रेशर अचानक बढ़ जाता है और हृदय की धड़कनें अनियमित हो जाती हैं।

हार्ट अटैक का खतराः जिन लोगों को पहले से हृदय रोग, हाई ब्लड प्रेशर या डायबिटीज की समस्या हो, उनके लिए इतनी तेज आवाज कार्डियक अरेस्ट या हार्ट अटैक का कारण भी बन सकती है।

किसके लिए यह आवाज सबसे ज्यादा घातक?

1. बुजुर्ग और हृदय रोगीः उम्रदराज व्यक्तियों का हृदय तेज आवाज के कंपन को सहन नहीं कर पाता, जिससे घबराहट और छाती में दर्द हो सकता है।

2. नवजात शिशु और बच्चेः छोटे बच्चों के कान के पर्दे की त्वचा अत्यंत नाजुक होती है। तेज आवाज उनके सुनने की क्षमता को स्थायी नुकसान पहुंचा सकती है।

3. गर्भवती महिलाएंः अत्यधिक ध्वनि प्रदूषण गर्भस्थ शिशु के मानसिक विकास और मां के ब्लड प्रेशर पर बुरा असर डालता है।

त्योहारों में सुरक्षित रहने के लिए महत्वपूर्ण सलाह

सुरक्षित दूरी बनाए रखेंः डीजे के स्पीकरों या पटाखे फूटने वाली जगह से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।

ईयर प्लग का उपयोगः यदि अधिक आवाज वाले क्षेत्र से गुजरना पड़े, तो कान में ईयर प्लग या रुई का उपयोग करें।

सीमित समयः अत्यधिक शोर-शराबे वाले स्थान पर लंबा समय बिताने से बचें।

लक्षणों के प्रति जागरूकताः यदि अचानक चक्कर आए, छाती में दबाव महसूस हो या घबराहट हो, तो तुरंत शांत जगह पर जाएं और डॉक्टर की सलाह लें।

संपादकीय टिप्पणी

जश्न का मूल उद्देश्य आनंद और भाईचारा है, दूसरों की जान जोखिम में डालना नहीं। त्योहारों की रौनक बनाए रखने के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखना हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। थोड़ी सी सजगता और सीमित आवाज का उपयोग हमारे जश्न को अधिक सुरक्षित और आनंददायक बना सकता है।

4 विचारों से समझें कि हम पर्यावरण को लेकर कहां गलती कर रहे हैं

प्रो. चेतन सिंह सोलंकी

जलवायु परिवर्तन शायद मानवता द्वारा स्वयं के लिए पैदा की गई सबसे गंभीर समस्याओं में से एक है। तापमान बढ़ रहा है, बारिश का स्वरूप बदल रहा है और प्राकृतिक आपदाओं के कारण दुनिया भर में नुकसान बढ़ता जा रहा है। सरकारें इससे जूझने के लिए नीतियां तो बना रही हैं, उद्योग नई तकनीक विकसित कर रहे हैं, सौर ऊर्जा बढ़ रही है और पेड़ भी लगाए जा रहे हैं। फिर भी ग्लोबल वार्मिंग लगातार बढ़ रही है। हम कहां गलती कर रहे है? शायद हमें केवल अधिक समाधान नहीं, बल्कि समस्या की गहरी समझ की भी जरूरत है। इस लेख में अलग-अलग समय और पृष्ठभूमि के 4 लोगों द्वारा दिए गए ये 4 विचार यह समझने में हमारी मदद कर सकते हैं कि हम कहां गलती कर रहे हैं और जलवायु सुधार की सही दिशा क्या हो सकती है। सऊदी अरब के पूर्व तेल मंत्री शेख अहमद जकी यमानी ने कहा था, 'पाषाण युग पत्थरों की कमी के कारण समाप्त नहीं हुआ था और तेल युग (पेट्रोल, डीजल, गैस का युग) भी दुनिया में तेल समाप्त होने से बहुत पहले खत्म हो जाएगा।' जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में इसका अर्थ बहुत स्पष्ट है। हम कोयला, पेट्रोल और गैस के खत्म होने का इंतजार नहीं कर सकते। हमें उनका उपयोग इसलिए कम और अंततः बंद करना है, क्योंकि उन्हें जलाने से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड पृथ्वी को लगातार गर्म कर रही है।

तेल युग को कब समाप्त करना चाहिए, उसके लिए बराक ओबामा ने एक प्रसिद्ध कथन दिया था- 'हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को महसूस करने वाली पहली पीढ़ी हैं और इसके बारे में कुछ कर सकने वाली आखिरी पीढ़ी।' यानी जलवायु परिवर्तन अब आने वाली पीढ़ियों की समस्या नहीं है, हमें अभी, इसी समय, प्राथमिकता के साथ इस पर कार्रवाई करनी होगी। लेकिन तेजी से कार्रवाई करना भी पर्याप्त नहीं होगा, यदि हमारी सोच वही बनी रहे, जिसने समस्या पैदा की है। प्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था, 'जिस चेतना के स्तर ने किसी समस्या को जन्म दिया है, उसी चेतना के स्तर से उस समस्या का समाधान नहीं किया जा सकता।' अधिक उत्पादन, अधिक उपभोग और लगातार आर्थिक वृद्धि को हमने प्रगति का आधार बनाया, जिसके कारण जलवायु परिवर्तन हुआ है। उनके अनुसार हम अधिक सौर ऊर्जा, अधिक इलेक्ट्रिक वाहन या नई तकनीक के सहारे इस समस्या को हल नहीं कर सकते। हमे अलग दिशा में सोचना पड़ेगा।

सही दिशा के लिए गांधी जी का एक प्रसिद्ध विचार शायद सबसे महत्वपूर्ण है, 'पृथ्वी पर हर व्यक्ति की आवश्यकता पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन हर व्यक्ति के लालच के लिए नहीं।' पृथ्वी सीमित है। उसकी जमीन, पानी, जंगल, खनिज सीमित हैं। इसलिए हमारा उपभोग भी सीमित होना चाहिए। हमें जरूरत और लालच के अंतर को फिर से समझना होगा। बिजलीघर अपने लिए बिजली नहीं बनाते और कारखाने अपने लिए सामान नहीं बनाते। वे इसलिए बनाते हैं, क्योंकि हम भोजन, कपड़े, वाहन, मकान, मोबाइल, यात्रा और हजारों वस्तुओं व सेवाओं को खरीदते हैं और उसकी डिमांड करते है। चाहे गाड़ी हो, कपड़े हों, या लाइट या पंखा हो, हमारे हर उपभोग के पीछे प्रकृति को कुछ ना कुछ नुकसान होता है। इन चार विचारों को साथ रखें तो जलवायु परिवर्तन का कारण और सुधार की दिशा स्पष्ट दिखाई देती है। जीवाश्म ईंधन से बाहर निकलें। अभी कार्रवाई करें। अपनी सोच बदलें। उपभोग सीमित करें। जीवन और व्यवस्थाओं को जहां संभव हो, छोटा, सरल और स्थानीय बनाएं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सरकारी जमीनों पर गैरकानूनी निर्माण सिस्टम की नाकामी है

दिल्ली हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन ने वर्ष 2024 में कहा था कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण डकैती से भी बड़ा अपराध है। तंज कसते हुए उन्होंने कहा था कि इंडिया गेट खरीदकर वहां भी अवैध घर बनाया जा सकता है। दिल्ली में अवैध निर्माण रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 2006 में निगरानी समिति बनाई थी। लेकिन अतिक्रमण और हादसों से साफ है कि भ्रष्ट-तंत्र के आगे संविधान और अदालतें दोनों पस्त हैं। 2019 में सुप्रीम कोर्ट के जज अरुण मिश्रा और दीपक गुप्ता की पीठ ने कहा था कि कानून का पालन करने वाले देश में तकलीफें झेलते हैं, जबकि अवैध निर्माण करने वालों को रियायतें मिलती जाती हैं। इससे जुड़े 4 कानूनी पहलुओं को समझना जरूरी है : 1. दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग मालिक और पीजी संचालक ने नींव कमजोर होने की जानकारी के बावजूद निर्माण कराया। इसके लिए 81 साल के पूर्व वायुसेना अधिकारी और उनकी 75 साल की पत्नी को अदालत ने 14 दिन के लिए जेल भेजा। तीन महीने पहले हौजरानी में आग से जलने वाले 5 मंजिला होटल को भी एमसीडी के अफसरों ने ही चाय की दुकान के नाम पर लाइसेंस दिया था। उसके बाद मंत्री आशीष सूद ने कहा था कि अवैध निर्माण करने वालों को 2 साल की जेल होगी। लेकिन अवैध निर्माण करवाने वाले निगम अधिकारी और सरकारी बिल्डिंग में आग के जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं होती। बड़े हादसे के बाद छोटे लोगों को जेल और बड़े खिलाड़ियों को बचाने का खेल खत्म होना चाहिए। 2. रक्षा मंत्रालय के अनुसार देश में 10 हजार एकड़ भूमि पर अवैध कब्जे हैं। सुप्रीम कोर्ट में दाखिल रिपोर्ट के अनुसार फरीदाबाद में 780 एकड़ वन्य भूमि पर अवैध निर्माण हैं। दिल्ली में डीडीए के लैंड पूलिंग एरिया में 3500 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर अवैध निर्माण है। महाराष्ट्र के ठाणे में 2021 में एक इमारत ढह जाने के बाद अवैध निर्माणों के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेकर हाईकोर्ट ने पीआईएल पर सुनवाई शुरू की थी। मुख्य न्यायाधीश दीपांकर दत्ता ने इसके लिए राज्य सरकार और बीएमसी को फटकार लगाते हुए कहा था कि सरकारी जमीन कार्यपालिका की पैतृक सम्पत्ति नहीं है और उस पर मनमाने तरीके से अवैध बस्ती बनाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। 3. हरियाणा में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो 2600 अनधिकृत कॉलोनियों की जांच कर रहा है। फरवरी 2021 में हरियाणा के ही एक अन्य मामले में जस्टिस चन्द्रचूड़ के फैसले के अनुसार सरकारी जमीन में अवैध निर्माण को नियमित नहीं किया जा सकता। लेकिन बस्तियों की अवैध बसाहट के खेल से माफिया को बड़ी आमदनी होती है, वहीं नेताओं का भी वोटबैंक मजबूत होता है।

हमेशा ही नकारात्मक बातें करना तो ठीक बात नहीं

हर चीज में मीनमेख निकालने वाले लोगों को जब प्रधानमंत्री मोदी ने 'नाराज फूफा' कहकर पुकारा तो मानो उन्होंने ऐसे लोगों की नब्ज पकड़ ली। हर परिवार में ऐसे लोग होते हैं, जो हर चीज में शिकायत ढूंढ लेते हैं। जाहिर है, मोदी का यह तंज वायरल होना ही था। विपक्षी नेताओं ने भी इसे अपने लिए अपमानजनक मानते हुए इसकी निंदा करने में देर नहीं लगाई। लेकिन अंततः वे वही करने लगे, जिस ओर संकेत किया गया था। उन्होंने हर चीज की शिकायत शुरू कर दी। मसलन, पी. चिदंबरम ने खिन्न अंदाज में कहा कि ब्रिक्स का शिखर सम्मेलन समय की बर्बादी था। अर्थशास्त्री सुरजीत सिंह भल्ला भी उनकी बात से सहमत दिखे और सुझाव दिया कि भारत को ब्रिक्स को छोड़कर पश्चिमी गठबंधनों से जुड़ जाना चाहिए। यह भी कहा गया कि भारत की 7.8 प्रतिशत की विकास दर इतनी अच्छी भी नहीं थी कि उससे खुश हुआ जा सके। इस विचार को प्रस्तुत करने वाले एक लेख में कहा गया कि 40' कामगार अब भी कम उत्पादकता वाले कृषि क्षेत्र में फंसे हुए हैं। लेखक यह बताना भूल गए कि आजादी के समय तो 80' से अधिक कामगार कृषि क्षेत्र में 'फंसे' थे। वास्तव में, तेजी से होता शहरीकरण कृषि क्षेत्र में काम करने वाले लोगों की संख्या लगातार कम कर रहा है।

डभोई शहर में गणेशोत्सव की धूमः अलग-अलग इलाकों में स्थापित भगवान गणेश की मनमोहक मूर्तियां, कई आकर्षक मुद्राओं में दिए दर्शन

(1) आदर्श युवक मंडल, वाल्मिकी वास, स्टेशन न्यू रोड, डभोई

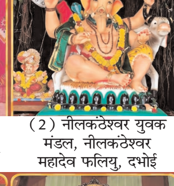

(2) नीलकंठेश्वर युवक मंडल, नीलकंठेश्वर महादेव फलियु, दभोई

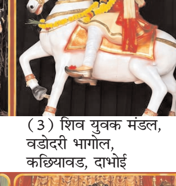

(3) शिव युवक मंडल, वडोदरी भागोल, कछियावड, दाभोई

(4) देवजादु युवक मंडल, वडोदरी भागोल, शेष नारायण मंदिर के पास, दाभोई

(5) माली वागा युवक मंडल, दूधियापीर के पास, दाभोई

(6) पटेल युवक मंडल, कल्याणपोन, दाभोई

(7) महालक्ष्मी युवक मंडल दूधिया पीर, दाभोई

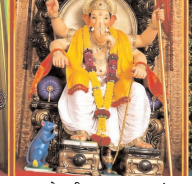

(8) मेलडी माता युवक मंडल हॉल के पीछे, ज़ारोला, डभोई।

(9) भीखण, नवयुवक समूह, नादोदी भागोल, दभोई

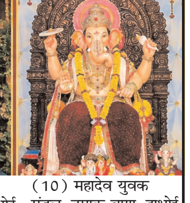

(10) महादेव युवक मंडल, तमाकू वागा, दाभोई

स्कूल से घर लौट रहे सरकारी शिक्षक की गोली मारकर हत्या, आरोपी ने थाने पहुंचकर किया आत्मसमर्पण

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नजीबाबाद। नजीबाबाद में स्कूल से करीब 150 मीटर दूर पेट में सटाकर मारी गोली; ऋषिकेश एम्स में इलाज के दौरान मौत, संपत्ति विवाद और लेन-देन की जांच बिजनौर, उत्तर प्रदेश। नजीबाबाद थाना क्षेत्र में मंगलवार को स्कूल से घर लौट रहे करीब 40 वर्षीय सरकारी शिक्षक नौशाद अहमद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह पुरुषोत्तमपुर प्राथमिक विद्यालय में तैनात थे और छुट्टी के बाद बाइक से अपने घर राहतपुर खुर्द लौट रहे थे। इसी दौरान स्कूल से करीब 150 मीटर दूर आरोपी गौरव राठी ने कथित तौर पर उनके पेट में बेहद करीब से गोली मार दी। गोली लगने के बाद नौशाद बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने उन्हें तत्काल नजीबाबाद के अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उन्हें ऋषिकेश स्थित एम्स भेज दिया, जहां शाम करीब पांच बजे इलाज के दौरान

उनकी मौत हो गई। शिक्षक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। वारदात के बाद थाने पहुंचा आरोपी पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी, तभी गौरव राठी खुद नजीबाबाद थाने पहुंच गया और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थाना प्रभारी अमित कुमार के अनुसार, फिलहाल हत्या की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है। संपत्ति के काम से जुड़े थे शिक्षक प्रारंभिक जांच में सामने आया है

खेत में फूल तोड़ने गए चाचा-भतीजे की संदिग्ध मौत, नदी किनारे मिले दोनों के शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रायसेन। सुल्तानगंज थाना क्षेत्र के बेरखेड़ी राजाराम गांव में खेत पर फूल तोड़ने गए चाचा-भतीजे की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। दोनों सोमवार दोपहर घर से खेत की ओर निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने दोनों के मोबाइल फोन पर कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मोबाइल लोकेशन के आधार पर तलाश शुरू की गई तो नदी किनारे एक खेत में दोनों के शव मिले।मृतकों की पहचान बेरखेड़ी राजाराम निवासी 45 वर्षीय अशोक अहिरवार और उनके 16 वर्षीय भतीजे संजय अहिरवार के रूप में हुई है। दोनों खेत से फूल तोड़ने के लिए गए थे। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिवार की चिंता बढ़ गई थी। पुलिस ने मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की, जिसके बाद नदी किनारे ग्राम चौकीदार नर्मदा चढ़ार के खेत में दोनों के शव मिले। परिजनों

ने जताई करंट लगने की आशंका परिजनों के अनुसार, अशोक अहिरवार के हाथ में तार फंसा हुआ मिला था। परिवार का कहना है कि खेत में फसल को जंगली जानवरों से बचाने के लिए तार लगाए गए थे और संभव है कि इनमें करंट प्रवाहित हो। हालांकि, पुलिस ने अभी करंट लगने को मौत की अंतिम वजह नहीं माना है। मौत की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। एक साथ दो शव मिलने से गांव में मातम चाचा-भतीजे के शव एक ही खेत में मिलने की खबर के बाद परिवार में मातम छा गया। घटना की सूचना मिलते ही सुल्तानगंज तहसीलदार देवेंद्र शुक्ला भी मृतकों के परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिवार के लोगों से घटना की जानकारी ली और उनके बयान दर्ज किए। तहसीलदार ने भरोसा दिलाया कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। अब घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और खेत में लगाए गए तारों की स्थिति की जांच की जा रही है। रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि दोनों की मौत करंट लगने से हुई या इसके पीछे कोई दूसरी वजह थी।

मंदसौर में यातायात टीआई पर ड्राइवर और दुकानदार को थप्पड़ मारने का आरोप, सीसीटीवी वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मंदसौर। शहर के वीर सावरकर पुलिया इलाके में यातायात थाना प्रभारी मनोज सोलंकी पर एक पिकअप चालक और दुकान के कर्मचारी के साथ मारपीट करने का आरोप लगा है। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। वायरल वीडियो में टीआई और पिकअप चालक के बीच विवाद होता दिखाई दे रहा है। इसके बाद टीआई चालक को थप्पड़ मारते नजर आते हैं। घटना को लेकर पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधिकारी पर गाली-गलौज और मारपीट के आरोप लगाए हैं। मामला सामने आने के बाद मंदसौर एसपी विनोद कुमार मीणा ने जांच के आदेश दिए हैं। बताया जा रहा है कि घटना 11 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे की है। वीर सावरकर पुलिया के पास एक दुकान के बाहर पिकअप वाहन खड़ा था। वाहन चालक आंतरीमाता गांव का रहने वाला बताया जा रहा है और वह दुकान से अंडे खरीदने आया था। इसी दौरान वहां से यातायात थाना प्रभारी मनोज सोलंकी गुजरे। सड़क पर वाहन खड़ा होने को लेकर टीआई और चालक के बीच बहस शुरू हो गई। आरोप है कि बहस बढ़ने के बाद टीआई ने चालक को थप्पड़ मार दिए। दुकान मालिक आमिर पठान का कहना है कि ग्राहक अपनी गाड़ी खड़ी कर सामान खरीद रहा था। इसी दौरान टीआई वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर चालक के साथ मारपीट की गई। बीच-बचाव करने आए कर्मचारी से भी मारपीट का आरोप दुकान मालिक का आरोप है कि जब दुकान के कर्मचारी रेहान ने मामले में बीच-बचाव करने की कोशिश की तो टीआई ने उसके साथ भी मारपीट की। आरोप है कि उसका हाथ मरोड़ा गया और पीठ पर घूंसा मारा गया। पीड़ित पक्ष का कहना है कि यदि वाहन गलत जगह खड़ा था तो पुलिसकर्मी उसका चालान काट सकते थे, लेकिन मारपीट करना उचित नहीं था। सीसीटीवी में कैद हुई घटना घटना दुकान के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। सामने आए फुटेज में यातायात थाना प्रभारी पिकअप चालक से विवाद करते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद वह चालक को थप्पड़ मारते नजर आते हैं। वीडियो में यह भी दिखाई देता है कि पिकअप वाहन वहां से चले जाने के बाद टीआई दोबारा दुकान की ओर बढ़ते हैं। घटना के दौरान आसपास काफी लोग मौजूद थे। मीडिया के सवाल पर टीआई ने कहा- साहब से पूछकर बताऊंगा वीडियो सामने आने के बाद जब यातायात थाना प्रभारी मनोज सोलंकी से घटना को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने विस्तृत जवाब देने के बजाय कहा कि वह 'साहब से पूछकर' बात करेंगे। इसके बाद वह वहां से चले गए। उनके इस जवाब को लेकर भी मामला चर्चा में है।

एसपी ने जांच के दिए आदेश घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने मामले को गंभीरता से लिया है। मंदसौर एसपी विनोद कुमार मीणा ने कहा कि वीडियो उनके संज्ञान में आया है और पूरे घटनाक्रम की जांच कराई जा रही है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि विवाद की पूरी स्थिति क्या थी और मारपीट के आरोपों में कितनी सच्चाई है। सीसीटीवी फुटेज और संबंधित लोगों के बयान जांच में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

5 मुख्यमंत्री बदले, पर नहीं बदली स्थिति! भोपाल में उच्च शिक्षा मंत्री के आवास के बाहर 200 अतिथि विद्वानों का धरना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश में अतिथि विद्वानों का आंदोलन एक बार फिर तेज हो गया है। मंगलवार को करीब 200 अतिथि विद्वान अपनी मांगों को कर उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के भोपाल स्थित सरकारी आवास के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि उन्हें नौकरी की स्थिरता और भविष्य की सुरक्षा को लेकर लगातार अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। देर रात तक भी प्रदर्शनकारी वहीं डटे रहे। अतिथि विद्वानों की मुख्य मांग फॉलन आउट प्रक्रिया को रोकने और स्थायित्व के लिए स्पष्ट नीति बनाने की है। उनका कहना है कि जब तक उनके भविष्य को सुरक्षित करने वाली नीति नहीं बनती, तब तक फॉलन आउट की प्रक्रिया नहीं की जानी चाहिए। प्रदर्शनकारियों के अनुसार, वे लंबे समय से सरकारी महाविद्यालयों में सेवाएं दे रहे हैं और बार-बार सेवा से बाहर होने की स्थिति उनके सामने रोजगार का संकट खड़ा कर

देती है। मंत्री से मिलने की मांग अतिथि विद्वानों के प्रतिनिधियों का कहना है कि उन्होंने पहले भी सरकार के सामने अपनी मांगें रखी थीं। उनके अनुसार, 10 जुलाई को भोपाल के रविंद्र भवन में हुए सम्मेलन में उनकी समस्याओं पर चर्चा हुई थी और नियमितीकरण तथा स्थायित्व को लेकर नीति बनाने का आश्वासन दिया गया था। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि 28 अगस्त को भी उन्होंने मुख्यमंत्री से फॉलन आउट प्रक्रिया रोकने का आग्रह किया था। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि आश्वासन के बावजूद प्रक्रिया को लेकर उनकी चिंता दूर नहीं हुई है। इसी के चलते उन्होंने मंत्री के आवास के बाहर धरना देने का फैसला किया। उनका कहना है कि जब तक उन्हें लिखित आश्वासन नहीं मिलता, वे अपना प्रदर्शन जारी रखेंगे। नई नियुक्तियों को लेकर भी चिंता अतिथि विद्वानों में नई सहायक प्राध्यापक नियुक्तियों और नियमित शिक्षकों की पदस्थापना को लेकर भी चिंता है। उनका कहना है कि नियमित शिक्षकों की नियुक्ति या स्थानांतरण के बाद पहले से पढ़ा रहे अतिथि विद्वानों के सामने सेवा से बाहर होने का खतरा पैदा हो सकता है। यही वजह है कि वे नई नियुक्तियों के साथ अपने लिए सुरक्षा नीति की मांग कर रहे हैं। फिलहाल करीब 200 अतिथि विद्वान मंत्री के आवास के बाहर डटे हुए हैं। आंदोलन के कारण सरकार पर आगामी शैक्षणिक सत्र से पहले इस मुद्दे पर समाधान निकालने का दबाव बढ़ा है। हालांकि, फॉलन आउट प्रक्रिया और स्थायित्व नीति को लेकर अंतिम निर्णय सरकार की ओर से आना बाकी है।

रतलाम के सैलाना एकलव्य विद्यालय की घटना, परिजनों और छात्रों ने किया प्रदर्शन; प्राचार्य को हटाकर विभाग में अटैच किया गया

परीक्षा में नकल की पर्ची मिलने के बाद हॉस्टल लौटी 12वीं की छात्रा, संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रतलाम। सैलाना स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्रा छात्रावास में मंगलवार को कक्षा 12वीं की छात्रा वर्षा सोलंकी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परीक्षा के दौरान छात्रा के पास नकल की पर्ची मिलने की बात सामने आई थी। इसके बाद उसकी उत्तर पुस्तिका ले ली गई और उसे परीक्षा कक्ष से बाहर जाने के लिए कहा गया। कुछ समय बाद वह छात्रावास लौट गई, जहां साथी छात्राओं ने उसे कमरे में फंदे पर लटका देखा। घटना के बाद छात्रावास में हड़कंप मच गया और पुलिस ने जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार वर्षा सोलंकी देवास जिले के मेवाड़ पंथ की रहने वाली थी और लंबे समय से इसी छात्रावास में रहकर पढ़ाई कर रही थी। मंगलवार को उसका अर्थशास्त्र का पेपर था। परीक्षा के दौरान ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों ने उसके पास नकल की पर्ची मिलने की बात बताई। इसके बाद छात्रा को परीक्षा कक्ष से बाहर जाने के लिए कहा गया। परीक्षा के बाद हॉस्टल पहुंची छात्रा परीक्षा कक्ष से निकलने के बाद वर्षा छात्रावास लौट गई। कुछ देर बाद परीक्षा देकर वापस आई छात्राओं ने उसे कमरे में फंदे पर लटका देखा। उन्होंने तत्काल वार्डन और विद्यालय प्रबंधन को सूचना दी। इसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। पुलिस और वैज्ञानिक जांच दल ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं पुलिस के अनुसार परीक्षा में नकल की पर्ची मिलने के बाद छात्रा तनाव में थी, लेकिन उसकी मौत की वास्तविक वजह अभी जांच का विषय है। पुलिस ने छात्राओं, शिक्षकों और छात्रावास कर्मचारियों से पूछताछ शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। घटना के बाद छात्रों और परिजनों ने विद्यालय के बाहर प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारियों ने विद्यालय प्रबंधन की भूमिका की जांच और जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद

प्राचार्य नरेंद्र गंगवाल को पद से हटाकर जनजातीय कार्य विभाग में अटैच कर दिया गया। मामले में अन्य जिम्मेदारों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

'मैंने अपनी पत्नी का सिर धड़ से अलग कर दिया' थाने पहुंचकर बोला पति

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हरदोई। हरदोई के कोतवाली शहर क्षेत्र के इस्लामनगर टिलिया मोहल्ले में बुधवार तड़के पति ने अपनी पत्नी की धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपी को पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था। वारदात के बाद आरोपी खुद कोतवाली पहुंचा और पुलिस के सामने पत्नी की हत्या करने की बात कही। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। मृतका की पहचान नगमा के रूप में हुई है। वह अपने पति परवेज के साथ पिछले करीब डेढ़ महीने से इस्लामनगर टिलिया में किराए के मकान में रह रही थी। दोनों की शादी करीब 12 साल पहले हुई थी। बताया गया है कि फोन पर बातचीत और पत्नी के चरित्र को लेकर शक के चलते पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस के मुताबिक बुधवार रात करीब डेढ़ बजे नगमा घर में सो रही थी। इसी दौरान परवेज ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में नगमा की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपी घर का दरवाजा बंद कर सीधे कोतवाली पहुंच गया और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपर पुलिस अधीक्षक सुबोध गौतम के अनुसार प्रारंभिक जांच में पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक और दंपति के बीच पारिवारिक विवाद सामने आया है। वहीं मृतका की बहन शब्बो ने आरोप लगाया है कि परवेज और उसके परिवार के लोग नगमा को प्रताड़ित करते थे। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है और आरोपी से पूछताछ के साथ हत्या के पीछे की पूरी वजह का पता लगाने में जुटी है।

पतंजलि ने बृजभूषण शरण सिंह पर ठोका 50 करोड़ की मानहानि का दावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

इंदौर। पतंजलि फूड्स लिमिटेड ने भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ 50 करोड़ रुपये की मानहानि का दावा दायर किया है। यह मामला कंपनी के घी को लेकर बृजभूषण शरण सिंह की ओर से दिए गए कथित बयानों से जुड़ा है। मामले की सुनवाई मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में चल रही है और अगली सुनवाई 18 सितंबर को होगी। मामले के अनुसार, बृजभूषण शरण सिंह ने सार्वजनिक मंच से पतंजलि के घी की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे और उसे 'नकली' बताया था। वर्ष 2022 में भी उन्होंने इसी तरह का बयान देते हुए लोगों से घर में गाय या भैंस पालने की अपील की थी। इसके बाद पतंजलि और बृजभूषण के बीच बयानबाजी का सिलसिला सामने आया। पतंजलि फूड्स की ओर से अदालत में पेश अधिवक्ता विक्रम मालवीय ने दावा किया कि इन बयानों से कंपनी की प्रतिष्ठा और ब्रांड छवि को नुकसान पहुंचा। कंपनी की ओर से यह भी दावा किया गया कि विवादित बयानों के बाद उसके शेयर मूल्य पर असर पड़ा और उसे आर्थिक नुकसान हुआ। इसी आधार पर कंपनी ने 50 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति की मांग की है। जिला अदालत से हाईकोर्ट पहुंचा मामला यह मामला पहले जिला अदालत में दायर किया गया था। बाद में सुनवाई के दौरान सामने आए कानूनी और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों से जुड़े मुद्दों के कारण मामला मध्य प्रदेश हाईकोर्ट पहुंचा। 15 सितंबर की सुनवाई में बृजभूषण शरण सिंह की ओर से उनके अधिवक्ता अदालत में पेश हुए और जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। अदालत ने अगली सुनवाई 18 सितंबर तय की है। पता इंदौर का होने से यहां दायर हुआ मामला पतंजलि फूड्स का कार्यालय इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में है। इसी वजह से कंपनी की ओर से मानहानि का मामला इंदौर में दायर किया गया। फिलहाल यह मामला अदालत में विचाराधीन है और 50 करोड़ रुपये की मांग पर अंतिम फैसला नहीं हुआ है। घी के नमूने पर भी लग चुका है जुर्माना इस पूरे विवाद के बीच पतंजलि के घी से जुड़ा वर्ष 2025 का एक अलग मामला भी चर्चा में है। पिथौरागढ़ में खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई के बाद घी के नमूने को निर्धारित मानकों पर खरा नहीं पाए जाने से जुड़ा मामला अदालत पहुंचा था। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार इस मामले में पतंजलि पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। यह मामला वर्तमान मानहानि मुकदमे से अलग है।

पीएम मोदी के जन्मदिन की तैयारियों पर बुलाई बैठक में भिड़े भाजपा के मेयर-पार्षद

नगर आयुक्त भी बैठक से चले गए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन और सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर गाजियाबाद नगर निगम में बुलाई गई बैठक उस समय हंगामे में बदल गई, जब भाजपा के ही महापौर और पार्षदों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ा कि नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक बैठक बीच में छोड़कर चले गए। बैठक में नगर निगम की कार्यकारिणी का कार्यकाल समाप्त होने, बोर्ड बैठकों और पार्षदों के सम्मान जैसे मुद्दों पर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान महापौर सुनीता दयाल ने पार्षद राजीव शर्मा और डिप्टी मेयर प्रवीण चौधरी को बैठक से बाहर करने की बात कही। इसके बाद अन्य पार्षद नाराज हो गए और सदन का माहौल गरमा गया। विवाद के बीच भाजपा पार्षद और पूर्व डिप्टी मेयर राजीव शर्मा ने महापौर पर भ्रष्टाचार से जुड़े गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि महापौर ने हाल ही में इनोवा क्रिस्टा खरीदी है और उस वाहन के तेज रफ्तार से चलने के कारण कई चालान हुए हैं। शर्मा ने इस मामले की शिकायत भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से करने की बात कही है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बैठक में कुछ पार्षदों ने नगर निगम के अधिकारियों की मौजूदगी और कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश के बैठक में नहीं पहुंचने पर भी नाराजगी जताई गई। वहीं नगर आयुक्त के बैठक से जाने के बाद महापौर और सदन सचिव ने आगे की कार्यवाही पूरी कराई। पीएम मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गाजियाबाद में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जाना है। इसके तहत वार्ड स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। ऐसे में अभियान की तैयारी वाली बैठक में ही भाजपा के जनप्रतिनिधियों के बीच हुए विवाद ने नगर निगम की अंदरूनी खींचतान को चर्चा में ला दिया है।

जामिया की छात्राओं का गंभीर आरोप, प्रदर्शन में शामिल होने के बाद अधिकारी बना रहे दबाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के जम्मू-कश्मीर छात्रावास में मेस के खाने को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद छात्राओं ने हॉस्टल प्रशासन की एक अधिकारी पर दबाव बनाने और पूछताछ करने का आरोप लगाया है। छात्राओं का कहना है कि प्रदर्शन में शामिल होने के बाद उन्हें रास्ते में रोककर सवाल किए जा रहे हैं और इस वजह से वे अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। हालांकि, विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि छात्रावास के नियमों के पालन को लेकर छात्राओं से सामान्य जानकारी ली जा रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले जम्मू-कश्मीर छात्रावास की मेस में खाने को लेकर छात्राओं ने प्रदर्शन किया था। छात्राओं ने भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर सवाल उठाए थे। इसके बाद सेंटेनरी गेट पर भी प्रदर्शन किया गया था। करीब तीन दिन चले विरोध के बाद छात्राओं ने मेस के ठेकेदार को बदलने और छात्रावास व्यवस्था से जुड़ी कुछ मांगें रखी थीं। प्रशासन की ओर से दूसरे ठेकेदार से भोजन की व्यवस्था शुरू किए जाने के बाद प्रदर्शन समाप्त हो गया था। अब छात्राओं का आरोप है कि प्रदर्शन खत्म होने के बाद भी उनसे सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। एक छात्रा ने बताया कि उन्हें रास्ते में रोककर पूछा जा रहा है कि वे प्रदर्शन में क्यों शामिल हुई थीं। छात्राओं का कहना है कि इस तरह की पूछताछ से उन्हें दबाव महसूस हो रहा है। उनका यह भी कहना है कि यदि प्रदर्शन को लेकर कोई शिकायत या जांच है तो प्रशासन को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि किस आधार पर जानकारी ली जा रही है। वहीं, विश्वविद्यालय के एक अधिकारी का कहना है कि छात्रावास की वार्डन छात्राओं के हित में काम कर रही हैं।

बहस के बाद पत्नी की गला घोंटकर हत्या, आरोपी पति बुलंदशहर से गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के आनंद पर्वत थाना क्षेत्र के बलजीत नगर में 32 वर्षीय महिला की कथित तौर पर उसके पति ने गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी पति चंद्रपाल भाटी की उम्र 24 वर्ष है और दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया, लेकिन पुलिस ने कुछ ही घंटों की कार्रवाई के बाद उसे बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक घटना 14 सितंबर की है। महिला अपने पति, दो नाबालिग बेटियों और अपनी मां के साथ किराए के कमरे में रहती थी। सुबह करीब 3:45 से 4 बजे के बीच महिला की 10 वर्षीय बेटी की नींद खुली तो उसने अपने पिता को मां के पास देखा। पुलिस के अनुसार, आरोपी यह देख रहा था कि उसकी पत्नी सांस ले रही है या नहीं। इसके बाद वह घर से चला गया। बच्ची ने अपनी मां को आवाज दी, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। घटनास्थल पर मिले निशानों से बढ़ा शक सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस जांच के दौरान महिला की गर्दन के बाईं ओर नाखून जैसे निशान मिलने की बात सामने आई। इसके बाद अपराध जांच दल और वैज्ञानिक जांच टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। मौत की वास्तविक वजह की पुष्टि के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया गया। बेटी के बयान के आधार पर पति पर शक प्रारंभिक जांच में नाबालिग बेटी के बयान और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस का शक पति पर गया। इसके बाद 15 सितंबर को मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई। पुलिस टीम ने चंद्रपाल भाटी का पता लगाया और उसे बुलंदशहर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि शादीशुदा जीवन में तनाव और पत्नी के साथ अक्सर होने वाले विवाद के बाद दोनों में बहस हुई थी। इसी दौरान उसने पत्नी का गला दबा दिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी का इससे पहले कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है। मामले में आगे की जांच जारी है और पुलिस हत्या से जुड़े अन्य पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है।

18 सितंबर के बाद बारिश में आएगी कमी; फिर बढ़ेगी गर्मी और उमस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में मॉनसून की विदाई के संकेत मिलने लगे हैं। मौसम में बदलाव के साथ बारिश की गतिविधियां अब धीरे-धीरे कम होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 16 और 17 सितंबर को राजधानी में हल्की बारिश या बूंदाबांदी हो सकती है, जबकि 18 सितंबर के बाद मौसम अपेक्षाकृत शुष्क रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के सात दिन के पूर्वानुमान के अनुसार, 18 से 21 सितंबर के बीच दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान 34 से 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान करीब 24 से 25 डिग्री के आसपास रहने की संभावना है। बारिश कम होने के साथ दिन के तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है, जिससे राजधानी में गर्मी और उमस फिर बढ़ सकती है। मंगलवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 35.1 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक था। न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक था। वातावरण में नमी भी बनी रही, जिससे तापमान से ज्यादा गर्मी महसूस हुई। 18 सितंबर के बाद बदलेगा मौसम मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, 16 और 17 सितंबर तक राजधानी के कुछ इलाकों में हल्की बारिश के दौर देखने को मिल सकते हैं। इसके बाद बारिश की गतिविधियों में कमी आने लगेगी। 18 सितंबर से आसमान आंशिक रूप से साफ रहने की संभावना है। 19 से 21 सितंबर के बीच भी बादल छाए रह सकते हैं, लेकिन व्यापक बारिश की संभावना कम रहेगी। मॉनसून की वापसी की शुरुआत पश्चिमी राजस्थान से होने के संकेत हैं। मौसम विभाग ने बताया है कि करीब 19 सितंबर से पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल हो सकती हैं। इसके बाद उत्तर-पश्चिम भारत के अन्य हिस्सों में भी मौसम के धीरे-धीरे शुष्क होने की प्रक्रिया आगे बढ़ सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, मॉनसून की औपचारिक वापसी केवल बारिश कम होने से तय नहीं होती। लगातार करीब पांच दिनों तक बारिश की गतिविधि में कमी, निचले वायुमंडल में प्रतिचक्रवात की स्थिति और नमी में पर्याप्त कमी जैसे संकेत भी जरूरी होते हैं। ऐसे में दिल्लीवासियों को आने वाले दिनों में बारिश से कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन इसके साथ दिन के समय गर्मी और उमस दोबारा परेशान कर सकती है। मॉनसून की अंतिम विदाई की आधिकारिक घोषणा मौसम की वास्तविक परिस्थितियों के आधार पर ही की जाएगी।

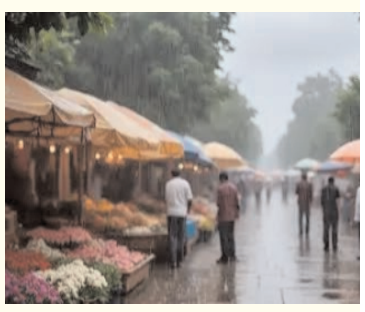

15 अक्टूबर से यूपीआई पेमेंट पर लगेगा नया चार्ज! एनपीसीआई की नई गाइडलाइन से व्यापारियों और आम जनता में चिंता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली/अहमदाबाद। देश में डिजिटल भुगतान के सबसे बड़े माध्यम यूपीआई को लेकर नए शुल्क ढांचे की घोषणा की गई है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने 15 अक्टूबर 2026 से चुनिंदा व्यापारी भुगतानों पर व्यापारी छूट दर लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत दो हजार रुपये से अधिक के व्यक्ति से व्यापारी को किए जाने वाले यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लगेगा। हालांकि यह शुल्क ग्राहक से नहीं, बल्कि व्यापारी से लिया जाएगा और एक लेन-देन पर इसकी अधिकतम सीमा 300 रुपये होगी। ग्राहकों के लिए यूपीआई भुगतान अब भी मुफ्त नए नियमों के बावजूद आम ग्राहकों को यूपीआई से भुगतान करने पर सीधे कोई शुल्क नहीं देना होगा। दो हजार रुपये तक के व्यापारी भुगतान शुल्क से बाहर रहेंगे। वहीं एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को भेजे जाने वाले पैसे पर भी कोई शुल्क नहीं लगेगा। दो हजार रुपये तक के छोटे यूपीआई भुगतानों की हिस्सेदारी कुल व्यापारी लेन-देन में 95 प्रतिशत से अधिक बताई गई है। व्यापारी को कितना देना होगा? नए ढांचे के अनुसार यदि कोई ग्राहक किसी व्यापारी को 3,000 रुपये का भुगतान करता है तो व्यापारी पर 12 रुपये का शुल्क बनेगा। 50,000 रुपये के भुगतान पर यह राशि 200 रुपये होगी। 75,000 रुपये या उससे अधिक के भुगतान पर शुल्क की अधिकतम सीमा 300 रुपये तय की गई है। यानी इससे बड़े भुगतान पर भी 300 रुपये से अधिक शुल्क नहीं लगेगा। छोटे व्यापारियों को राहत हर महीने यूपीआई क्यूआर माध्यम से एक लाख रुपये तक भुगतान प्राप्त करने वाले पात्र छोटे व्यापारियों को इस शुल्क से छूट दी गई है। इसका उद्देश्य छोटे दुकानदारों और छोटे कारोबारियों पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालना है। चाय की दुकान, किराना दुकान और अन्य छोटे कारोबारियों के लिए यह प्रावधान महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कुछ सेवाओं के लिए पांच रुपये का तय शुल्क रेलवे, ईंधन, बीमा और कुछ उपयोगिता सेवाओं जैसी निर्धारित श्रेणियों में दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई भुगतान पर पांच रुपये का तय शुल्क निर्धारित किया गया है। पूंजी बाजार से जुड़े कुछ भुगतानों के लिए 0.02 प्रतिशत शुल्क और अधिकतम 300 रुपये की सीमा तय की गई है।

व्यापारियों में शुल्क को लेकर चिंता नए नियमों के बाद व्यापारी संगठनों में शुल्क के असर को लेकर चिंता सामने आई है। उनका कहना है कि कम मुनाफे वाले कारोबार में लेन-देन शुल्क अतिरिक्त लागत बढ़ा सकता है। दूसरी ओर सरकार और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम का कहना है कि नई व्यवस्था का उद्देश्य यूपीआई तंत्र के दीर्घकालीन विस्तार और उसके संचालन को टिकाऊ बनाए रखना है। वित्त मंत्रालय ने बैंकों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी है कि नया शुल्क ग्राहकों पर सीधे न डाला जाए। इस तरह 15 अक्टूबर से यूपीआई पूरी तरह शुल्क वाला माध्यम नहीं बनने जा रहा है। छोटे भुगतान और व्यक्ति से व्यक्ति के लेन-देन मुफ्त रहेंगे, जबकि चुनिंदा बड़े व्यापारी भुगतानों पर नया शुल्क लागू होगा।

पीएम मोदी से मुलाकात के बाद स्कूलमेट असगर अली वोरा के 15 साल पुराने जमीन विवाद में बड़ा मोड़, पूर्व विधायक ने छोड़ा दावा

नरेंद्र मेहता से जुड़ी कंपनी ने निर्माण अनुमति वापस लेने और कब्जा छोड़ने की बात कही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/वडनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने स्कूलमेट 81 वर्षीय असगर अली वोरा के करीब 15 साल पुराने जमीन विवाद में बड़ा मोड़ आया है। महाराष्ट्र के भायंदर में विवादित जमीन को लेकर असगर अली ने 8 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर अपनी शिकायत रखी थी। इसके कुछ ही दिनों बाद भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र मेहता से जुड़ी कंपनी ने विवादित जमीन पर अपना दावा छोड़ने और निर्माण की अनुमति वापस करने की बात कही है। हालांकि, यह कहना कि विवाद का समाधान केवल प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप से हुआ, आधिकारिक तौर पर पूरी तरह स्थापित नहीं है। उपलब्ध रिपोर्टों में मुलाकात और उसके बाद हुए घटनाक्रम के बीच समय का संबंध बताया गया है। असगर अली वोरा ने बताया था कि उन्होंने 1989 में भायंदर पूर्व के नवघर इलाके में करीब 2,810 वर्गमीटर जमीन खरीदी थी। उनका आरोप है कि वर्ष 2011 में उनकी जमीन पर दो निर्माण कंपनियों ने कथित तौर पर कब्जा कर लिया और जमीन से जुड़े दस्तावेजों में गड़बड़ी की गई। विवाद में नरेंद्र मेहता से जुड़ी सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शंस कंपनी का नाम भी सामने आया था। इस मामले में 2015 में प्राथमिकी दर्ज होने की बात सामने आई है और विवाद लंबे समय से प्रशासनिक एवं कानूनी स्तर पर चल रहा था। 15 साल से अधिकारियों के चक्कर लगा रहे थे वोरा का कहना था कि जमीन के मामले को लेकर उन्होंने राजस्व विभाग, नगर निकाय और पुलिस अधिकारियों के सामने कई बार शिकायत की, लेकिन उन्हें अपेक्षित समाधान नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात कर पूरे मामले की जांच और मदद की मांग की। 8 सितंबर को हुई मुलाकात में उन्होंने प्रधानमंत्री को जमीन विवाद से जुड़ी अपनी शिकायत के बारे में बताया। मुलाकात के बाद प्रशासनिक स्तर पर हलचल प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मामले में प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हुईं। पहले 16 सितंबर को संबंधित पक्षों की सुनवाई तय की गई थी। इसके बाद नरेंद्र मेहता ने कहा कि उनकी कंपनी विवादित जमीन पर अपना कब्जा छोड़ रही है और पहले मिली निर्माण अनुमति भी वापस की जा रही है। कंपनी की ओर से नगर नियोजन विभाग को पत्र दिए जाने की जानकारी सामने आई है। शिकायत वापस लेने की भी बात रिपोर्टों के मुताबिक, नरेंद्र मेहता ने असगर अली वोरा के खिलाफ पहले की गई पुलिस शिकायत को भी वापस लेने की बात कही है। वहीं, निर्माण अनुमति वापस करने की प्रक्रिया के साथ उससे संबंधित शुल्क की वापसी की मांग भी की गई है। मेहता से जुड़ी कंपनी का कहना है कि उसने जमीन वर्ष 2019 में आधिकारिक रूप से खरीदी थी, लेकिन विवाद को देखते हुए निर्माण अनुमति वापस की जा रही है। असगर अली वोरा और नरेंद्र मोदी की पहचान वडनगर के बी.एन. स्कूल के समय से बताई जाती है। लंबे समय से चले आ रहे इस जमीन विवाद में अब कंपनी की ओर से दावा और निर्माण अनुमति छोड़ने के बाद आगे की कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया पर नजर रहेगी।

किराने का सामान लेने निकली थी बच्ची, पुलिस के मुताबिक आरोपी जबरन सुनसान जगह ले गया;

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में 12 साल की बच्ची से कथित यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में 28 वर्षीय आदिनाथ जाधव को गिरफ्तार किया है। घटना 13 सितंबर की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, बच्ची किराने का सामान लेने घर से बाहर निकली थी, इसी दौरान आरोपी ने उसे कथित तौर पर रोककर जबरन सुनसान जगह पर ले गया और वहां यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद बच्ची घर पहुंची और अपनी मां को पूरी बात बताई। इसके बाद मां बच्ची को लेकर शिवाजीनगर पुलिस थाने पहुंचीं और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। शिवाजीनगर पुलिस थाने के निरीक्षक राजेश पुरी ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि मामले की जांच जारी है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और घटना से जुड़े साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। नाबालिग से जुड़ा मामला होने के कारण बच्ची की पहचान से संबंधित कोई जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आरोपी की गिरफ्तारी आरोपों की पुष्टि नहीं मानी जाती है और मामले में अंतिम निर्णय न्यायिक प्रक्रिया के आधार पर होगा।

'शरीर साथ नहीं दे रहा, हाथ-पैर काम नहीं कर रहे मनोज जरांगे की बिगड़ी हालत; मुंबई मार्च रद्द करने का दिया संकेत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बीड। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल की लंबे उपवास और लगातार यात्रा के बीच तबीयत बिगड़ गई है। 18वें दिन की भूख हड़ताल के दौरान उन्होंने बीड जिले के पाटोदा में आधी रात करीब 2 बजे सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अत्यधिक शारीरिक थकान के कारण उनके लिए मुंबई की आगे की यात्रा जारी रखना मुश्किल हो सकता है और उन्होंने मार्च रोकने का संकेत दिया। जरांगे ने कहा कि 12 सितंबर से नसों के जरिए दिए जाने वाले तरल पदार्थ लेना बंद करने के बाद उनकी शारीरिक स्थिति कमजोर हुई है। उन्होंने दावा किया कि अब उनके लिए हाथ-पैर हिलाना भी मुश्किल हो रहा है। उन्होंने समर्थकों से कहा कि वे उनके पीछे वाहनों का बड़ा काफिला लेकर न चलें। यदि ऐसा जारी रहा तो वह यात्रा रोककर पाटोदा में ही धरना शुरू कर सकते हैं या अंतरवाली सराटी लौट सकते हैं। आधी रात तक सभा में डटे रहे समर्थक जरांगे के पाटोदा पहुंचने के बाद बड़ी संख्या में समर्थक सभा स्थल पर मौजूद रहे। रिपोर्टों के मुताबिक, रात करीब डेढ़ बजे सभा शुरू हुई और बड़ी संख्या में लोग उन्हें सुनने के लिए देर रात तक वहां मौजूद रहे। जरांगे ने कहा कि लगातार यात्रा और बड़ी भीड़ के बीच आगे बढ़ना उनके स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। 58 लाख पुराने रिकॉर्ड मिलने का दावा सभा के दौरान जरांगे ने आंदोलन से जुड़े दस्तावेजों और पुराने अभिलेखों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि 58 लाख पुराने रिकॉर्ड मिल चुके हैं और इन दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए पेन ड्राइव में रखा गया है। उन्होंने कहा कि अब उनका मुख्य प्रयास सरकारी राजपत्र से जुड़ी प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। फडणवीस पर लगाए गंभीर आरोप जरांगे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी गंभीर आरोप लगाए और दावा किया कि उनके खिलाफ साजिश की जा रही है। ये आरोप जरांगे के बयान पर आधारित हैं और इनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने आरक्षण की मांग को लेकर अपना आंदोलन जारी रखने की बात कही। मुंबई जाने को लेकर बनी अनिश्चितता जरांगे पहले अंतरवाली सराटी से मुंबई तक मार्च कर आजाद मैदान में आंदोलन जारी रखने की योजना बना चुके थे। हालांकि, मुंबई पुलिस ने आजाद मैदान में उनके प्रस्तावित आंदोलन को अनुमति नहीं दी है। अब उनकी बिगड़ती तबीयत के कारण मुंबई मार्च को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है। हालांकि बाद की रिपोर्टों में यह भी सामने आया है कि चिकित्सकीय जांच के बाद उन्हें उपचार और विश्राम की सलाह दी गई तथा पाटोदा में चिकित्सा दल उनकी निगरानी कर रहा है।

शिवसेना नगरसेविका पर मारपीट और चेन-मोबाइल छीनने का आरोप; मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नालासोपारा। पालघर जिले के नालासोपारा में फेसबुक पर की गई एक कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद का मामला सामने आया है। वसई-विरार शहर महानगरपालिका के वार्ड नंबर 18 की शिवसेना नगरसेविका हेमलता सिंह पर धर्मेंद्र विश्वकर्मा नामक व्यक्ति के साथ मारपीट कराने का आरोप लगा है। पुलिस ने नगरसेविका के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। धर्मेंद्र विश्वकर्मा के अनुसार, उसने हेमलता सिंह की फेसबुक पोस्ट पर टिप्पणी की थी। इसी टिप्पणी को लेकर विवाद बढ़ा। शिकायत के मुताबिक, अर्जुन दुबे नामक व्यक्ति ने धर्मेंद्र को एक होटल में मिलने के लिए बुलाया था। वहां पहुंचने के बाद हेमलता सिंह और उनके सहयोगी अमरीश ने कथित तौर पर उसके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की। प्राथमिकी में बांस की लाठियों से पीटने और थप्पड़ मारने का भी आरोप लगाया गया है। सोने की चेन और मोबाइल छीनने का आरोप धर्मेंद्र ने शिकायत में आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसकी सोने की चेन भी छीन ली गई। इसके अलावा करीब 20 हजार रुपये कीमत का स्मार्टफोन चोरी होने का आरोप लगाया गया है। पुलिस इन आरोपों की भी जांच कर रही है। फिलहाल प्राथमिकी में लगाए गए आरोप जांच का विषय हैं और उनकी पुष्टि होना बाकी है। दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर क्रॉस एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने धर्मेंद्र विश्वकर्मा और नगरसेविका के सहयोगी मनीष सिंह को गिरफ्तार किया है। वहीं, नगरसेविका हेमलता सिंह और अन्य प्रमुख संदिग्ध फिलहाल फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस की टीमें उनकी तलाश कर रही हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि फेसबुक टिप्पणी के बाद विवाद कैसे शुरू हुआ और होटल में वास्तव में क्या हुआ। मारपीट, सामान छीनने और दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोने-चांदी में तेजी

नई दिल्ली ।

भारत सहित दुनिया भर के बाजारों में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में उछाल आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित बढ़ोतरी की आशंकाओं के बाद भी भारतीय और वैश्विक बाजारों में सोने और चांदी में ये तेजी आई। आमतौर पर दरों में बढ़त से इन कीमती धातुओं पर दबाव पड़ता है, वहीं निवेशकों ने इस बीच जबरदस्त खरीदारी का रुख अपनाया। घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) पर सोना 1,291 रुपये और चांदी 3,667 रुपये तक ऊपर आयी, जिससे निवेशकों को थोड़ी राहत मिली।बाजार को उम्मीद है कि फेडरल रिजर्व अपनी आगामी नीतिगत घोषणा में ब्याज दरों में 25 बेसिस अंक की बढ़ोतरी करेगा। इस तरह के फैसले अक्सर डॉलर को मजबूत करते हैं और सोने-चांदी को कम आकर्षक बनाते हैं क्योंकि वे बिना ब्याज वाली संपत्तियां हैं। हालांकि, बुधवार की शुरुआत इसके विपरीत दोनों धातुओं में तेजी देखी गई। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में सोने के वायदा भाव की शुरुआत ही तेजी के साथ हुई।एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर अनुबंध 976 रुपये की तेजी के साथ 1,51,785 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सुबह यह अनुबंध 1,291 रुपये की जोरदार उछाल के साथ 1,52,100 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,50,809 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,52,100 रुपये का उच्च स्तर और 1,51,691 रुपये का निचला स्तर छुआ। गौरतलब है कि इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे।

दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव में भी उतनी ही तेजी देखने को मिली। एमसीएक्स पर दिसंबर डिलीवरी वाला चांदी का बेंचमार्क अनुबंध 3,082 रुपये की तेजी के साथ 2,35,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी बहुमूल्य धातुओं में चमक बरकरार रही। वैश्विक वायदा बाजार कॉमेक्स पर सोना 42.80 डॉलर की तेजी के साथ 4,375.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था, जबकि यह 4,333.50 डॉलर प्रति औंस पर खुला था।।

बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 फीसदी की तेजी

नई दिल्ली,।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 फीसदी चढ़ा। आरबीआई के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 फीसदी की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 15.24 फीसदी, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 5.89 फीसदी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 फीसदी, टाटा एल्क्सी का 4.28 फीसदी, टाटा पावर का 3.41 फीसदी, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 फीसदी, टाटा स्टील का 1.96 फीसदी और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 फीसदी चढ़ा। सूत्रों ने शनिवार को बताया था कि आरबीआई ने टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी के रूप में एनबीएफसी पंजीकरण वापस लेने के आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी के लिए शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की राह खुल गई है।

पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई उतार-चढ़ाव नहीं, यह है शहरों का हाल

नई दिल्ली।

जब से 2000 से ज्यादा के यूपीआई पेमेंट पर एमडीआर चार्जेस की घोषणा हुई है लोगों चार्जेस का डर सता रहा है। 15 अक्टूबर से 2000 रुपए से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर एमडीआर शुल्क लागू हो जाएगा। सरकार ने इसके लिए अभी वक्त दिया है। इसके बाद से अब लोगों के मन में सवाल उठा रहा है कि क्या पेट्रोल और डीजल के दाम में भी बदलाव हुआ है? बुधवार को पेट्रोल-डीजल के भाव में कोई उतार-चढ़ाव नहीं है। शहर में पेट्रोल-डीजल के दाम इस प्रकार हैं।

शहर	पेट्रोल की कीमत
दिल्ली	102.12 रुपए प्रति लीटर
मुंबई	111.31 रुपए प्रति लीटर
कोलकाता	113.51 रुपए प्रति लीटर
चेन्नई	107.78 रुपए प्रति लीटर
शहर	डीजल की कीमत
दिल्ली	95.20 रुपए प्रति लीटर
मुंबई	97.97 रुपए प्रति लीटर
कोलकाता	99.82 रुपए प्रति लीटर
चेन्नई	99.56 रुपए प्रति लीटर

भारत का वस्तु निर्यात सालाना अगस्त में 26.1 फीसदी बढ़कर 43.81 अरब डॉलर रहा

-यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन

नई दिल्ली,।

भारत का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.1 फीसदी बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया है। यह निर्यात में देश का अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन है। यह जानकारी सरकार की ओर से दी गई। इस दौरान देश के व्यापार घाटे में भी कमी देखने को मिली है, जो अगस्त में 26.86 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि एक साल पहले समान अवधि में 27.22 अरब डॉलर पर था। इस साल जुलाई में व्यापार घाटा 32 अरब डॉलर था। अगस्त में वस्तु आयात सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 72.67 अरब डॉलर पर रहा है, जो कि इस साल जुलाई में 76.22 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर अगस्त में निर्यात में भी कमी दर्ज की गई है, जो कि जुलाई में 44.24 अरब डॉलर पर था।

वाणिज्य मंत्रालय में सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि निर्यात में बढ़ोतरी इंजीनियरिंग के सामान, पेट्रोलियम उत्पादों, केमिकल और टेक्सटाइल की वजह से हुई और इनकी सबसे ज्यादा मांग अमेरिका, ईयू और ब्रिक्स देशों से थी। आंकड़ों के मुताबिक इस साल अगस्त में सोने का आयात गिरकर 2.3 अरब डॉलर रह गया, जो अगस्त 2025 के 5.4 अरब डॉलर के आंकड़े से आधे से भी कम था। आरबीआई के इस महीने की शुरुआत में जारी आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में भारत का चालू खाता घाटा 4.2 अरब डॉलर रहा।

पश्चिमी एशिया संकट के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल, एलपीजी और फर्टिलाइजर की कीमतें बढ़ने के बावजूद यह जीडीपी का 0.5 फीसदी बना रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में सीएडी का अनुमान जीडीपी का 0.4 फीसदी था।

रिपोर्ट के मुताबिक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट (बैंक) या एफसीएनआर (बी) डिपॉजिट स्कीम की वजह से डॉलर के इनफ्लो में जबरदस्त बढ़ोतरी के बाद, भारत दुनिया में विदेशी मुद्रा भंडार रखने वाला चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। डेटा से पता चलता है कि 4 सितंबर को खत्म हुए हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 44.9 अरब डॉलर बढ़कर रिकॉर्ड 785.7 अरब डॉलर हो गया, जिससे भारत ने रूस को चौथे स्थान से हटा दिया और अब वह चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथे स्थान पर है।

घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें स्थिर, तेल कंपनियों ने नहीं किया बदलाव

नई दिल्ली।

आज यानी बुधवार को घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें पूरी तरह स्थिर हैं। सरकारी तेल कंपनियों ने इनमें कोई बदलाव नहीं किया है। वहीं, कमर्शियल सिलेंडर के रेट इस महीने की पहली तारीख को बदले गए थे। तब कीमतों में मामूली 9.50 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू सिलेंडर के रेट आखिरी बार 7 जून 2026 को बदले थे। उस दौरान कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, तब से लेकर अब तक कीमतें पूरी तरह से स्थिर हैं।रिपोर्ट के मुाबिक 7 मार्च 2026- भू-राजनीतिक तनाव और अंतर्राष्ट्रीय क्रूड ऑयल मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव के कारण कीमतों में 60 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। 7 जून 2026 को कीमतों में 29 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी, जिससे दिल्ली में रेट बढ़कर 913 से 942 रुपए हो गए थे। यमन के ईरान-समर्थक हूथी विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के बुनियादी ढांचे और तेल रिफाइनरियों पर किए गए ताजा हमलों के बाद वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर बढ़ गई है। इन हमलों से सप्लाई में रुकावट आने की आशंका गहरा गई है, जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गई और अमेरिकी तेल डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 105 डॉलर के स्तर को पार कर गया। आज भी क्रूड ऑयल अपने ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहा है। वैश्विक मानक माना जाने वाला ब्रेंट क्रूड 107.82 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं, अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट की कीमत 104.86 डॉलर प्रति बैरल है।

ऑनर मैजिक 9 सीरीज को खास कैमरा फीचर्स के साथ करेगी पेश

नई दिल्ली ।

स्मार्टफोन निर्माता ऑनर कंपनी अपनी आगामी मैजिक 9 सीरीज को बेहद खास कैमरा फीचर्स के साथ पेश करने की तैयारी कर रही है। इस सीरीज में 55 मेगापिक्सेल का चौकोर आकार वाला 'एजाइल आई' फ्रंट कैमरा दिया जाएगा। ऑनर का दावा है कि यह चौकोर फ्रंट कैमरे वाला पहला एंड्रॉयड फोन होगा। 'एजाइल आई' कैमरे को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह फोन को वर्टिकल या हॉरिजॉन्टल दिशा में इस्तेमाल करने के दौरान अधिक लचीलापन दे सके। इससे सेल्फी, ग्रुप फोटो और वीडियो शूट करते समय व्यापक दृश्य क्षेत्र मिलने की उम्मीद है। हालांकि, यह कैमरा मैजिक 9 सीरीज के सभी मॉडलों में नहीं मिलेगा। कंपनी के अनुसार, चौकोर फ्रंट कैमरा मैजिक 9 प्रो मैक्स और मानक मैजिक 9 मॉडल में दिया जाएगा। कैमरा सिस्टम की बात करें तो मैजिक 9 सीरीज में पीछे की तरफ ट्रिपल कैमरा सेटअप मिलने की जानकारी सामने आई है। इसमें दो 200 मेगापिक्सेल के एआरआरआई कैमरा सेंसर शामिल होंगे। इसके अलावा ऑनर 500 मिलीमीटर का टेलीकन्वर्टर भी पेश करेगा, जो दूर की वस्तुओं की तस्वीरें लेने के लिए उपयोगी हो सकता है। केवल बड़े मेगापिक्सेल वाले कैमरों के बजाय एक संपूर्ण कैमरा सिस्टम के तौर पर विकसित किया गया है। कैमरा फीचर्स के लिहाज से यह सीरीज प्रीमियम स्मार्टफोन बाजार में काफी चर्चा बटोर सकती है। कंपनी वीडियो रिकॉर्डिंग को भी खास बनाने की तैयारी में है और फोन में नया एआरआरआई सिनेमा मोड मिलने की उम्मीद है। मैजिक 9 प्रो मैक्स के रियर कैमरा मॉड्यूल को 'गाइड्स आई' नाम का नया डिजाइन दिया गया है। ऑनर के मुताबिक, इसका डिजाइन एआरआरआई के एरिफ्लेक्स 35 कैमरे से प्रेरित है। कंपनी के मुताबिक, कैमरे के चौकोर डिजाइन से सेंसर को अधिक जगह मिलती है, जिससे तस्वीरों और वीडियो में बेहतर फ्रेमिंग की सुविधा मिल सकती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 332, निफ्टी 99 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के अंत में 30 शेयरों वाला बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 332.63 अंक टूटकर 74,336.45 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 99.00 अंक की तेजी के साथ ही 23,217.60 पर बंद हुआ। आज बीएसई के कुल 4561 शेयरों में तेजी रही जबकि 2344 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं 227 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी में जिन शेयरों में सबसे ज्यादा बढ़त आई है उनमें एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, आईटीसी, एक्सिस बैंक और एसबीआई शामिल थे। इसके विपरीत, टीसीएस, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और बजाज फिनसर्व जैसे प्रमुख शेयरों में गिरावट रही। आज आईटी और फार्मा को छोड़कर लगभग सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए। विशेष रूप से, एफएमसीजी और पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1 फीसदी से अधिक की मजबूत बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स बिना किसी बड़े बदलाव के बंद हुआ, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स में हल्की गिरावट दर्ज की गयी।बाजार में इस तेजी के पीछे कई कारण जिम्मेदार रहे। प्रमुख कारणों में से एक वैल्यू बाइंग थी, जो लगातार दो कारोबारी सत्रों में गिरावट के बाद निचले स्तरों पर देखी गई। वहीं विश्लेषकों का मानना है कि निफ्टी 50 और सेंसेक्स दोनों ही ओवरसोल्ड क्षेत्र में थे, जिसने मौजूदा स्तरों से तकनीकी उछाल (टेक्निकल बाउंस) की संभावना को जन्म दिया। आज बाजार को आगे बढ़ाने में एफएमसीजी, ऑटो और फाइनेंशियल शेयरों में हुई खरीदारी का सबसे अधिक योगदान रहा। विशेष रूप से, निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में पिछले पांच सत्रों की गिरावट के बाद बढ़त दर्ज की गई। टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी जैसी प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में लगभग 2फीसदी की तेजी आई, जिससे वे निफ्टी 50 के शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में शामिल रहे।जानकारों के अनुसार, संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कमजोर मूल्य संरचना के कारण बाजार के सेंटिमेंट पर दबाव बना हुआ है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। सुबह सेंसेक्स 373.05 अंक करीब 0.51 फीसदी बढ़कर 74,377.87 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी भी 123.60 अंक ऊपर आकर 23,242.20 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। निफ्टी50 इंडेक्स में नेस्ले इंडिया, आईटीसी और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसे बड़े शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जिससे बुधवार को एशिया-प्रशांत क्षेत्र के शेयर बाजारों में भी मिश्रित कारोबार रहा। जापान का निक्केई 225 सूचकांक नीचे कारोबार कर रहा था, जो वैश्विक अनिश्चितता को दर्शाता है, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी बढ़त के साथ खुला। इससे पहले, मंगलवार को अमेरिकी शेयर बाजारों में भी कमजोरी का रुख रहा। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज नीचे आया। वहीं एसएंडपी 500 में भी गिरावट रही, और नैस्डैक कंपोजिट भी गिरा। अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड में तेजी जारी है, मंगलवार को 10 वर्षीय अमेरिकी ट्रेजरी नोट की यील्ड बढ़कर 5.04 फीसदी पर पहुंच गई थी, जो लगभग दो दशकों में इसका सबसे ऊंचा स्तर है। बॉन्ड यील्ड में यह बढ़ोतरी बाजार में बढ़ती ब्याज दरों की चिंताओं को उजागर करती है, जिसका इक्विटी बाजारों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

आरबीआई ने डॉलर-रुपया की अदला-बदली सुविधा से 136.37 अरब डॉलर जुटाए

अब टिकाऊ और बिना कर्ज वाली विदेशी पूंजी पर जोर जरूरी

नई दिल्ली,।

भारतीय रिजर्व बैंक ने कहा है कि उसने अपनी विशेष डॉलर-रुपया विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत 136.37 अरब डॉलर रकम जुटाई है। इसमें विदेशी मुद्रा अनिवासी या एफसीएनआर (बी) जमा की हिस्सेदारी 127.23 अरब डॉलर रही है। यह कुल रकम का 93 फीसदी है। आरबीआई को उम्मीद से कहीं ज्यादा रकम मिली और यही वजह रही कि उसने एफसीएनआर (बी) स्वैप सुविधा एक महीने पहले ही बंद कर दी थी। विदेशी मुद्रा का इतना बड़ा प्रवाह भुगतान संतुलन और रुपया दोनों को बहुत जरूरी मदद देता है।

रिपोर्ट के मुताबिक यह पहली बार नहीं है जब ऐसी कोई योजना शुरू की गई है। 2013 में 'टेपर टैंट्रम' के बाद भी ऐसी ही एक योजना शुरू की गई थी। हालांकि, 2013 के उलट इस बार यह योजना ऐसे समय में शुरू की गई है जब बाजार को इस साल भुगतान संतुलन सुनिश्चित करने के लिए रकम की जरूरत महसूस हो सकती है। हालांकि, 2013 के विपरीत चालू खाते का घाटा मामूली स्तर पर बना हुआ है। यह वर्ष 2023-24 में जीडीपी का 0.7 फीसदी और वर्ष 2024-25 में 0.6 फीसदी पर रहा।

कैलेंडर वर्ष 2025 में करीब 19 अरब डॉलर का विदेशी पोर्टफोलियो निवेश देश से बाहर निकल गया था और वर्ष 2026 में अब तक करीब 25 अरब डॉलर रकम भारतीय बाजार से बाहर हो चुकी है। अकेले मार्च 2026 में 13 अरब डॉलर रकम की निकासी हुई।

इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री ने पकड़ी जबरदस्त रफ्तार

नई दिल्ली ।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी से जून) में इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री ने जबरदस्त रफ्तार पकड़ी है। इस दौरान 1.48 लाख से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की डिलीवरी हुई, जबकि हाइब्रिड कारों की बिक्री लगभग 57,855 यूनिट रही, जो इलेक्ट्रिक वाहनों की ढाई गुना अधिक बिक्री को दर्शाती है। शीर्ष 20 इलेक्ट्रिक मॉडलों की कुल बिक्री 1,39,024 यूनिट रही, जो पिछले साल की समान अवधि (83,229 यूनिट) की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। बिक्री के आंकड़ों में एमजी विंडसर 19,080 यूनिट के साथ सबसे आगे रही, हालांकि इसकी बिक्री पिछले साल से थोड़ी कम हुई। दूसरे स्थान पर महिंद्रा एक्सईवी 9एस ने 18,074 यूनिट के साथ जगह बनाई, जिसके बाद टाटा नेक्सन ईवी ने 16,567 यूनिट के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, जो पिछले साल की तुलना में इसकी बिक्री में खासे सुधार को दर्शाता है। टाटा पंच ईवी (15,683 यूनिट) और महिंद्रा एक्सईवी 9ई (11,242 यूनिट) ने भी मजबूत प्रदर्शन किया।

भारत का व्यापार घाटा अगस्त में 26.86 अरब डॉलर के निचले स्तर पर पहुंचा

यह गिरावट मुख्य रूप से माल निर्यात में हुई मजबूत वृद्धि के कारण आई

-नई दिल्ली।

भारत का व्यापार घाटा अगस्त में पिछले साल इस माह में दर्ज 27.22 अरब डॉलर और जुलाई में दर्ज 32 अरब डॉलर की तुलना में कम होकर पांच माह के निचले स्तर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया है। यह गिरावट मुख्य रूप से माल निर्यात में हुई मजबूत वृद्धि के कारण आई, जिसने माल आयात में हुई बढ़ोतरी को पीछे छोड़ दिया है। अगस्त में निर्यात सालाना आधार पर 26 फीसदी बढ़कर 43.81 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 14 फीसदी बढ़कर 70.67 अरब डॉलर पर पहुंच गया। निर्यात में वृद्धि की गति जून 2022 के बाद से सबसे तेज रही।

वाणिज्य विभाग ने अगस्त में सेवा निर्यात का अनुमान 38.87 अरब डॉलर लगाया है, जो पिछले अगस्त की तुलना में करीब 25 फीसदी ज्यादा है, जबकि सेवा आयात 37 फीसदी बढ़कर 21.42 अरब डॉलर होने का अनुमान है। इससे 17.45 अरब डॉलर का सेवा व्यापार अधिशेष रहने का अनुमान है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस महीने के अंत में सेवा व्यापार पर अंतिम डेटा जारी करने की उम्मीद है। आंकड़ों की जानकारी देते हुए वाणिज्य सचिव ने बताया कि यह असाधारण वृद्धि विभिन्न प्रकार की वस्तुओं और प्रमुख भागीदार देशों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि हमने इंजीनियरिंग वस्तुओं, पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों और वस्त्रों में अच्छा प्रदर्शन देखा है। साथ ही, अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू), ब्रिक्स राष्ट्रों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं से बड़ी मांग आई है।' इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात सालाना आधार पर करीब 24 फीसदी बढ़कर 12.32 अरब डॉलर हो गया, जबकि इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात अगस्त में पिछले साल के 2.93 अरब डॉलर से करीब दोगुना होकर 5.55 अरब डॉलर हो गया।रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में 63 फीसदी की वृद्धि हुई और यह 6.81 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

कच्चे तेल की कीमतों में नरमी

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई। कच्चा तेल (ब्रेंट क्रूड) का नवंबर वायदा करीब 0.43 फीसदी नीचे आकर 108.28 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड का अक्टूबर वायदा लगभग 0.84 फीसदी की गिरावट के साथ 104.94 डॉलर प्रति बैरल पर है। कच्चे तेल में आज की इस गिरावट का मुख्य कारण अमेरिका से जारी भंडार के आंकड़े हैं।

अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट (एपीआई) के आंकड़ों के मुताबिक, 11 सितंबर को समाप्त हुए सप्ताह में अमेरिका का कच्चे तेल का भंडार अप्रत्याशित रूप से 71.4 लाख बैरल बढ़ गया। बाजार विश्लेषकों को इसके विपरीत लगभग 18 लाख बैरल की कमी की उम्मीद थी। भंडार में उम्मीद से कहीं अधिक बढ़ोतरी आमतौर पर मांग में कमजोरी का स्पष्ट संकेत मानी जाती है और इसका सीधा असर तेल की कीमतों पर दबाव के रूप में देखने को मिलता है।सिर्फ कच्चे तेल का ही नहीं, बल्कि पेट्रोल और डीजल जैसे तैयार ईंधन के भंडार में भी वृद्धि दर्ज की गई है, जिसने अमेरिकी बाजार में तेल की मांग को लेकर चिंताएं और बढ़ा दी हैं। यही वजह है कि पश्चिम एशिया से सप्लाई को लेकर जारी भू-राजनीतिक खतरों और तनाव के बावजूद आज कच्चे तेल में बिकवाली का माहौल हावी है।हालांकि, इस गिरावट से ठीक पहले मंगलवार को कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया था। ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों ही 3 डॉलर प्रति बैरल से ज्यादा चढ़े थे और मई के बाद अपने उच्चतम स्तर पर बंद हुए थे। मौजूदा समय में कच्चे तेल के बाजार में दो बातें एक साथ काम कर रही हैं।

गौतम अडानी दुनिया के अमीर लोगों की सूची में खिसककर 20वें स्थान पर पहुंचे

संपत्ति 42000 करोड़ रुपए से ज्यादा कम हुई, अंबानी को भी लगा तगड़ा झटका

नई दिल्ली,।

दुनिया के अरबपतियों में भारत के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी का रुतबा कम हो गया है। अडानी संपत्ति एक झटके में ही 42000 करोड़ रुपए से ज्यादा कम हो गई और ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स में खिसककर 20वें स्थान पर आ गए। दूसरी ओर मुकेश अंबानी को भी 17000 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा हुआ। अडानी की संपत्ति में गिरावट की वजह अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट रही, जबकि अंबानी को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने चोट पहुंचाई है।बता दें दुनिया के अरबपतियों की दौलत में उछाल या गिरावट की सबसे बड़ी वजह उनके शेयर्स होते हैं। मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के नेटवर्थ का बड़ा हिस्सा उनकी कंपनियों के शेयरों का है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक अडानी को मंगलावार को 4.44 अरब डॉलर यानी 42000 करोड़ रुपए से ज्यादा का झटका लगा। अब उनका नेटवर्थ 105 अरब डॉलर रह गया है। वहीं अंबानी को 1.78 अरब डॉलर यानी करीब 17000 करोड़ रुपए की चोट पहुंची है। उनका नेटवर्थ 81.3 अरब डॉलर रह गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर मंगलवार को 1.47 फीसदी टूटकर 1239 रुपए पर बंद हुए।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को तेज गिरावट के बीच अडानी ग्रुप के शेयरों पर भी दबाव देखने को मिला। एनएसई के मंगलवार के कारोबार के आंकड़ों के मुताबिक अडानी ग्रुप के प्रमुख शेयरों में अडानी एंटरप्राइजेज 4.29फीसदी गिरकर 2,928.60, जबकि अडानी पावर 3.80फीसदी टूटकर 202 पर बंद हुआ। वहीं अडानी पोर्ट्स एंड सेज करीब 2.88फीसदी गिरकर 1,713.80 पर बंद हुआ। अडानी ग्रीन एनर्जी 2.05फीसदी की गिरावट के साथ 1,255 पर आ गया। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस में भी 1.86फीसदी की कमजोरी रही और शेयर करीब 1,347.50 पर बंद हुआ। वहीं अडानी टोटल गैस करीब 2.46फीसदी गिरकर 580.15 और अंबुजा सीमेंट्स 2.58फीसदी टूटकर 381.75 रुपए पर रहा।

अडानी शेयरों में यह कमजोरी व्यापक बाजार की गिरावट के बीच आई। मंगलवार को निफ्टी 1.19फीसदी गिरकर 23,118.60 और सेंसेक्स 1.04फीसदी टूटकर 74,003.82 पर बंद हुआ। ऊंचे कच्चे तेल के दाम और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी ने मार्केट सेंटिमेंट्स पर दबाव बनाया।

आरबीआई ने टाटा संस की लिस्टिंग से पहले बंबई हाईकोर्ट में की कैविएट दाखिल

नई दिल्ली,।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बंबई हाईकोर्ट में कैविएट दाखिल की है। यह कदम टाटा संस को अनिवार्य रूप से स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध करने संबंधी आरबीआई के हालिया निर्देश को चुनौती देने वाली संभावित याचिका के मद्देनजर उठाया है। एक सूत्र के मुताबिक आरबीआई की इस कानूनी पहल ने टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के लिए आरबीआई की सूचीबद्धता संबंधी निर्देश को कोर्ट में चुनौती देने की गुंजाइश सीमित कर दी है। सूत्र ने बताया कि आरबीआई द्वारा कैविएट दायर किए जाने की सूचना टाटा संस को भी दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक 11 सितंबर, 2026 को जारी एक पत्र में आरबीआई ने मार्च 2024 में टाटा संस की ओर से खुद को मुख्य निवेश कंपनी के रूप में पंजीकरण खत्म करने के अनुरोध वाले आवेदन को खारिज कर दिया है। इससे कंपनी को जल्द स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराना जरूरी हो गया है। आरबीआई की ओर से पहले सूचीबद्धता का निर्देश देना और उसके तुरंत बाद कैविएट दायर करना इस बात का संकेत है कि टाटा संस की सूचीबद्धता अब टलने वाली नहीं है, भले ही टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा इसका विरोध कर रहे हों। टाटा ट्रस्ट्स की टाटा संस में 66 फीसदी हिस्सेदारी है। इसने पिछले साल एक प्रस्ताव पारित कर सूचीबद्धता का विरोध किया था और यह चाहता था कि टाटा संस भी इस रुख का समर्थन करे।

रिपोर्ट के मुताबिक टाटा संस 2024 में कर्ज मुक्त कंपनी बन गई थी और सीआईसी के रूप में अपना पंजीकरण खत्म कराने के लिए आवेदन किया था ताकि कंपनी निजी बनी रह सके। हालांकि अब माना जा रहा है कि संगठन के भीतर जारी उथल-पुथल के बीच टाटा संस सूचीबद्धता के पक्ष में है। यह उथल-पुथल करीब दो साल पहले रतन टाटा के निधन के बाद शुरू हुई थी। पिछले शनिवार को आरबीआई से सूचीबद्धता का आदेश मिलने के बाद से ही इस निर्देश को लेकर कानूनी चुनौती की अटकलें लगाई जा रही थीं। माना जा रहा है कि यह कैविएट शनिवार को ही दाखिल कर दी गई थी।

एक सूत्र के मुताबिक टाटा ट्रस्ट्स के लिए अदालत का रुख करना मुश्किल हो सकता है क्योंकि ट्रस्ट के न्यासियों के बीच सूचीबद्धता के मुद्दे पर मतभेद हैं। कानूनी रूप से कैविएट एक ऐसी सूचना या आवेदन है, जिसे कोई व्यक्ति या संस्था संभावित कानूनी चुनौती की आशंका में अदालत में दाखिल करती है।

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भंलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नहीं है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अद्भुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवतः आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्केलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नहीं जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर: पीएचएफ

नई दिल्ली । पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) के प्रमुख मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि अगले महीने होने वाली हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर है। मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होनी है। इसमें भारत, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया के साथ ही पाकिस्तान को भी हिस्सा लेना है। पाकिस्तान के नहीं आने की स्थिति में ओमान या बांग्लादेश को मौका दिया जा सकता है। दोनों टीमों को फिलहाल रिजर्व टीम के रूप में रखा गया है। पाकिस्तान के दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र 'डॉन' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वानी ने कहा, 'पाकिस्तान टीम का दौरा सरकारी मंजूरी पर निर्भर करेगा। सरकार हमसे जो भी करने को कहेगी, हम वही करेंगे। '

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने टूर्नामेंट के लिए भारत आएगा। मल्टी-नेशनल टूर्नामेंट में कोई दिक्कत नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज नहीं हो सकती।

उन्होंने केंद्र सरकार की नीति का जिक्र करते हुए बताया कि भारत और पाकिस्तान मल्टीनेशनल इवेंट्स में हिस्सा ले सकते हैं।

ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना मेरे लिए बड़ा पल, जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा था: टिलेमैन्स

नई दिल्ली । मैनचेस्टर यूनाइटेड फुटबॉल क्लब के नए मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स का कहना है कि ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलना फुटबॉल के सबसे खास अनुभवों में से एक है। उन्होंने याद किया कि जब वह एस्टन विला के लिए खेलते थे और पहली बार विरोधी खिलाड़ी के रूप में इस प्रतिष्ठित स्टेडियम में उतरे थे, तो वहां का माहौल देखकर काफी प्रभावित हुए थे। जुलाई में, मिडफील्डर ने जून 2031 तक मैनचेस्टर यूनाइटेड के साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया। पिछले सीजन में उन्होंने एस्टन विला के लिए सात असिस्ट किए और अपने क्लब को यूईएफए यूरोपा लीग जीतने में मदद की, जिसमें उन्होंने एससी फ्रीबर्ग के खिलाफ फाइनल में पहला गोल किया। उन्होंने जियोहॉटस्टार को बताया, 'मैनचेस्टर यूनाइटेड एक बहुत बड़ा क्लब है। ओल्ड ट्रैफर्ड में पहली बार विरोधी टीम के तौर पर खेलना मेरे लिए एक बड़ा पल था। मैंने अपनी जिंदगी में इतना बड़ा स्टेडियम कभी नहीं देखा था। माहौल, भीड़, इसके बारे में सब कुछ कमाल का था। यह ऐसी जगह है जहां हर फुटबॉलर खेलने का सपना देखता है। '

बेल्जियम के स्टार मिडफील्डर यूरी टिलेमैन्स अब मैनचेस्टर यूनाइटेड के खिलाड़ी के रूप में ओल्ड ट्रैफर्ड के माहौल का अनुभव करने के लिए उत्साहित हैं। यूनाइटेड 2026-27 प्रीमियर लीग सीजन में मिश्रित शुरुआत के बाद लय हासिल करने की कोशिश कर रहा है। टीम ने लीग के अपने पहले चार मैचों में चार अंक जुटाए हैं। यूनाइटेड को हल सिटी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, इसके बाद टीम ने इप्सविच टाउन को 5-2 से हराया। वहीं, एवर्टन के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ रहा, जबकि मैनचेस्टर डर्बी में उसे मैनचेस्टर सिटी से 0-1 की हार मिली।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व बार्सिलोना स्टार फिलिप कूटिन्हो दिसंबर तक सैंटोस एफसी से जुड़े

सैंटोस । ब्राजीलियाई क्लब सैंटोस एफसी ने लिवरपूल और बार्सिलोना के पूर्व प्लेमेकर फिलिप कूटिन्हो को 'फ्री ट्रांसफर' पर साइन किया है। क्लब ने मंगलवार को यह घोषणा की। 34 वर्षीय खिलाड़ी का यह कॉन्ट्रैक्ट दिसंबर तक के लिए है। सैंटोस ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, 'अपनी बेहतरीन तकनीकी गुणवत्ता और दृष्टिकोण के साथ-साथ यूरोप और ब्राजीलियाई राष्ट्रीय टीम के साथ शानदार करियर वाला यह मिडफील्डर 2026 के अंत तक के कॉन्ट्रैक्ट के साथ टीम में शामिल हो रहे हैं।' फरवरी में मानसिक थकान का हवाला देते हुए 'वास्को दा गामा' से अलग होने के बाद कूटिन्हो किसी क्लब के साथ नहीं थे। कूटिन्हो के मुताबिक, उन्हें क्लब में लाने में उनके पुराने दोस्त नेमार ने अहम भूमिका निभाई है। दोनों ब्राजील के लिए यूथ और सीनियर दोनों स्तरों पर एक साथ खेल चुके हैं, जिसमें फीफा वर्ल्ड कप 2018 भी शामिल है।

भारत में फॉर्मूला वन की वापसी की तैयारी, सरकार ने टास्क फोर्स का किया गठन

नई दिल्ली । भारत में फॉर्मूला वन और मोटर स्पोर्ट्स को फिर से जीवित करने और उसके विकास के लिए केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य भारत में मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का व्यापक मूल्यांकन करना है। साथ ही, टैक्स से जुड़े मुद्दों सहित उन सभी चुनौतियों की समीक्षा करना है, जो भारत में मोटर स्पोर्ट्स के रिवाइवल और विकास को प्रभावित कर रही हैं। टास्क फोर्स के लिए काम के दायरे यानी टर्म्स ऑफ रेफरेंस भी तय किए गए हैं। पहला, भारत में मोटरस्पोर्ट्स के सतत विकास के लिए नीतिगत हस्तक्षेपों की पहचान करना और एक समग्र और समन्वित रोडमैप तैयार करना है। दूसरा, भारत के मोटरस्पोर्ट्स इकोसिस्टम का विस्तृत मूल्यांकन करना और मोटरस्पोर्ट इवेंट्स के रिवाइवल और विकास से जुड़ी चुनौतियों की समीक्षा करना, जिसमें टैक्सेशन भी शामिल है।

यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के वेन्यू किए तय

म्यूनिख और कैंप नोउ को मिली मेजबानी

न्योन । यूईएफए ने 2028 और 2029 चैंपियंस लीग फाइनल के आयोजन स्थलों की पुष्टि कर दी है। म्यूनिख फुटबॉल एरिना और बार्सिलोना का कैंप नोउ प्रतिष्ठित यूरोपीय क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल की मेजबानी करेंगे। 2028 का खिताबी मैच म्यूनिख फुटबॉल एरिना में खेला जाएगा, जबकि 2029 संस्करण बार्सिलोना के कैंप नोउ में होगा। म्यूनिख के स्टेडियम को प्रमुख चैंपियंस लीग आयोजनों की मेजबानी करने का काफी अनुभव है। इसने साल 2012 में और फिर 2025 में फाइनल का आयोजन किया, जबकि 2028 संस्करण इस आयोजन स्थल को यूरोप के शीर्ष क्लबों का स्वागत करने का एक और मौका देगा। बार्सिलोना के लिए 2029 का फाइनल चैंपियंस लीग के प्रतिष्ठित मुकाबले की कैंप नोउ में तीन दशक बाद वापसी का प्रतीक होगा।

संजू-अभिषेक के बीच 88 रन की तूफानी साझेदारी

जीता भारत

सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया दूसरा टी20 मैच 7 विकेट से अपने नाम किया। इसी के साथ टीम इंडिया ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। अंतिम मुकाबला 17 सितंबर को इसी मैदान पर खेला जाना है। टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगान टीम ने खराब शुरुआत के बावजूद 8 विकेट खोकर 159 रन बनाए। इस टीम को 1.3 ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (0) के रूप में शुरुआती झटका लगा। उस समय तक खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद कप्तान इब्राहिम जादरान ने सेदिकुल्लाह अटल के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन जुटाकर अफगानिस्तान को संभालने की कोशिश की, लेकिन जादरान (37) के आउट होने के बाद टीम लड़खड़ा गई। आलम ये रहा कि 100 के स्कोर तक 6 खिलाड़ी पवेलियन लौट गए।

यहां से मोहम्मद नबी (20) और राशिद खान (28) की अनुभवी जोड़ी ने मोर्चा संभाला। इन बल्लेबाजों ने सातवें विकेट के लिए 28 गेंदों में 48 रन की साझेदारी करते हुए टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

भारत के लिए नितीश रेड्डी ने 3 विकेट हासिल किए, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया, जबकि अर्शदीप सिंह ने 2 विकेट निकाले। इनके अलावा, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई को 1-1 विकेट हाथ लगा।

इसके जवाब में, टीम इंडिया ने 14.5 ओवरों में मुकाबला अपने नाम कर लिया। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की सलामी जोड़ी ने जोड़ी ने विस्फोटक शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों ने 38 गेंदों में 88 रन की साझेदारी की।

अभिषेक 19 गेंदों में 4 छक्कों और 2 चौकों के साथ 39 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद संजू ने ईशान किशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 4 गेंदों में 11 रन की साझेदारी की।

भारत को 99 के स्कोर पर संजू सैमसन के रूप में दूसरा झटका लगा, जो 22 गेंदों में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 4 छक्के और 7 चौके शामिल रहे।

यहां से ईशान ने कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ तीसरे विकेट के लिए 22 गेंदों में 24 रन जुटाए। अय्यर 11 गेंदों में इतने ही रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद ईशान ने तिलक वर्मा के साथ चौथे विकेट के लिए 25 गेंदों में 40 रन की अटूट साझेदारी करते हुए टीम को आसान जीत दिलाई।

दूसरा टी20

कैटी मैक का तूफान

भारतीय टीम को 30 रन से मात देकर ऑस्ट्रेलिया-ए की सीरीज में अजेय बढ़त

न्यू चंडीगढ़। ऑस्ट्रेलिया-ए ने भारत-ए के खिलाफ मंगलवार को न्यू चंडीगढ़ में खेले गए अनाधिकारिक टी20 सीरीज के दूसरे मुकाबले को 30 रन से अपने नाम किया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया-ए ने सीरीज का पहला मैच 6 विकेट से अपने नाम किया था। अब अंतिम मुकाबला 17 सितंबर को खेला जाएगा। मंगलवार को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। कैटी मैक और रेचल ट्रेनामन की जोड़ी ने मेजबान टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। दोनों खिलाड़ियों के बीच पहले विकेट के लिए 9 ओवरों में 75 रन की साझेदारी हुई।

रेचल 25 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 37 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद कैटी ने चार्ली नॉट के साथ दूसरे विकेट के लिए 38 रन जोड़े। चार्ली 20 गेंदों में 4 बाउंड्री के साथ 26 रन बनाकर आउट हुईं। यहां से अनिका लीरॉयड ने कैटी के साथ तीसरे विकेट के लिए 65 रन जुटाकर टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचा दिया।

कैटी 60 गेंदों में 83 रन बनाकर नाबाद रहीं। उनकी इस पारी में 11 चौके शामिल रहे, जबकि अनिका ने 16 गेंदों में 24 रन की नाबाद पारी खेली। भारत की तरफ से दोनों विकेट निकी प्रसाद के हाथ लगे।

इसके जवाब में भारतीय टीम निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 148 रन ही बना सकी। टीम को 9 के स्कोर पर दिनेश वृंदा (1) के रूप में शुरुआती झटका लगा, जिसके बाद शिप्रा गिरी ने सुजाता के साथ दूसरे विकेट के लिए 16 रन की साझेदारी की, लेकिन 29 के स्कोर तक सुजाता (8) के साथ शिप्रा (13) भी पवेलिन लौट गईं।

भारतीय टीम में विकेटों का पतझड़ लग गया था। आलम ये रहा कि 54 रन तक 5 विकेट गिर गए थे। इसके बाद निकी प्रसाद ने मिन्नु मणि (16) के साथ छठे विकेट के लिए 53 रन और तनुजा कंवर (16) के साथ सातवें विकेट के लिए 35 रन जोड़े, लेकिन ये साझेदारियां जीत के लिए नाकाफी थीं। निकी 31 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 54 रन बनाकर नाबाद रहीं।

एशियन गेम्स 2026 में इन 5 खेलों में भारत जीत सकता है सर्वाधिक पदक

एथलेटिक्स से सबसे ज्यादा उम्मीदें

नई दिल्ली । एशियन गेम्स 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। 19 सितंबर से जापान के आइची-नागोया में भारत के 503 खिलाड़ी मेडल के लिए जोर लगाते हुए नजर आएंगे। भारत इस बार कुल 35 खेलों में हिस्सा लेने वाला है। हालांकि, कुछ खेल ऐसे हैं, जिनमें देश को मेडल जीतने की पूरी संभावना है। आइए ऐसे ही पांच खेलों के बारे में आपको बताते हैं।

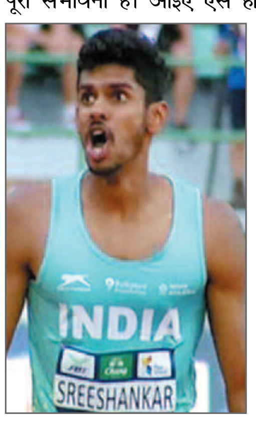

एथलेटिक्सः एशियन गेम्स के इतिहास में भारत ने सबसे ज्यादा मेडल एथलेटिक्स में हासिल किए हैं। इस खेल में भारत ने एशियन गेम्स के 19 संस्करण में अब तक कुल 85 गोल्ड, 102 सिल्वर और 96 ब्रॉन्ज समेत कुल 283 मेडल जीते हैं। नीरज चोपड़ा की गैरमौजूदगी के बावजूद, इस खेल में भारत को मुरली श्रीशंकर, गुलवीर सिंह, अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह, पारुल चौधरी, राजेश रमेश और रोहित यादव से मेडल की उम्मीद होगी। निशानेबाजीः एथलेटिक्स के बाद एशियन गेम्स के इतिहास में भारत को सबसे ज्यादा कामयाबी इसी खेल में मिली है। भारतीय खिलाड़ी हर बार की तरह इस बार भी निशानेबाजी में देश को ज्यादा से ज्यादा मेडल दिलाने का प्रयास करेंगे। निशानेबाजी में भारत ने अब तक कुल 80 मेडल जीते हैं, जिसमें 16 गोल्ड, 30 सिल्वर और 34 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। पिछले एशियन गेम्स में निशानेबाजी में भारत ने कुल 22 मेडल जीते थे। इस खेल में मनु भाकर को भारत की सबसे बड़ी उम्मीद माना जा रहा था।

पहला वनडे

रेनेशॉ का शतक, एलिस का पंजा, ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया

हरारे । ऑस्ट्रेलिया ने हरारे स्पोर्ट्स क्लब में मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच में जिम्बाब्वे को 59 रन से हराया। इसी के साथ मेहमान टीम ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-0 से लीड बना ली है। सीरीज के शेष मुकाबले 18 और 20 सितंबर को खेले जाने हैं। टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर

294 रन बनाए। इस टीम को 10 के स्कोर पर ट्रेविस हेड (4) के रूप में पहला झटका लग गया था, जिसके बाद कप्तान मिचेल मार्श ने कूपर कोनोली के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। मार्श 28 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 36 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद जोश इंगलिस मैदान पर उतरे, लेकिन टीम के खाते में 4 रन से ज्यादा नहीं जोड़ सके। हालांकि, कूपर (51 रन) अर्धशतक लगाने में सफल रहे।
टीम को 107 के स्कोर पर चौथा झटका लग गया था।

विमेंस टी20 रैंकिंग: 800 रेटिंग के साथ श्री चरणी ने

टी20 फॉर्मेट में इतिहास रचा

दीप्ति चार पायदान ऊपर चढ़ीं

नई दिल्ली। श्री चरणी ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वह मंगलवार को जारी आईसीसी टी20 रैंकिंग में 800-रेटिंग का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गईं। यह उपलब्धि एशिया कप 2026 के फाइनल में उनके शानदार प्रदर्शन के बाद मिली है। चरणी ने श्रीलंका के विरुद्ध खिताबी मुकाबले में सिर्फ 20 रन देकर 4 विकेट हासिल करते हुए पूरे टूर्नामेंट में कुल 12 विकेट चटकाए थे। अब चरणी की रेटिंग 804 है, जिससे शीर्ष पर उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। श्री चरणी यह आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज और कुल मिलाकर तीसरी गेंदबाज बन गई हैं। महिला टी20 में गेंदबाजों के लिए अब तक की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मेगन शट के नाम है, जिन्होंने शीर्ष पर रहते हुए 806 रेटिंग हासिल की थी। श्री चरणी ने एक कैलेंडर ईयर में किसी भारतीय द्वारा सर्वाधिक विकेट लेने का पूनम यादव का रिकॉर्ड तोड़ा था। वह टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में 800

रेटिंग हासिल करने वाली तीसरी गेंदबाज हैं; उनसे पहले पूर्व नंबर 1 सोफी एक्लेस्टोन 802 रेटिंग तक पहुंच चुकी थीं।

एक तरफ, चरणी शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर रही हैं, तो दूसरी ओर स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा उनकी जगह के लिए एक मजबूत दावेदार के तौर पर उभरी हैं। दीप्ति ने एशिया कप फाइनल में 19 रन देकर 3 विकेट लिए और 14 विकेट के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं। वह चार पायदान ऊपर चढ़कर 729 रेटिंग के साथ गेंदबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर पहुंच गई हैं। हालांकि, हमवतन खिलाड़ी चरणी से काफी पीछे हैं।

फाइनल में मैच जिताऊ 68 रन की पारी खेलने के बाद शेफाली वर्मा टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। इसके साथ ही, शेफाली टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑल-राउंडर्स की सूची में भी पांच स्थान ऊपर चढ़कर 15वें नंबर पर पहुंच गईं।

डेलनाज ईरानी ने सालों तक क्यों ठुकराए पारसी किरदार

अभिनेत्री डेलनाज ईरानी को दर्शक लंबे समय से उनके मजेदार और यादगार किरदारों के लिए जानते हैं। छोटे पर्दे से लेकर फिल्मों तक, उन्होंने कई ऐसे किरदार निभाए हैं जिनमें उनकी कॉमेडी और अभिनय का अलग अंदाज देखने को मिला। हालांकि, इस बार डेलनाज कुछ ऐसा लेकर आई हैं जो उनके लिए भी एक तरह की नई चुनौती है। नेटफ्लिक्स की हालिया सीरीज चुंबक में वह एक पारसी किरदार निभा रही हैं। लेकिन इस किरदार को स्वीकार करना उनके लिए इतना आसान नहीं था।

डेलनाज ने खुलासा किया है कि उन्होंने अपने करियर में लंबे समय तक पारसी किरदारों से दूरी बनाए रखी। इसकी वजह पारसी समुदाय को पर्दे पर दिखाने का वह तरीका था, जिसमें अक्सर उनके बोलने के अंदाज, कपड़ों और हाव-भाव को जरूरत से ज्यादा बढ़ा दिया जाता है। ऐसे में जब उन्हें 'चुंबक' का प्रस्ताव मिला तो उन्हें पहली बार लगा कि इस किरदार को बिना किसी बनावटीपन के निभाया जा सकता है। डेलनाज ने कहा, मैंने अपने करियर में कई चर्चित कॉमेडी किरदार निभाए हैं, लेकिन चुंबक का किरदार मेरे लिए काफी अलग है। मैंने लंबे समय तक पारसी किरदार निभाने से जानबूझकर इनकार किया था। अपने पूरे करियर में मैंने सिर्फ एक पारसी किरदार निभाया था। यह किरदार साल 2004-2005 में जेडी और आतिश के शो बटलीवाला हाउस नंबर 43 में निभाया था। इसके बाद इतने सालों तक मैंने दोबारा इस तरह का किरदार नहीं किया।

डेलनाज ने कहा, जब भी मनोरंजन जगत में पारसी को दिखाया जाता है तो कई बार उसे जरूरत से ज्यादा मजाकिया और बनावटी अंदाज में पेश किया जाता है। किरदारों को एक खास तरह से बोलते हुए दिखाया जाता है, उनके पहनावे और हावभाव को भी बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, जो हमेशा स्वाभाविक नहीं लगता। उन्होंने कहा, सीरीज चुंबक में तारापोरवाला परिवार को काफी सामान्य और सहज तरीके से दिखाया गया है। सीरीज में पांच अलग-अलग परिवारों की कहानी है और तारापोरवाला परिवार को ऐसे पारसी परिवार के रूप में दिखाया गया है, जैसे असल जिंदगी में पारसी बस्तियों में रहने वाले परिवार होते हैं। मुझे यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई। मैं लंबे समय तक किसी ऐसे किरदार का हिस्सा नहीं बनना चाहती थीं, जिसमें किसी कम्युनिटी को केवल हंसी-मजाक या एक खास छवि तक सीमित कर दिया जाए। मेरे लिए जरूरी था कि किरदार में इंसानी पहलू हो और दर्शक उससे जुड़ सकें। डेलनाज ने कहा, चुंबक का किरदार मेरे लिए खुद को एक अभिनेता के तौर पर चुनौती देने का मौका था। मैंने अपने ही अंदाज में खुद से कहा कि अब आगे बढ़कर यह किरदार करके देखना चाहिए और पता लगाना चाहिए कि क्या मैं एक सामान्य पारसी किरदार को सही तरीके से निभा सकती हूं। मेरे लिए यह अनुभव इसलिए भी अलग रहा क्योंकि मुझे अपने पुराने कॉमेडी किरदारों से हटकर एक ऐसी भूमिका में काम करने का मौका मिला, जिसमें हास्य के साथ किरदार की अपनी पहचान और परिवार का माहौल भी अहम है। बता दें कि चुंबक में डेलनाज गुलशन तारापोरवाला के किरदार में नजर आ रही हैं। गुलशन एक पारसी सास हैं, जिनका स्वभाव काफी हंसमुख, चुलबुला और मजेदार है। चुंबक में पांच परिवारों की अलग-अलग कहानियों को एक साथ पिरोया गया है। इसमें अलग-अलग तरह के रिश्ते, स्वभाव और पारिवारिक स्थितियां देखने को मिलती हैं। सीरीज का प्रीमियर 10 सितंबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर हुआ।

गैंगस्टर का रोल निभाना चाहती हैं मालविका मोहनन

साउथ इंडस्ट्री की पॉपुलर अभिनेत्री मालविका मोहनन बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सरदार 2' की रिलीज के लिए तैयार हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे भविष्य में गैंगस्टर का रोल निभाना चाहेंगी। दरअसल, सोशल मीडिया पर सवाल जवाब के दौरान अभिनेत्री से एक फैन ने पूछा कि वो आगे किस तरह के रोल करना चाहती हैं, तो मालविका ने कहा, 'मैं गैंगस्टर का रोल करना चाहती हूं।' इसके साथ ही उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्म 'सरदार 2' के को-स्टार कार्थी के बारे में भी बताया। एक और फैन ने पूछा कि खाने का शौकीन कौन है, तो एक्ट्रेस ने कहा, 'हम दोनों को ही खाना और स्नैकिंग बहुत पसंद है। मुझे तो कभी भी, कहीं भी स्नैक खाना अच्छा लगता है और प्रमोशन के दौरान मुझे लगा कि कार्थी सर भी मेरे जैसे ही हैं।' फिल्म 'सरदार 2' में अभिनेत्री मालविका मोहनन के साथ अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।
पी.एस. मित्रन के निर्देशन में बनी फिल्म साल 2022 की हिट फिल्म 'सरदार' का सीक्वल है। साथ ही, यह फिल्म प्रीक्वल का भी काम करती है, जिसमें एजेंट सरदार (चंद्र बोस) के अतीत और उनके बेटे विजय प्रकाश की कहानी को आगे दिखाया जाएगा। डायरेक्टर पी एस मिथरन ने 'सरदार' में पानी के व्यवसायीकरण के मुद्दे को उठाया था। ये फिल्म बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। अब इस स्पाई थ्रिलर के दूसरे पार्ट में डायरेक्टर ने सेहत और हाइजीन से जुड़े मुद्दों को दिखाने की कोशिश की है। फिल्म में कार्थी एक बार फिर पिता (चंद्रबोस उर्फ सरदार) और पुत्र (इंस्पेक्टर विजय प्रकाश) की दोहरी भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी चंद्रबोस के अतीत के एक अधूरे मिशन और उससे जुड़े पुराने जख्मों से जुड़ी है, जो वर्तमान में एक नए और खतरनाक अंतरराष्ट्रीय खतरे के रूप में लौटती है। इस सीक्वल में एसजे सूर्या एक खूंखार और शक्तिशाली 'ब्लैक डैगर' की भूमिका निभा रहे हैं, जो कार्थी के सामने एक बड़ी चुनौती बनते हैं। फिल्म में मालविका मोहनन, आशिका रंगनाथ और राजिशा विजयन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा, फिल्म में योगी बाबू और अन्य जाने-माने कलाकार भी अहम किरदारों में नजर आएंगे।

प्रीति जिंटा ने 'बंटवारा 1947' के फ्लॉप होने पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा ने लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी की थी। लेकिन उनकी कमबैक फिल्म 'बंटवारा 1947' बॉक्स ऑफिस पर वो कमाल नहीं दिखा सकी, जिसकी मेकर्स और फैंस को उम्मीद थी। भारी-भरकम स्टारकास्ट, आमिर खान का प्रोडक्शन और राजकुमार संतोषी का निर्देशन होने के बावजूद फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन काफी निराशाजनक रहा। अब इस फिल्म के फ्लॉप होने पर खुद प्रीति जिंटा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। मिड-डे को दिए इंटरव्यू में प्रीति जिंटा ने फिल्म के प्रदर्शन पर दिल खोलकर बात की और बताया कि एक अभिनेता के तौर पर आप सिर्फ अपनी मेहनत को कंट्रोल कर सकते हैं, फिल्म के नतीजे को नहीं।
प्रीति जिंटा ने कहा, सबसे पहली बात तो यह है कि मुझे अपनी फिल्म पर बहुत गर्व है। यह मेरे लिए एक बहुत ही भावुक कर देने वाला अनुभव रहा। एक एक्टर के तौर पर, मैं हमेशा अपनी उम्मीदों को संतुलित रखती हूं। जब मैं काम कर रही होती हूं, तो अपना 100 प्रतिशत देने की कोशिश करती हूं। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कर्म के सिद्धांत पर जोर दिया और कहा, मैं कर्म पर विश्वास करती हूं। आप अपना काम पूरी ईमानदारी से करें और बाकी सब ईश्वर पर छोड़ दें। आगे क्या होगा, इस पर आपका कोई नियंत्रण नहीं होता। इसलिए आप हर फिल्म में जितनी हो सके मेहनत करते हैं; मैं अपना 1000 प्रतिशत देती हूँ और बाकी सब भगवान पर छोड़ देती हूं।

फिल्म को क्यों मिला ठंडा रिस्पॉन्स?

फिल्म 'बंटवारा 1947' भारत और पाकिस्तान के विभाजन की पृष्ठभूमि पर आधारित एक भावुक और गंभीर ड्रामा है। यह कहानी मशहूर नाटककार असगर वजाहत के नाटक 'जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ई नई' पर आधारित थी। फिल्म में सनी देओल और शबाना आजमी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए थे। लाहौर में हवेली के मालिकाना हक और सांप्रदायिक तनाव के बीच बुनी गई यह कहानी दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में नाकाम रही। 'बंटवारा 1947' की निराशा को पीछे छोड़ते हुए प्रीति जिंटा अब अपनी अगली फिल्म 'वाइब' की रिलीज की तैयारी में जुट गई हैं। कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित यह एक स्पाई-कॉमेडी फिल्म होगी, जिसमें प्रीति एक अलग और बेहद मजेदार अंदाज में नजर आने वाली हैं। फिल्म 18 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

राकेश ओमप्रकाश मेहरा की नई लव स्टोरी में दिखेंगे विक्रांत

फिल्ममेकर राकेश ओमप्रकाश मेहरा इन दिनों अपनी सबसे बड़ी फिल्म 'कर्ण' की तैयारियों में बिजी हैं। इसकी शूटिंग शुरू करने से पहले राकेश ओमप्रकाश मेहरा एक छोटी फिल्म पूरी करना चाहते हैं। खास बात यह है कि इस फिल्म में विक्रांत मैसी मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक... 'राकेश ने विक्रांत को अपनी अगली फिल्म के लिए चुन लिया है। यह फिल्म एक छोटे शहर की प्रेम कहानी होगी। बताया जा रहा है कि मेहरा इस कहानी को काफी समय से अपने साथ लेकर चल रहे हैं और अब इसे परदे पर उतारना चाहते हैं।'

फैंस को हमारी केमिस्ट्री पसंद है, इसलिए लेकर आए 'ना पूछदे' सॉन्ग

रियलिटी शोज के जरिए दर्शकों के बीच पहचान बनाने वाले योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी अब एक नए अंदाज में साथ नजर आए हैं। 'स्प्लिट्सविला' और 'लॉक अप' के बाद सुर्खियां बटोर चुकी यह जोड़ी पहली बार एक म्यूजिक वीडियो के लिए साथ आई है। दोनों का नया रोमांटिक गाना 'ना पूछदे' रिलीज हो चुका है, जिसमें योगेश और आकांक्षा की केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। खास बात यह है कि गाने में मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ ने आवाज दी है। 'ना पूछदे' को प्ले डीएमएफ और वर्जिन म्यूजिक इंडिया ने पेश किया है। गाने में योगेश रावत और आकांक्षा चौधरी की जोड़ी बेहद रोमांटिक नजर आ रही है। दोनों कलाकारों का कहना है कि यह गाना उनके चाहने वालों के लिए है, जिन्होंने अब तक के सफर में उन्हें भरपूर प्यार दिया है।
गाने को लेकर आकांक्षा चौधरी ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''दर्शकों ने मुझे और योगेश को जो प्यार दिया है, उसके बदले हम भी अपने फैंस को कुछ खास देना चाहते थे। 'ना पूछदे' हमारे लिए ऐसा करने का एक शानदार मौका है। गाने की खूबसूरत लोकेशन ने इसके अनुभव को खास बनाया, वहीं नेहा कक्कड़ की आवाज ने इसमें एक अलग ही मिठास भर दी।'' आकांक्षा ने कहा, ''गाने को बनाते समय पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक जब 'ना पूछदे' को देखेंगे और सुनेंगे, तो वे भी उस प्यार और भावनाओं को महसूस कर पाएंगे, जो इस गाने को तैयार करने में शामिल रही हैं। यह म्यूजिक वीडियो दर्शकों से मिले प्यार के बदले हमारी तरफ से एक छोटा सा तोहफा है।''
वहीं, योगेश रावत ने भी अपने फैंस को सबसे बड़ी ताकत और उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, ''हमारे चाहने वालों ने हमें जिस तरह से सपोर्ट किया है, उसके लिए हम हमेशा आभारी रहेंगे। 'ना पूछदे' के जरिए हमने दर्शकों को अपनी केमिस्ट्री की झलक देने की कोशिश की है, जिसे लोग पसंद करते हैं।'' योगेश ने कहा, ''इस गाने को दर्शकों से जिस तरह का प्यार मिल रहा है, वह हमारे लिए बेहद खास है। अपने पहले गाने में नेहा कक्कड़ की आवाज का होना इस अनुभव को यादगार बनाता है। नेहा की आवाज ने गाने की रोमांटिक भावनाओं को बहुत खूबसूरती से सामने रखा है।''

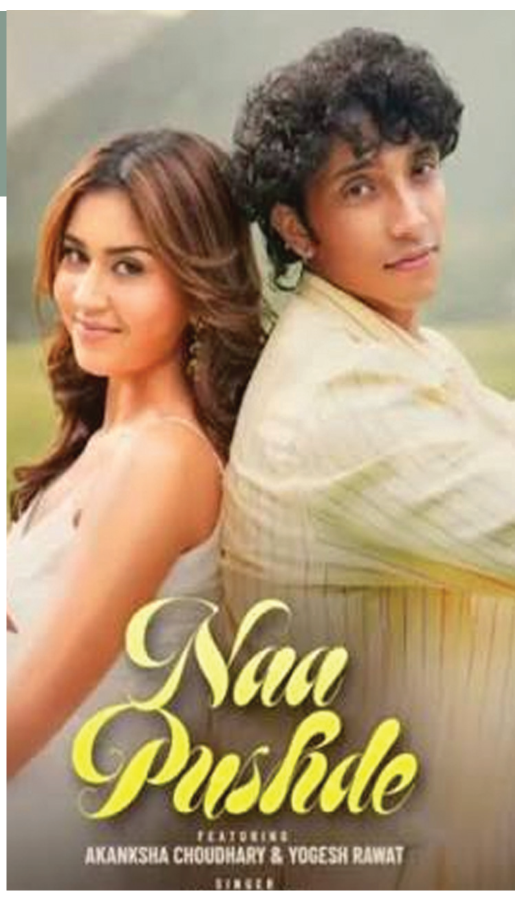

साउथ सिनेमा में शाहिद कपूर की एंट्री

साउथ के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और 'केजीएफ' व 'सालार' फेम डायरेक्टर प्रशांत नील की मच-अवेटेड फिल्म 'ड्रेगन ' पहले ही अपने बड़े स्केल और दमदार स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में है। फिल्म में अनिल कपूर की एंट्री के बाद अब खबर है कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर भी इस एक्शन थ्रिलर का हिस्सा बन सकती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक शाहिद फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभा सकते हैं, जबकि आलिया के रोल को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, इन दोनों नामों को लेकर मेकर्स की तरफ से अभी कोई ऑफिशियली स्टेटमेंट नहीं आई है।
फिल्म की कहानी 1967 के दौर कि है और इसका बैकड्रॉप 'गोल्डन ट्रायंगल' और इंटरनेशनल अफीम ट्रेड से जुड़ा बताया जा रहा है। फिल्म में अनिल कपूर, रुक्मिणी वसंत और आशुतोष राणा जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में हैं। अब खबरें ये भी हैं कि आलिया भट्ट और शाहिद कपूर इस फिल्म से जुड़ने वाले हैं, हालांकि मेकर्स ने अभी इसपर ऑफिशियली कुछ नहीं कही है।

'ड्रेगन ' में दिख सकती है 'शानदार' जोड़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, आलिया भट्ट और शाहिद कपूर 'ड्रेगन ' में लीड रोल निभाने के लिए टीम में शामिल हो गए हैं। दोनों कलाकारों की ये जोड़ी इससे पहले फिल्म 'शानदार' में साथ नजर आ चुकी है। हालांकि, इस खबर पर अभी तक फिल्म के मेकर्स की ओर से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया है।

शाहिद बनेंगे विलेन

वहीं शाहिद कपूर को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा उनके किरदार की है। रिपोर्ट्स की मानें तो 'कबीर सिंह' स्टार फिल्म में नेगेटिव रोल निभा सकते हैं। इससे पहले अप्रैल में 'तेलुगु चित्रालु' की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि शाहिद इस प्रोजेक्ट को लेकर मेकर्स के संपर्क में हैं। अगर उनकी एंट्री पक्की होती है, तो ये तेलुगु सिनेमा में शाहिद कपूर की ऑफिशियल एंट्री होगी।

जूनियर एनटीआर की सर्जरी के बाद रिकवरी जारी

फिलहाल जूनियर एनटीआर अपनी कंधे की सर्जरी के बाद रिकवर कर रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फैंस, दोस्तों और परिवार का उनके सपोर्ट और दुआओं के लिए शुक्रिया भी अदा किया था। इस दौरान प्रशांत नील फिल्म के दूसरे हिस्सों और कलाकारों से जुड़े काम को आगे बढ़ा रहे हैं।

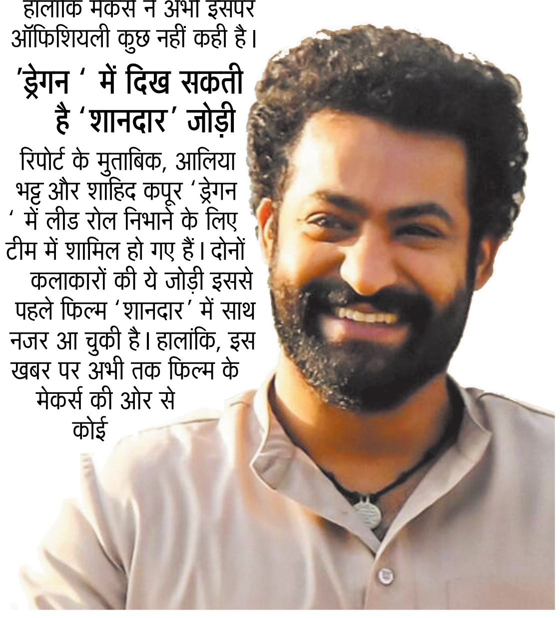

महुआ मोइत्रा का आरोप–प्रदर्शन के दौरान मुझ पर फेंके गए अंडे, पुलिस की भूमिका पर भी सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नदिया। पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के तेहट्टा में बुधवार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान कथित तौर पर अंडे फेंके जाने का मामला सामने आया। महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन के दौरान भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पुलिस की मदद से उन पर अंडे फेंके। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि तत्काल नहीं हुई है। घटना के बाद महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो जारी कर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि वह पश्चिम बंगाल पुलिस को पहले से सूचना देकर अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक बैठक के लिए पहुंची थीं। उनके अनुसार, बैठक के दौरान कुछ लोग वहां पहुंचे और उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। महुआ ने आरोप लगाया कि करीब सात से दस लोगों ने उन पर हमला करने की कोशिश की और इस दौरान अंडे फेंके गए। महुआ ने अपने बयान में उच्चतम न्यायालय में हुई सुनवाई का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अदालत में अंडे फेंके जाने की आशंका को लेकर उन्होंने अपनी चिंता जताई थी और इसके बावजूद वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में आईं। उनके अनुसार, अदालत की ओर से उन्हें क्षेत्र में जाकर स्थिति का सामना करने की बात कही गई थी। महुआ मोइत्रा इससे पहले भी अंडे फेंके जाने के आरोप लगा चुकी हैं। उन्होंने दावा किया था कि 13 जून को कृष्णनगर अदालत के बाहर पेशी के दौरान और 1 जुलाई को कालीगंज में विधायक आवास के बाहर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर अंडे फेंके थे। इन घटनाओं को लेकर भी उन्होंने पुलिस और राजनीतिक विरोधियों की भूमिका पर सवाल उठाए थे। हाल के दिनों में महुआ मोइत्रा के कार्यक्रमों के दौरान विरोध-प्रदर्शन की घटनाएं सामने आई हैं। सितंबर की शुरुआत में नदिया के चापड़ा में भी उनके कार्यक्रम के बाद भाजपा समर्थकों द्वारा काले झंडे दिखाकर विरोध किए जाने की खबर सामने आई थी। तेहट्टा की ताजा घटना को लेकर महुआ मोइत्रा के आरोपों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बार फिर राजनीतिक टकराव और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस या भाजपा की ओर से इस विशेष घटना पर स्वतंत्र रूप से पुष्टि करने वाला विस्तृत बयान सामने आना अभी बाकी है।

आदित्य ठाकरे बोले–दिशा सालियान को कभी नहीं जानता था, न उनसे मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को दिवंगत दिशा सालियान से किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया। उन्होंने कहा कि वह सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व प्रबंधक दिशा सालियान को न तो जानते थे और न ही कभी उनसे मिले थे। आदित्य ने आरोप लगाया कि राजनीतिक फायदे के लिए कुछ लोग जानबूझकर उनका नाम इस मामले से जोड़कर उन्हें बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। आदित्य ठाकरे का यह बयान ऐसे समय आया है

जब दिशा सालियान की वर्ष 2020 में हुई मौत के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई बंबई उच्च न्यायालय के 2 सितंबर के आदेश के बाद हुई है। अदालत ने मामले की नए सिरे से जांच का निर्देश देते हुए कहा था कि किसी व्यक्ति को पर्याप्त सामग्री सामने आने तक आरोपी नहीं माना जाना चाहिए। दिशा सालियान की जून 2020 में मुंबई के मलाड इलाके में एक आवासीय इमारत से गिरने के बाद मौत हुई थी। शुरुआती पुलिस जांच में इसे आत्महत्या माना गया था और जांच में यौन या शारीरिक हमले के प्रमाण नहीं मिलने की बात कही गई थी। बाद में दिशा के पिता सतीश सालियान ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का रुख किया। सतीश सालियान ने अदालत में अपनी बेटी के साथ दुष्कर्म और हत्या किए जाने तथा मामले को दबाने का आरोप लगाया था। उन्होंने आदित्य ठाकरे समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग भी की थी। हालांकि ये आरोप जांच का विषय हैं और अभी अदालत या जांच एजेंसी की ओर से इन आरोपों को सिद्ध तथ्य के रूप में घोषित नहीं किया गया है। सीबीआई ने दिशा के पिता का बयान दर्ज करने के बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। एजेंसी अब वर्ष 2020 की घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। ऐसे में आदित्य ठाकरे का इन आरोपों से साफ इनकार राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तर पर मामले के नए चरण के बीच सामने आया है।

सत्य निकेतन हॉस्टल हादसा सामान्य दुर्घटना नहीं, लापरवाही का नतीजा: दिल्ली हाईकोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। सत्य निकेतन में पांच मंजिला छात्रावास की इमारत गिरने के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को सख्त टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की पीठ ने कहा कि यह कोई सामान्य दुर्घटना नहीं थी, बल्कि कुछ लोगों के लापरवाह और आपराधिक रवैए का परिणाम है। अदालत ने कहा कि चार छात्र छोटे शहरों से करियर बनाने की उम्मीद लेकर दिल्ली आए थे, लेकिन लापरवाही ने उनके

सपने तोड़ दिए। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर के पास सत्य निकेतन में लड़कों के लिए पांच मंजिला किराये का छात्रावास संचालित था। 6 सितंबर को मरम्मत और पुनर्निर्माण के दौरान इमारत अचानक ढह गई। मलबे में दबने से सात लोगों की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य घायल हुए थे। घटना के बाद छात्रावासों और विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित आवास की व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल उठे। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि हादसे के बाद अधिकारियों ने कई कदम उठाए हैं। इनमें विद्यार्थियों के लिए छात्रावास बनाने की दिशा में जमीन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की पहचान कर उन्हें अलग रखने की कार्रवाई भी शामिल है। इस पर पीठ ने कहा कि छात्रावासों की कमी कोई नई समस्या नहीं है। विद्यार्थी पढ़ाई के लिए दिल्ली आ रहे हैं और ऐसे में उनके रहने की सुरक्षित व्यवस्था जरूरी है। अदालत सत्य निकेतन हादसे की स्वतंत्र जांच की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका आकर्षक दानवीर राठी ने दायर की है। इसमें दिल्ली के सभी किराये के छात्रावासों और ऐसे आवासों की जांच, हादसे के पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए मुआवजा तथा पुनर्वास योजना की मांग की गई है। पीठ ने कहा कि इस याचिका पर 25 सितंबर को एक अन्य याचिका के साथ सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने 7 सितंबर को हादसे की उच्चस्तरीय नगर निगम जांच का आदेश दिया था और कहा था कि सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। अदालत ने दिल्ली विश्वविद्यालय और सरकार द्वारा संचालित छात्रावासों की स्थिति तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिए किराये के आवासों को नियंत्रित करने की व्यवस्था पर भी चिंता जताई थी। मामले में पुलिस ने इमारत के मालिक हरिराम बंसल, उनकी पत्नी उर्मिला, बेटे महेश, श्रमिक ठेकेदार सनोज और सुधांशु को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में ठेकेदार सनोज ने कथित तौर पर बताया कि महेश गुप्ता ने उसे करीब 10 दिन पहले मरम्मत का काम सौंपा था। तहखाने को भूतल के बराबर करने के लिए उसमें मलबा डाला जा रहा था। हादसे वाले दिन भूतल की एक दीवार हटाई गई और इसके बाद कमजोर इमारत भार नहीं सह सकी तथा ढह गई।

श्री बलियादेव युवक मंडल द्वारा 19वां गणपति महोत्सव धूमधाम से मनाया

गया: अध्यक्ष पवन माकन ने परिवार संग की गणेश जी की महाआरती

महानगर मेट्रो स्पेशल: पिछले 19 वर्षों से निरंतर सेवा और भक्ति की परंपरा

श्रद्धालुओं में दिखा जबरदस्त उत्साह!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। विघ्नहर्ता, बुद्धिदाता और मंगलमूर्ति श्री गणेश जी का उत्सव पूरे राज्यभर में अत्यंत उत्साह और आस्था के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में अहमदाबाद में श्री बलियादेव युवक मंडल द्वारा आयोजित 19वें भव्य गणेश महोत्सव में भक्ति, श्रद्धा और अद्भुत उत्साह का संगम देखने को मिला। गणेश महोत्सव के इस पावन अवसर पर मंडल के अध्यक्ष पवन माकने अपने परिवार के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहे और विघ्नहर्ता बाप्पा की भावपूर्वक महाआरती उतारी। उन्होंने परिवार सहित भगवान गणेश जी के दिव्य दर्शन कर सुख, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त किया।

पिछले 19 वर्षों से निरंतर सेवा

इस अवसर पर मंडल के अध्यक्ष पवन माकने ने महोत्सव की पृष्ठभूमि साझा करते हुए कहा, 'गणपति बाप्पा की असीम कृपा और युवाओं के साझा प्रयास से पिछले 19 वर्षों से इस भव्य गणेश महोत्सव का सफल आयोजन निरंतर हो रहा है।' उन्होंने आगे कहा कि श्री बलियादेव युवक मंडल के प्रत्येक छोटे-बड़े सदस्य के अटूट सहयोग, समर्पण भावना और दिन-रात की मेहनत के कारण ही हर साल यह महोत्सव और अधिक आकर्षक एवं भक्तिमय बनता जा रहा है। इस महोत्सव की मुख्य विशेषता यह रही है कि हर वर्ष युवक मंडल द्वारा कुछ नया और आकर्षक मंडप निर्माण व सांस्कृतिक आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी गणेश जी की अद्भुत प्रतिमा और भव्य पंडाल ने सभी भक्तों का दिल जीत लिया। मंडल के कार्यकर्ताओं का उत्साह और निरंतर भक्तिभाव देखकर आसपास के निवासी और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। इस आयोजन को सफल बनाने में केवल युवक मंडल ही नहीं, बल्कि स्थानीय नागरिक भी अपना योगदान देकर उत्सव की शोभा बढ़ा रहे हैं। महाआरती संपन्न होने के बाद पवन माकने ने देशवासियों के लिए मंगल कामना की। उन्होंने कहा, 'हमने विघ्नहर्ता बाप्पा के चरणों में यही प्रार्थना की है कि भगवान देश के सभी नागरिकों को उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख और समृद्धि प्रदान करें। गणेश जी सभी भक्तों के कष्ट और दरिद्रता दूर करें तथा समाज में भाईचारे और शांति का वास हो।'

गणेश महोत्सव के दौरान आयोजित इस महाआरती में महिलाएं, पुरुष, बच्चे और मंडल के सभी कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। ढोल-नगाड़ों की थाप और 'गणपति बाप्पा मोरया' के गगनभेदी जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। आरती के पश्चात सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया।

भारत के युगपुरुष और वैश्विक नेता: नरेंद्र मोदी

अनवरत सेवा, दृढ़ संकल्प और अटूट नेतृत्व की गौरवगाथा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारत के राजनीतिक और सामाजिक इतिहास में कुछ ऐसे युगपुरुष जन्म लेते हैं, जो न केवल देश की दिशा तय करते हैं बल्कि पूरी दुनिया में राष्ट्र का डंका बजाते हैं। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एक ऐसा ही तेजस्वी और ओजस्वी नेतृत्व हैं, जिन्होंने अपने समर्पण, देशभक्ति और 'राष्ट्र प्रथम' (नेशन फर्स्ट) के मंत्र से भारत के प्रत्येक नागरिक के दिल में एक नया आत्मविश्वास जगाया है।

वडनगर के साधारण परिवार से देश के प्रधानसेवक तक की दिव्य यात्रा

गुजरात के छोटे से गांव वडनगर से शुरू हुई उनकी जीवनयात्रा संघर्ष और सेवाभाव से भरी रही है। बचपन से ही देशसेवा के लिए समर्पित होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रचारक के रूप में उन्होंने भारत की भौगोलिक और सामाजिक वास्तविकताओं को बहुत करीब से समझा। इसके बाद भारतीय जनता पार्टी में संगठन क्षेत्र में योगदान देकर उन्होंने अपनी अद्भुत संगठन शक्ति का परिचय दिया।

गुजरात का विकास मॉडल: स्वर्णिम भारत की मजबूत नींव

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने 13 वर्षों तक जिस तरह से शासन की बागडोर संभाली, उसने भारत में सुशासन (गुड गवर्नेंस) की नई परिभाषा लिखी। 'वाइब्रेंट गुजरात', कन्या शिक्षा, बिजली और पानी की कठिन समस्याओं का स्थायी समाधान तथा राज्य के उद्योगों को मिली नई ऊंचाइयों ने 'गुजरात मॉडल' को

दुनियाभर में प्रसिद्ध किया। गुजरात का यह निरंतर विकास ही बाद में 2014 में देश में एक युग-परिवर्तन का आधार बना।

2014 से शुरू हुआ 'नवभारत' का स्वर्णकाल

2014 में देश के 'प्रधानसेवक' के रूप में जिम्मेदारी संभालने के बाद नरेंद्र मोदी ने भारत को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प लिया। गरीब कल्याण और सामाजिक क्रांतिः जन धन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और पक्के मकानों की योजनाओं के माध्यम से उन्होंने देश के अंतिम व्यक्ति तक विकास के फल पहुंचाए।

सांस्कृतिक पुनरुत्थान: सदियों से देशवासियों की आस्था के केंद्र अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन महाकाल लोक के माध्यम से भारतीय संस्कृति और आस्था को वैश्विक पहचान दिलाई।

सुरक्षित और मजबूत भारत: आतंकवाद के खिलाफ 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति, सर्जिकल स्ट्राइक और धारा 370 को हटाना जैसे असंभव लगने वाले ऐतिहासिक फैसले लेकर उन्होंने भारत की आंतरिक और सीमा सुरक्षा को अभेद्य बनाया।

विश्वगुरु की ओर बढ़ता भारत

आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बन चुका है और जल्द ही तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। जी-20 की सफल अध्यक्षता, चंद्रयान की सफलता और वैश्विक मंचों पर भारत की बुलंद आवाज इस बात की गवाह है कि भारत आज केवल एक देश नहीं, बल्कि दुनिया को दिशा दिखाने वाला 'विश्वबंधु' बन रहा है। नरेंद्र मोदी केवल एक नेता नहीं हैं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों के सपनों को साकार करने वाली एक विचारधारा और क्रांति हैं। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र के साथ वे भारत को उसके स्वर्णिम युग की ओर ले जा रहे हैं।

2 वर्ष के मासूम विहान की मौत के बाद आमोद के मछासरा गांव की पंचायत कुंभकर्णी नींद से जागी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आमोद/भरूच। प्रशासन की घोर लापरवाही और उदासीनता कभी-कभी निर्दोषों की जान ले लेती है, ऐसा ही एक दुखद और आक्रोश पैदा करने वाला मामला भरूच जिले की आमोद तहसील के मछासरा गांव में सामने आया है। मछासरा गांव में सड़क पर मौत का कुआं बनी खुली गटर में गिरने से 2 साल के मासूम बच्चे विहान शैलेश राठौड़ की दर्दनाक मौत हो गई। मासूम विहान की असामयिक मृत्यु से पूरे आमोद क्षेत्र और मछासरा गांव में मातम के साथ भारी शोक छा गया है।

इस दुखद दुर्घटना के घटने और बच्चे की दर्दनाक मौत के बाद ही मछासरा ग्राम पंचायत की नींद खुली है। जो खुली गटर लंबे समय से हादसों को न्योता दे रही थी, उस पर मासूम की मौत के बाद आनन-फानन में ढक्कन लगाने का काम शुरू किया गया है। स्थानीय लोगों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है कि यदि यह काम समय रहते पहले कर लिया गया होता तो आज एक निर्दोष बच्चे को अपनी जान नहीं गंवानी पड़ती। घटना के संबंध में स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, गटर पर पहले ढक्कन रखे गए थे, लेकिन आसपास के निवासियों द्वारा कपड़े धोने सहित स्थानीय उपयोग के लिए ढक्कन बार-बार हटा दिए जाते थे।

हालांकि, गटर खुली रहने के बावजूद ग्राम पंचायत ने इसकी गंभीरता को समझते हुए उचित देखरेख या पक्के लॉकिंग सिस्टम की व्यवस्था क्यों नहीं की?

इस बात को लेकर भी गांव में बहस और विवाद जारी है। हादसे की खबर मिलते ही जंबूसर के विधायक देवकिशोर स्वामी तुरंत मछासरा गांव में मृतक मासूम विहान के घर पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना देकर श्रद्धांजलि अर्पित की और इस दुख की घड़ी में परिवार को सरकार से मिलने वाली सभी आर्थिक और कानूनी सहायता जल्द से जल्द दिलाने का आश्वासन दिया।

महानगर मेट्रो का ज्वलंत सवाल

मासूम विहान की मौत के बाद अब पंचायत द्वारा ढक्कन तो लगाए जा रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ ढक्कन रखने से जिम्मेदारी पूरी हो जाएगी? भविष्य में ऐसी कोई गंभीर दुर्घटना न हो, इसके लिए स्थायी और सुरक्षित व्यवस्था बनी रहे, यह बेहद जरूरी है।

गुजरात कांग्रेस नेता के बेटे को फर्जी पासपोर्ट मामले में किया गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजरात एटीएस ने प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गीताबेन पटेल के बेटे हरिकेश पटेल को फर्जी पासपोर्ट मामले में गिरफ्तार किया है। अहमदाबाद निवासी हरिकेश को 12 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन अदालत ने उसे छह दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। अधिकारियों के अनुसार, हरिकेश ने पावरबैंक ऐप से जुड़े धनशोधन मामले में अपना भारतीय पासपोर्ट अदालत में जमा किया था। इसके बाद उसने दिल्ली अपराध शाखा में पासपोर्ट खोने की कथित झूठी शिकायत दर्ज कराई और गलत जानकारी व फर्जी दस्तावेजों के आधार पर दूसरा पासपोर्ट हासिल कर लिया। यह पासपोर्ट 26 जुलाई 2024 को गाजियाबाद स्थित क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय से जारी हुआ था। जांच में सामने आया कि हरिकेश ने आधार कार्ड में उत्तर प्रदेश के आगरा का गलत पता दर्ज कराया और इसके आधार पर अन्य दस्तावेज तैयार करवाए। एटीएस के मुताबिक, दूसरे पासपोर्ट का इस्तेमाल कर उसने भूटान के रास्ते बैंकॉक, सिंगापुर और दुबई की यात्रा की तथा नेपाल के रास्ते भारत लौटा। अधिकारियों का आरोप है कि उसने गिरफ्तारी से बचने और विदेश जाने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया अपनाई। हरिकेश के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में उसके नाम पर कई कंपनियों और कथित फर्जी बैंक खातों की जानकारी भी सामने आई है। उसके खिलाफ पहले भी नारनपुरा और अपराध शाखा में धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज होने तथा गिरफ्तारी की जानकारी सामने आई है। मामले की आगे जांच जारी है।

भारत की अफगानिस्तान पर 10वीं लगातार टी-20 जीत, सैमसन ने रोहित शर्मा के क्लब में बनाई जगह

अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरे टी-20 मुकाबले में भारत ने अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। भारत ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टी–20 मुकाबले में अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर लगातार 10वीं जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने किसी एक टीम के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी–20 अंतरराष्ट्रीय मैच जीतने का अपना रिकॉर्ड और मजबूत किया। मुकाबले में कई व्यक्तिगत उपलब्धियां और दिलचस्प पल भी देखने को मिले। भारतीय ओपनर संजू सैमसन ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक खास उपलब्धि अपने नाम की। वे टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बतौर ओपनर 1000 रन पूरे करने वाले पांचवें भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। सैमसन के नाम अब बतौर ओपनर 1,026 रन हो गए हैं। इस सूची में रोहित शर्मा 3,750 रन के साथ शीर्ष पर हैं। सैमसन की इस उपलब्धि ने उन्हें भारतीय क्रिकेट के चुनिंदा ओपनरों के क्लब में शामिल कर दिया। भारत के खिलाफ अफगानिस्तान की लगातार हार का सिलसिला भी जारी रहा। 2010 से 2026 के बीच अफगान टीम भारत के खिलाफ लगातार 10 टी–20 मुकाबले हार चुकी है। इसके साथ ही अफगानिस्तान भारत के खिलाफ लगातार सबसे ज्यादा टी–20 मैच गंवाने वाली टीम बन गई है। मुकाबले में राशिद खान के एक ओवर में भी रोमांचक घटनाक्रम देखने को मिला। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने राशिद की गेंद पर छक्के लगाए, लेकिन दोनों ही बल्लेबाज अगली गेंद पर आउट हो गए। एक ही ओवर में छक्के और विकेट का यह सिलसिला मैच के खास पलों में शामिल रहा। अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने भी इस मुकाबले के दौरान टी–20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बड़ी उपलब्धि हासिल की। वे टी–20 अंतरराष्ट्रीय में 2,500 से ज्यादा रन और 100 से अधिक विकेट लेने वाले दुनिया के चौथे खिलाड़ी बन गए। नबी के नाम अब 2,501 रन और 111 विकेट हैं। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले अफगान क्रिकेटर भी हैं।

आईपीएस बुशरा बानो का तबादला, अभिवादन वाले वीडियो के बाद उठे सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी डॉ. बुशरा बानो का तबादला कर दिया है। बानो पश्चिम मेदिनीपुर के खड़गपुर में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर कार्यरत थीं। अब उन्हें राज्य सशस्त्र पुलिस की चौथी बटालियन का उप कमांडेंट नियुक्त किया गया है। उनकी जगह पार्थ घोष खड़गपुर के नए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक होंगे। बानो का तबादला 13 सितंबर को सामने आए एक वीडियो के बाद हुए विवाद से जोड़कर देखा जा रहा है। वीडियो में वह संघ लोक सेवा आयोग की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाती नजर आई थीं। पुलिस की वर्दी में बनाए गए इस वीडियो की शुरुआत उन्होंने 'अस्सलामुअलैकुम' से की और 'इंशाअल्लाह' तथा 'जजाकल्लाह' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। वीडियो बाद में उनके सामाजिक माध्यम खाते से हटा दिया गया। वीडियो को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई थी। 'हिंदू लीगल फंड' नामक सामाजिक माध्यम खाते ने दावा किया था कि इस संबंध में राज्य के गृह सचिव से शिकायत की गई है। संगठन ने अधिकारी के सार्वजनिक संवाद में राष्ट्रीय अभिव्यक्तियों के इस्तेमाल को लेकर सवाल उठाए थे। पूर्व क्रिकेटर और सांसद मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तबादले पर सवाल उठाते हुए कहा कि केवल 'अस्सलामुअलैकुम' और 'इंशाल्लाह' कहने को कार्रवाई का आधार बनाना चिंताजनक है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा और कांग्रेस सांसद इमरान प्रतापगढ़ी ने भी बानो के समर्थन में प्रतिक्रिया दी और तबादले की आलोचना की।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.